TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition | पेयजल के लिए छावनी परिषद कार्यालय में हंगामा... (पेज-3) | पृष्ठ- 8 | वर्ष-01 अंक-48 | मूल्य ₹7 | गुरूवार | दिनांक- 20.08.2026

बहन के घर आए युवक की गोली मारकर हत्या

- कुलदेवी मंदिर के पास वारदात, तीन लोगों पर हत्या का आरोप, पुलिस जांच में जुटी

टीएनएफ टुडे, अछनेरा।

थाना क्षेत्र के गांव ताजपुर नगरिया में बुधवार रात करीब आठ बजे एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। युवक चार दिन पहले अपनी बहन के घर आया था। वारदात के बाद गांव में सनसनी फैल गई और मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई।

ग्रामीणों के अनुसार, ताजपुर नगरिया निवासी पूरन पुत्र रामसिंह का साला ओमप्रकाश चार दिन पहले गांव आया था। बुधवार रात वह गांव से करीब एक किलोमीटर दूर कुलदेवी मंदिर के पास था। इसी दौरान उसे गोली मार दी गई। गोली लगने से उसकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही अछनेरा थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। ग्रामीणों में चर्चा है कि तीन लोगों ने युवक को गोली मारी और वारदात के बाद मौके से फरार हो गए। बताया जा रहा है कि आरोपियों में कुछ उसी गांव के हैं। जबकि एक आरोपी उनका रिश्तेदार बताया जा रहा है। हालांकि पुलिस ने अभी आरोपों की पुष्टि नहीं की है।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना के कारणों को लेकर पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है। आरोपियों की तलाश में जुटी है।

एसीपी अछनेरा शैलेंद्र सिंह ने बताया कि युवक को गोली मारे जाने की सूचना मिली है। थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई है।

डेढ़ किग्रा के अंडाशय ट्यूमर का सफल आपरेशन

मेडिकल कॉलेज एटा से सम्बद्ध अस्पताल में मिली सफलता

टीएनएफ टुडे, एटा।

वीरांगना अबन्तीबाई लोधी ऑटोनोमस स्टेट मेडिकल कॉलेज, एटा के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में लगभग डेढ़ किलोग्राम वजन के विशाल अंडाशय ट्यूमर का सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया गया। यह उपलब्धि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बलवीर सिंह के कुशल नेतृत्व, मार्गदर्शन एवं निरंतर प्रयासों का परिणाम है।

विभागाध्यक्ष डॉ. साधना सिंह ने बताया कि 29 वर्षीय महिला पिछले लगभग एक माह से पेट दर्द एवं कमजोरी की समस्या से परेशान थीं। जांच के दौरान अल्ट्रासाउंड एवं एमआरआई में अंडाशय में लगभग 12.10 सेंटीमीटर आकार के बड़े ट्यूमर की पुष्टि हुई। मरीज की स्थिति लगातार कमजोर होती जा रही थी। पूर्व में उन्हें कुछ स्थानों पर बच्चेदानी निकलवाने की सलाह दी गई थी। मरीज ने मेडिकल कॉलेज एटा के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में परामर्श लिया। स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों द्वारा तत्काल ऑपरेशन का निर्णय लिया गया।

मंगलवार को विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के दौरान लगभग डेढ़ किलोग्राम का विशाल अंडाशय ट्यूमर निकाला गया। ट्यूमर के एक हिस्से में सड़न शुरू हो चुकी थी। समय पर ऑपरेशन किए जाने से मरीज को गंभीर संक्रमण एवं अन्य संभावित जटिलताओं से बचाया जा सका। मरीज की बच्चेदानी को सुरक्षित रखा गया। ऑपरेशन डॉ. साधना सिंह एवं डॉ. पंखुड़ी द्वारा किया गया। एनेस्थीसिया की जिम्मेदारी डॉ. श्रुति एवं डॉ. अश्विनी द्वारा सफलतापूर्वक निभाई गई। ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति संतोषजनक है। मरीज एवं उनके परिजनों ने सफल उपचार के लिए चिकित्सकों एवं प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की पूरी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। प्राचार्य डॉ. बलवीर सिंह ने कहा कि मेडिकल कॉलेज एटा में मरीजों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए महाविद्यालय निरंतर प्रयासरत है।

दीपके से मिले महात्मा गांधी के परपोते: बोले- तुषार गांधी हमारे साथ खड़े

एजेंसी, संभाजीनगर।

कुछ वर्गों की ओर से आंदोलनकारियों को राष्ट्रविरोधी, अराजकतावादी और हिंसक बताए जाने पर कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने पलटवार किया है। अभिजीत दीपके ने बुधवार को कहा कि महात्मा गांधी का परिवार हमारे साथ खड़ा है और यह हमारी देशभक्ति का सबसे बड़ा प्रमाण है। वह महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर स्थित अपने आवास पर महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। दीपके ने कहा, "यह गर्व की बात है कि महात्मा गांधी का परिवार हमारे साथ खड़ा है। आंदोलन के दौरान हमें राष्ट्रविरोधी, अराजकतावादी और हिंसक लोग कहा गया। लेकिन आज तुषार गांधी हमारे साथ खड़े हैं। यह इस बात का सबसे बड़ा प्रमाण है कि हम शांति पसंद करने वाले, अहिंसक और देशभक्त हैं। मुझे उम्मीद है कि हमारे खिलाफ आरोप लगाने वालों को आज जवाब मिल गया होगा।"

'महात्मा गांधी की विचारधारा, देश की आत्मा'

सीजेपी के संस्थापक ने आरोप लगाया कि जिस विचारधारा ने महात्मा गांधी की हत्या की, वह कई वर्षों से उनके विचारों को खत्म करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, "लेकिन गांधीजी की विचारधारा इस देश की आत्मा है। हमारा आंदोलन इसलिए सफल हुआ क्योंकि हम महात्मा गांधी के रास्ते पर चले। हमने दिखाया है कि उनके विचार कभी खत्म नहीं हो सकते। पहले हमारी तुलना नेपाल और बांग्लादेश से की गई। लेकिन जैसा कि मैंने पहले कहा था, जब दुनिया गांधीजी से सीखती है तो हमें कहीं और देखने की जरूरत नहीं है।"

'जम्मू कश्मीर भारत का अहम हिस्सा'

पाकिस्तान को अमेरिकी राजदूत के बयान पर एतराज, यूएस डिप्लोमैट को तलब किया

एजेंसी, नई दिल्ली।

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने बुधवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अहम हिस्सा है। उन्होंने कहा कि "मैं पहली बार इस जगह का दौरा कर रहा हूं। यह खूबसूरत जगह है।"

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो ने सीएम उमर अब्दुल्ला से मुलाकात भी की। इस बीच, पाकिस्तान ने सर्जियो के बयान पर ऐतराज जताया और कहा कि सार्वजनिक बयानों में कश्मीर की स्थिति का ध्यान रखा जाए।

धारा 370 हटने के बाद यह किसी अमेरिकी राजदूत का पहला दौरा है। इससे पहले 9 जनवरी 2020 में तत्कालीन अमेरिकी राजदूत केनेथ जस्टर 15 देशों के सरकारी डेलिगेशन के साथ कश्मीर गए थे।

सर्जियो के बयान पर पाकिस्तान को ऐतराज

पाकिस्तान ने इस्लामाबाद में अमेरिकी राजनयिक को तलब कर भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के जम्मू-कश्मीर दौरे का विरोध किया। पाकिस्तान ने सर्जियो के बयान पर भा आपत्ति जताई है और इस बयान को खारिज कर दिया है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर का समाधान संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों के तहत ही होना चाहिए। पाकिस्तान ने अमेरिका से आग्रह किया है कि वह अपने सार्वजनिक बयानों में कश्मीर की इस स्थिति का ध्यान रखें।

उमर से मुलाकात में ट्रैवल एडवाइजरी पर बात हुई

- सर्जियो ने उमर से मुलाकात के दौरान कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था की तारीफ की। दोनों नेताएं की बातचीत के दौरान ट्रैवल एडवाइजरी का मुद्दा उठा।
- इस पर सर्जियो ने कहा- अभी ट्रैवल एडवाइजरी में बदलाव को लेकर कोई बड़ा ऐलान नहीं कर सकता। केंद्र सरकार, मुख्यमंत्री और स्थानीय प्रशासन ने इलाके को सुरक्षित बनाने के लिए कदम उठाए हैं।
- इसके मद्देनजर अमेरिका द्वारा जारी ट्रैवल एडवाइजरी की समीक्षा की जाएगी और इस पर विचार होगा कि क्या चेतावनी के स्तर को घटाया जा सकता है।'
- उमर अब्दुल्ला ने कहा, "हमारी बैठक बहुत अच्छी रही। विशेष रूप से इस बात पर ध्यान केंद्रित किया गया कि अमेरिका जम्मू और कश्मीर के मामले में क्या कर सकता है। कुछ पुराने मुद्दे हैं जिन्हें हम समय के साथ सुलझाने का प्रयास करेंगे।"

भारत में लेवल-2, कई इलाकों में लेवल-4 चेतावनी

अमेरिकी विदेश मंत्रालय अलग-अलग देशों के लिए अपने नागरिकों को ट्रैवल एडवाइजरी जारी करता है। भारत को लेकर अमेरिका ने लेवल-2 एडवाइजरी है, लेकिन जम्मू-कश्मीर और मणिपुर समेत कुछ इलाकों के लिए लेवल-4 की एडवाइजरी जारी की हुई है।

ट्रेवल एडवाइजरी का मुद्दा अहम क्यों?

- किसी देश की सरकार द्वारा अपने नागरिकों को किसी दूसरे देश या किसी खास क्षेत्र की यात्रा के बारे में दी गई सुरक्षा संबंधी आधिकारिक सलाह को ट्रेवल एडवाइजरी कहा जाता है।
- आम तौर पर बताया जाता है कि वहां यात्रा करना सुरक्षित है या नहीं, किन इलाकों में जाने से बचना चाहिए, वहां आतंकवाद, हिंसा, युद्ध या अशांति का खतरा है या नहीं, प्राकृतिक आपदा, बीमारी या अन्य जोखिम की स्थिति क्या है, यात्रा करने पर किन सावधानियों का पालन करना चाहिए।

पटना में राजद का राजभवन मार्च, हिरासत में लिए गए तेजस्वी

पटना। बुधवार को राजद के विधानसभा मार्च के दौरान पटना की सड़कों पर जमकर हंगामा हुआ। राजद कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस को वाटर कैनन का उपयोग करना पड़ा। इसके बाद बिहार पुलिस ने तेजस्वी यादव को हिरासत में ले लिया। राजद द्वारा यह मार्च बिहार में नीट प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ हुए आंदोलन के दौरान कथित पुलिस ज्यादती के विरोध में निकाला गया। इसी मार्च के दौरान तेजस्वी यादव को आयकर गोलंबर के पास हिरासत में ले लिया गया। राजद का यह प्रोटेस्ट मार्च पटना में जेपी गोलंबर से शुरू हुआ और इसे शहर के प्रमुख डाक बंगला चौराहा होते हुए बिहार लोक भवन पहुंचना था। हिरासत में लिए जाने के बाद मीडिया से तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार सरकार छात्रों, नौजवानों और जनता से डरी हुई है। बिहार सरकार हमें कब तक रोकेगी, कब तक गोलियां चलाएगी और कब तक जेल भेजेगी। उन्होंने कहा, "जो सत्ता में आया है, उसका जाना तय है, कोई परमानेंट नहीं होता, सबका हिसाब लिया जाएगा।" प्रदर्शन के दौरान मीडिया से बातचीत में राजद की नेता मीसा भारती ने कहा कि राजद कार्यकर्ता और बिहार के छात्र जेल जाने के लिए भी तैयार हैं। उन्होंने कहा कि जब तक सीवान के डीएम को सस्पेंड नहीं किया जाता है, तब तक हम डटे रहेंगे। वाटर कैनन के इस्तेमाल के सवाल पर उन्होंने कहा कि ये तो बहुत छोटी बात है, अगले कुछ दिनों में सरकार बंदूकों का इस्तेमाल करती भी दिखाई दे सकती है। इससे पहले मीसा भारती ने कहा, "छात्रों के साथ जो अन्याय हुआ है, आज कम से कम बीस से पच्चीस दिन गुजर गए हैं, फिर भी सरकार नींद से नहीं जानी है। आज सुना कि सुप्रीम कोर्ट में भी बिहार सरकार ने यह माना कि एके-47 का इस्तेमाल हुआ था। जज साहब को यह पूछना चाहिए था सुप्रीम कोर्ट में कि एके-47 लेकर छात्रों के प्रदर्शन में जाने की अनुमति किसने दी। अगर डीएम और एसपी ने अनुमति दी थी तो तुरंत उनको सस्पेंड करना चाहिए।"

फूट-डालो, राज करो की नीति अपना रहे अखिलेश, 73-39 के आंकड़े ने बीजेपी को फंसाया?

एजेंसी, लखनऊ।

उत्तर प्रदेश में जैसे-जैसे चुनावी समय नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे सीटों की गणित भी तैयार होने लगी है। लेकिन इस बार थोड़ा मामला अलग देखने को मिल रहा है। क्योंकि सीटों का बंटवारा जिस एनडीए को करना है, उससे पहले समाजवादी पार्टी ने बता दिया कि एनडीए में शामिल दूसरे दलों को कितनी-कितनी सीटें मिलने वाली हैं। अब इस पूरे मामले को लेकर राजनीति शुरू हो गई है। क्योंकि यूपी की सियासत में सीटों की गणित केवल संख्या का खेल नहीं होता है। बल्कि यह मैसेज भी होता है कि कौन सी पार्टी अपने सहयोगियों को कितना राजनीतिक महत्व दे रही है। ऐसे वक्त में अखिलेश यादव ने एनडीए के संभावित बंटवारे का आंकड़ा जारी कर कई निशाने साधे हैं।

क्या फूट डालो, राज करो की नीति अपना रहे अखिलेश

अखिलेश यादव ने अपने पोस्ट में जो नंबर जारी किए हैं, उसके मुताबिक बीजेपी अपने सहयोगी दलों को 162 सीट देने की तैयारी है। अखिलेश यादव के दावे के मुताबिक रालोद को 73, सुभासपा को 39, निषाद पार्टी को 31 और अपना दल (एस) को 19 सीटें मिलने वाली हैं। हालांकि अखिलेश यादव ने यह आंकड़े सूत्रों के हवाले से जारी किए हैं। लेकिन सवाल यह है कि अखिलेश यादव ने विपक्षी गठबंधन की सीटों का संभावित फॉर्मूला पब्लिक क्यों किया है। क्या है बीजेपी पर दबाव बनाने की राजनीति है या फिर फूट डालने की कोशिश। क्योंकि निषाद पार्टी और सुभासपा अधिक सीटों की मांग पहले से कर रही है।

सीटों की संख्या तय करती है सियासत में कद

राजनीति में किसी भी सहयोगी दल के लिए सीटों की संख्या केवल चुनाव लड़ने का मौका नहीं होता है। बल्कि उसे अपना सियासी कद दिखाने का भी मौका होता है। साथ ही संगठन के विस्तार से भी यह फैसला जुड़ा होता है। अब अखिलेश यादव ने जैसे ही सीटों की गणित बताई, वैसे ही अब एनडीए के हर सहयोगी दलों के मन में कम या ज्यादा की भावना आ सकती है। हालांकि खुद सहयोगी दल और बीजेपी फिलहाल सीटों के बंटवारे पर होने वाले विवाद रोकना चाहेगी। क्योंकि यह प्रदेश में बहस का मुद्दा बन सकता है।

क्या अखिलेश ने जयंत और राजभर का बढ़ा दी राजनीतिक हैसियत

अखिलेश यादव ने अपने पोस्ट में बताया था कि रालोद को 73 और सुभासपा को 39 सीटें मिल रही हैं तो यह जाहिर है कि अगर यह आंकड़े सही साबित होते हैं तो यह सामान्य बात नहीं होगी। क्योंकि छोटे दलों को इतनी सीटें देना आम बात नहीं है। अखिलेश यादव ने अपने पोस्ट से यह मैसेज दिया है कि बीजेपी को अपने सहयोगियों की जरूरत इतनी बढ़ गई है कि उसे बड़ी संख्या में सीटें छोड़नी पड़ रही हैं। यानी वह इखढ के मजबूत होने की कहानी को पलटकर जनता के सामने पेश कर रहे हैं। इसे हम और आप पॉलिटिकल नैरेटिव भी कह सकते हैं।

पीडीए बनाम ओबीसी

अखिलेश ने अपने बयान को सिर्फ सीट शेयरिंग तक सीमित नहीं रखा। उन्होंने इसे पीडीए के मुकाबले ओबीसी की रणनीति के तौर पर पेश किया है। उनका तर्क है कि ओबीसी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक यानी पीडीए के सामाजिक समीकरण की काट निकालने के लिए अपने सहयोगी दलों को ज्यादा सीटें देने की तैयारी कर रही है। यहां अखिलेश का मकसद आंकड़ों से ज्यादा राजनीतिक फ्रेम तय करना है। अगर इखढ, फछऊको पश्चिमी यूपी में, रइरढ को पूर्वांचल में, निषाद पार्टी को तराई क्षेत्र और निषाद बहुल इलाकों में तथा अपना दल को गैर-यादव ओबीसी क्षेत्रों में ज्यादा सीटें देती है, तो इसका अर्थ होगा कि ठऊअ चुनाव को सामाजिक समूहों के प्रतिनिधित्व के आधार पर भी लड़ना चाहता है।

'मेरी जवानी या बेडरूम के बारे में सपने मत देखो': बाबा रामदेव के बयान पर कंगना रनोट भड़कीं

नई दिल्ली। एक्ट्रेस और बीजेपी सांसद कंगना रनोट ने योग गुरु बाबा रामदेव की टिप्पणी पर भड़कते हुए कहा कि बाबा जी, मेरी जवानी या बेडरूम के बारे में सपने मत देखिए। दरअसल, कंगना ने बाबा रामदेव की उस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कंगना के 'जेनरेशन गटर' वाले बयान को लेकर कहा था कि ये बिगड़े दिमाग की निशानी है। कंगना ने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए बाबा रामदेव पर पलटवार करते हुए लिखा, "बाबा जी, मेरी जवानी या बेडरूम के बारे में डे-ड्रीम मत कीजिए। कोई सिर्फ अफवाहों और गॉसिप के आधार पर ही ऐसा सोच सकता है। कम से कम मुझे कभी सुप्रीम कोर्ट से झूठे या फर्जी मेडिकल दावों को लेकर फटकार नहीं लगी। इसलिए मुझे चरित्र का पाठ मत पढ़ाइए। आपका चरित्र जैसा भी है, मेरा उससे कहीं बेहतर है। यहां कोई फ्रॉड नहीं मिला है।" दरअसल, हाल ही में बाबा रामदेव ने जेनजे को लेकर कंगना रनोट के 'जेनरेशन गटर' वाले बयान की आलोचना की थी।

वंदे मातरम पर नहीं बदला कांग्रेस का रुख, पहले दो पद गाएगी; चंदा चोरी पर देशभर में प्रदर्शन का एलान

एजेंसी, नई दिल्ली।

कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में वंदे मातरम को लेकर पार्टी ने अपना पुराना रुख साफ कर दिया। कांग्रेस ने 1937 के फैसले को बरकरार रखते हुए तय किया कि पार्टी के कार्यक्रमों में राष्ट्रीय गीत के सिर्फ पहले दो पद ही गाए जाएंगे। वहीं, बैठक में राम मंदिर चंदे के मुद्दे को लेकर भी बड़ा फैसला हुआ और इसे देशभर में जमीनी स्तर तक ले जाने की रणनीति तय की गई।

1937 में कांग्रेस ने क्या फैसला लिया था?

सूत्रों के मुताबिक, सीडब्ल्यूसी की बैठक में वंदे मातरम के मुद्दे पर चर्चा हुई। इस दौरान कई नेताओं ने 1937 में अपनाए गए पार्टी के रुख को दोहराया। कांग्रेस के अनुसार, उसका फैसला अक्तूबर 1937 में उहउ की ओर से पारित प्रस्ताव पर आधारित है। उस समय पार्टी ने राष्ट्रीय सभाओं में वंदे मातरम के सिर्फ पहले दो पद गाने का निर्णय लिया था।

राम मंदिर चंदे के मुद्दे पर क्या फैसला हुआ?

सीडब्ल्यूसी बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने राम मंदिर से जुड़े ह्यचंदा चोरीह्न के मुद्दे को गंभीर चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि यह लोगों की भावनाओं से जुड़ा मामला है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर का इस्तेमाल लोगों को ध्रुवीकृत करने वाले लोग अब पूरी तरह बेनकाब हो चुके हैं। वेणुगोपाल के मुताबिक, कांग्रेस इस मुद्दे को जमीनी स्तर तक ले जाएगी। इसके लिए प्रदेश कांग्रेस समितियों को गांव और पंचायत स्तर पर इसे उठाने का निर्देश दिया गया है। वेणुगोपाल के मुताबिक, सीडब्ल्यूसी ने प्रदेश कांग्रेस समितियों को राम मंदिर चंदे के मुद्दे पर पूरे देश में प्रदर्शन करने का निर्देश दिया है।

सीडब्ल्यूसी बैठक में क्या हुआ?

नई दिल्ली के इंदिरा भवन में हुई सीडब्ल्यूसी बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने की। बैठक में पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, जयराम रमेश और केसी वेणुगोपाल समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि बैठक में 88 नेताओं ने हिस्सा लिया, जबकि 33 नेताओं ने चर्चा में अपनी बात रखी।

आत्मा के डर से घर लौटीं अमरावती के आश्रम स्कूल की 600 छात्राएं

अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती जिले के एक सरकारी आवासीय स्कूल की छात्राओं को जल्द ही परिसर में बने नए छात्रावास में स्थानांतरित किया जाएगा। इस स्कूल की करीब 600 छात्राएं कुछ छात्राओं पर 'आत्मा का साया' होने का दावा करते हुए घर चली गई थीं। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, चिखलदरा तहसील के डोमा स्थित इस आश्रम स्कूल में छात्राओं का मौजूदा छात्रावास लंबे समय से क्षमता से अधिक भरा हुआ था। अतिरिक्त आदिवासी आयुक्त संदीप गोलैत ने बताया कि स्कूल परिसर में छात्राओं के लिए अलग नया छात्रावास बनाया गया है। उन्होंने कहा कि छात्राओं को एक सितंबर से नए छात्रावास में भेजा जाएगा। अधिकारी के मुताबिक, नए छात्रावास में सभी छात्राओं को रखने के लिए बंक बेड की व्यवस्था की गई है। इससे पहले अधिकारियों के सामने उस समय असामान्य स्थिति पैदा हो गई थी, जब करीब 600 आदिवासी छात्राएं यह दावा करते हुए घर चली गईं कि स्कूल की कुछ छात्राओं पर 'आत्मा का साया' है। अधिकारियों ने इस स्थिति को मानसिक तनाव से जोड़ा था।

डिजिटल शिक्षा में मथुरा का नया कीर्तिमान

प्राथमिक विद्यालय में बांटे गए टैबलेट, स्मार्ट तरीके से गणित सीखेंगे बच्चे

टीएनएफ टुडे, मथुरा।

बेसिक शिक्षा विभाग और सारथी एजुकेशन एनजीओ के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को ग्राम नवादा के प्राथमिक विद्यालय में छात्र छात्राओं को टैबलेट वितरित किए गए। इस पहल के तहत कक्षा 2 से 5 तक के बच्चों को डिजिटल माध्यम से गणित विषय की पढ़ाई कराई जाएगी। इस तरह की आधुनिक शैक्षणिक व्यवस्था लागू करने वाला मथुरा पूरे उत्तर प्रदेश का पहला जनपद बन गया है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने कहा कि डिजिटल तकनीक के प्रयोग से गणित जैसे विषय को बच्चों के लिए सरल, रोचक और व्यावहारिक बनाया जा सकेगा। इससे प्राथमिक स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा।

बेसिक शिक्षा अधिकारी ने इस अभिनव पहल के लिए जिलाधिकारी सीपी सिंह के मार्गदर्शन और सारथी एजुकेशन एनजीओ के सहयोग का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। जिलाधिकारी सीपी सिंह के मार्गदर्शन में 19 अगस्त को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं 'सारथी एजुकेशन' संस्था द्वारा जनपद मथुरा के विकासखंड मथुरा के 50 परिषदीय विद्यालयों का चयन किया गया। इसके तहत कक्षा 1 से 5 में अध्ययनरत बच्चों के निपुण कार्यक्रम को एक नई दिशा प्रदान करने के उद्देश्य से टैबलेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

एत्मादपुर रजिस्ट्री ऑफिस में दस्तावेज लेखक पर हमला

नाक पर आई चोट, रिपोर्ट दर्ज करने के लिए दी तहरीर

टीएनएफ टुडे, एत्मादपुर।

तहसील परिसर स्थित रजिस्ट्री ऑफिस में 19 अगस्त दोपहर में एक दस्तावेज लेखक (डीड राइटर) पर जानलेवा हमला करने और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल कर मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने थाना प्रभारी एत्मादपुर को लिखित तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई और मेडिकल जांच (मजरूमी चिट्ठी) कराने की मांग की है।

नगला केशरी (थाना एत्मादपुर) के निवासी पीड़ित नरेंद्र सिंह पुत्र डोरीलाल ने बताया कि वह विगत कई वर्षों से एत्मादपुर तहसील में दस्तावेज लेखक के रूप में कार्यरत हैं। 19 अगस्त को दोपहर करीब 3:28 बजे वह रजिस्ट्री ऑफिस में अपनी एक रजिस्ट्री के लिए बायोमेट्रिक (अंगूठा निशानी) करा रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान दीपक झा (स्टाम्प विक्रेता), जो कि सुभाष चन्द झा के बस्ते पर अवैध रूप से कार्य करता है, जबरन रजिस्ट्री ऑफिस के अंदर घुस आया।

तहरीर के अनुसार, दीपक झा ने पीड़ित की रजिस्ट्री को जबरन आगे बढ़ाकर अपनी रजिस्ट्री नंबर पहले लगवा लिया। जब पीड़ित नरेंद्र सिंह ने इसका विरोध किया, तो आरोपी दीपक झा ने उन पर किसी धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे उनकी नाक पर गंभीर चोट आई। इसी दौरान आरोपी के साथी हिमांशु झा पुत्र सुभाष चन्द झा ने भी पीड़ित के पेट पर ताबड़तोड़ घूंसे बरसाए, जिससे उन्हें गंभीर अंदरूनी चोटें आई हैं।

दस्तावेज फाड़े और जान से मारने की दी धमकी

आरोप है कि मारपीट के दौरान हिमांशु झा ने पीड़ित के हाथ से फोटोकॉपी रजिस्ट्री छीनकर फाड़ दी। आरोपियों ने पीड़ित को जातिसूचक शब्द (चमरा) कहते हुए अपमानित किया और कहा, "इस ऑफिस में हमारी दादागीरी चलती है, हम सबसे पहले अपनी रजिस्ट्री कराते हैं और पैसे देते हैं।" जाते-जाते आरोपियों ने पीड़ित को धमकी देते हुए कहा कि आज तो बच गया, लेकिन अगर बाहर कभी अकेला मिला तो जान से मार देंगे। आरोपियों ने ऊंची पहुंच और पैसे का रौब दिखाते हुए पीड़ित को देख लेने की धमकी दी।पीड़ित नरेंद्र सिंह ने एत्मादपुर पुलिस से न्याय की गुहार लगाते हुए आरोपियों के खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज करने और कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। थाना प्रभारी आलोक कुमार सिंह से बात करने पर उन्होंने बताया तहरीर प्राप्त हुई है घायल व्यक्तियों का मेडिकल कराया गया है मामला तहसील रजिस्टार ऑफिस का है जांच पड़ताल कर उचित कार्यवाही की जाएगी।

'गड्ढा भरो अभियान' कल से

आगरा-जलेसर रोड को गड्ढा मुक्त बनाने की पहल

टीएनएफ टुडे, एत्मादपुर।

आगरा-जलेसर रोड पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं को रोकने और आगामी त्योहारों को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता सीटू चौहान ने एक बड़ा कदम उठाया है। मुढ़ी चौराहे पर स्थित गोपाल सिंह इंटर कॉलेज में क्षेत्रीय लोगों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में क्षेत्र के सैकड़ों संभ्रांत लोग मौजूद रहे।बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा नेता सीटू चौहान ने घोषणा की कि आगामी 21 अगस्त से आगरा जलेसर रोड पर व्यापक स्तर पर 'गड्ढा भरो अभियान' शुरू किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य सड़क के सभी जानलेवा गड्ढों को भरकर इसे पूरी तरह से सुरक्षित और गड्ढा मुक्त बनाना है। सीटू चौहान के इस जनहितैषी फैसले का बैठक में मौजूद सैकड़ों ग्रामीणों और क्षेत्रीय लोगों ने हाथ उठाकर पुरजोर समर्थन किया। सीटू चौहान ने कहा, इसी महीने भाई-बहन के पवित्र प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन का पर्व आ रहा है। इस दौरान इस मुख्य मार्ग से लाखों की संख्या में राहगीर, बहनें और परिवार गुजरेंगे।

मुढ़ी चौराहे पर क्षेत्रीय लोगों के साथ बैठक की गई

सड़क खराब होने के कारण कोई अप्रिय घटना या दुर्घटना न हो, इसलिए त्योहार से पहले ही इस रोड के सभी गड्ढों को भरकर इसे गड्ढा मुक्त किया जाएगा। अभियान को सफल बनाने के लिए भाजपा नेता ने क्षेत्रीय जनता से सहयोग का आवाहन किया है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि जिन भाइयों के पास ट्रैक्टर-ट्रॉली है, वे अपनी ट्रैक्टर-ट्रॉली के साथ और जिनके पास पानी के टैंकर हैं, वे पानी के टैंकर के साथ इस सेवा कार्य में अपना योगदान दें। सामूहिक प्रयासों से ही इस मार्ग को जल्द से जल्द सुरक्षित बनाया जा सकता है। बैठक में उपस्थित लोगों ने सीटू चौहान की इस अनूठी पहल की सराहना की और अभियान में तन-मन-धन से जुटने का संकल्प लिया।इस दौरान मुकेश चौहान, विष्णु चौहान, मुकुट चौधरी, रूपेंद्र प्रधान, महेश शर्मा, भीम बघेल, कुशल पाल चौधरी, रुपेश चौधरी, रिंकल यादव, गजेंद्र चौहान, धर्मवीर प्रजापति, दलबीर सिंह, अजय वकील साहब, नवीन परमार, गज्जू चौहान, अभिषेक परमार, बसंत यादव, विकास पहलवान, एवं सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद रहे।

ठगी करने वाला शातिर पुलिस ने दबोचा

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

थाना बमरौली कटारा पुलिस ने कूट रचित दस्तावेज तैयार कर दूसरों की जमीन का फर्जी बैनामा करने और लाखों रुपये ऐंठने वाले गिरोह के एक और शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी को मदरा अंडरपास के पास से दबोचा गया।

थानाध्यक्ष बमरौली कटारा ने बताया कि पीड़िता ने 28 जुलाई 2026 को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि 23 अप्रैल 2026 को आरोपियों ने कूट रचित दस्तावेज तैयार कर फर्जी तरीके से उन्हें प्लॉट का बैनामा कर दिया। इसके एवज में 41,44,280 रुपये नकद और बैंक ट्रांसफर से वसूल लिए गए। जब पीड़िता जमीन पर कब्जा करने पहुंची तो असली मालिक ने रोक दिया। ठगी का अहसास होने पर जब रुपये मांगे तो आरोपियों ने इनकार कर दिया। मामले में पुलिस ने बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। थानाध्यक्ष दीपक तिवारी ने बताया कि प्रकरण में शामिल एक अन्य आरोपी बीटू यादव उर्फ देवकीनन्दन को 4 अगस्त को ही पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। वहीं बुधवार को वांछित जोगेन्द्र पुत्र मोहर सिंह निवासी ग्राम एत्मादपुर थाना बमरौली कटारा को भी मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

बारिश से सड़कें जलमग्न, दुकानों में घुसा पानी

पिनाहट। करीब दो घंटे तक लगातार हुई तेज मूसलाधार बारिश से लोगों को गर्मी से राहत तो मिली है। किंतु बाजार की सड़के जलमग्न हो गई। सड़क पर गुजरने वाले वाहन गहरे पानी में निकलते नजर आए हैं। बुधवार शाम करीब 3 बजे समूचे क्षेत्र में तेज मूसलाधार बारिश हुई है। करीब 2 घंटे तक चली बारिश ने सड़कों को तालाब में तब्दील कर दिया है। बारिश से खेतों में खड़ी बाजरे की फसलों को राहत दी, साथ ही गर्मी और उमस से परेशान लोगों को भी राहत मिली है। वहीं बाह, जैतपुर और बटेश्वर क्षेत्र में हल्की बारिश रही है। किन्तु पिनाहट में तेज बारिश से बाजार मुख्य सड़क तालाब में बदल गयी है। सड़कों पर भरा पानी दुकानों तक पहुंच गया। जिससे दुकानदारों को अपना सामान समेटना पड़ा है।

शराब के चक्कर में उजड़ रहे घर और परिवार

मुख्यमंत्री को राखी भेजकर नशा मुक्त प्रदेश की उठाई मांग

टीएनएफ टुडे, बाह।

शराब के सेवन से घरेलू कलह बढ़ रही है, परिवार उजड़ रहे हैं। बच्चों के भविष्य की चिंता सताने लगी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन के साथ राखी भेज कर बहनों ने शराब की दुकानें बंद कराने एवं नशा मुक्त प्रदेश बनाने का उपहार मांगा है। मानव समाज कल्याण फाउंडेशन के तत्वाधान में मंगलवार को आगरा की जिलाध्यक्ष मुकुटपुरा गांव की सीमा यादव, नीरू, श्रद्धा, सुमन, सूरजनगर की रेखा यादव आदि रोती बहना करे पुकार, दारू बंद करे सरकार गीत गाते हुए तहसील मुख्यालय बाह पर पहुंची। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को राखी के साथ नशा मुक्त प्रदेश की मांग को लेकर एसडीएम बाह विनोद कुमार के माध्यम से ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन में कहा है कि रक्षाबंधन पर स्नेह और सम्मान की राखी भेज रहे हैं। बदले में उपहार में धन न कोई सुविधा चाहिए, भले ही बसों का किराया बढ़ा दीजिए। विशेष उपहार की अपेक्षा है कि शराब और नशे से मुक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम सरकार उठाए। गांव गांव खुली शराब की दुकानों का प्रभाव परिवारों पर पड़ रहा है। कई घरों में आर्थिक परेशानी, घरेलू कलह से बच्चों के भविष्य को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। प्रदेश की बहनों एवं परिवारों की खुशहाली के लिए शराब की बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण के साथ नशा मुक्ति के लिए मजबूत नीति बनाई जाए। बहनों की खुशहाली, सुरक्षा और आने वाली पीढ़ी के भविष्य के लिए चरणबद्ध तरीके से शराब की दुकानें बंद हों।

डॉक्टरों पर प्रसूता को निजी अस्पताल भेजने का आरोप

फतेहाबाद। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहाबाद में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली और प्राइवेट अस्पतालों से सांठगांठ का एक गंभीर मामला सामने आया है। पीड़ित पति ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराकर मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

तहसील फतेहाबाद क्षेत्र के ग्राम चाचीपुरा, खंडेर निवासी अजय कुमार पुत्र लज्जाराम ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर दी शिकायत में बताया कि 14 अगस्त 2026 की शाम करीब 6 बजे पत्नी पुष्पा देवी को प्रसव पीड़ा होने पर एम्बुलेंस के माध्यम से सीएचसी फतेहाबाद लेकर पहुंचे थे। पीड़ित पति का आरोप है कि अस्पताल परिसर में पत्नी 3 से 4 घंटे तक तड़पती रही, लेकिन किसी भी डॉक्टर या स्टाफ नर्स ने देखा तक नहीं पीड़ित का आरोप है कि इलाज करने के बजाय सीएचसी के डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ ने गुमराह करते हुए पत्नी को फतेहाबाद के फिरोजाबाद रोड स्थित प्राइवेट अस्पताल में भेज दिया। वहां महिला की नॉर्मल डिलीवरी हो गई, और अस्पताल ने 28 हजार रुपये का बिल थमा दिया और जबरन पूरी रकम वसूल ली गई। पीड़ित ने शिकायत में यह भी आरोप लगाया है कि उक्त अस्पताल में कोई प्रशिक्षित डॉक्टर या नर्सिंग स्टाफ तैनात नहीं है। सरकारी अस्पताल के डॉक्टर और कर्मचारी कमीशनखोरी के चक्कर में मरीजों को जबरन प्राइवेट अस्पतालों में भेज रहे हैं। पीड़ित पति ने पूरे मामले की जांच कराकर दोषी डॉक्टरों व प्राइवेट अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सीएमओ डॉ. अरुण कुमार श्रीवास्तव से बात करने पर बताया कि मामला संज्ञान में आया है जांच कराकर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सोरों से गंगाजल लाकर शिव का जलाभिषेक

फतेहाबाद। देवों के देव महादेव की आस्था के पवित्र श्रावण मास में शिवभक्तों का उत्साह और आस्था का नजारा देखने को मिल रहा है। आस्था और भक्ति में डूबे कांवड़िए सोरों गंगा घाट से कावड़ में गंगाजल लेकर पैदल यात्रा करते हुए बटेश्वर पहुंचे। सैकड़ों किलोमीटर की पैदल दूरी तय कर कांवड़ियों ने बाबा बटेश्वर नाथ महादेव मंदिर सहित क्षेत्र के विभिन्न शिव मंदिरों में भोलेनाथ का विधि-विधान के साथ जलाभिषेक किया। कांवड़ यात्रा के दौरान हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से गुंजायमान रहा। सोरों शूकरक्षेत्र से गंगाजल को कांवड़ में कंधे पर उठाकर पैदल चलकर आए शिवभक्तों की टोली ने पूरे रास्ते भजन-कीर्तन करते हुए यात्रा पूरी की। तहसील फतेहाबाद क्षेत्र के ग्राम हारकापुरा सांकुरी कलां निवासी कांवड़िया पंडित विवेक शास्त्री ने अपनी यात्रा का अनुभव साझा करते हुए बताया कि बाबा भोलेनाथ की भक्ति की चाह के आगे बड़ी से बड़ी शारीरिक थकावट भी शून्य हो जाती है। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान जब भी पैर थकने लगते थे, तो बाबा भोलेनाथ के जयकारों की गूंज शरीर में एक नई ऊर्जा और उत्साह का संचार कर देती थी। जलाभिषेक के दौरान मंदिरों में शिवभक्तों की भारी भीड़ उमड़ी, जहां ग्रामीणों ने कांवड़ियों का जगह-जगह फूल-मालाओं और जलपान से स्वागत किया।

गिट्टी लदे ट्रैक्टरों से गांव का रास्ता गड्ढों में तब्दील

टीएनएफ टुडे, खेरागढ़।

विकास खंड अंतर्गत ग्राम पंचायत कुल्हाड़ा में अवैध खनन के गिट्टी, पत्थर से लदे ओवरलोड ट्रैक्टरों की बेधड़क आवाजाही ग्रामीणों के लिए मुसीबत बन गई है। नदी से गांव तक करीब डेढ़ किलोमीटर का रास्ता भारी वाहनों के पहियों तले इस कदर उजड़ गया है कि जगह-जगह गहरे गड्ढे बन गए हैं। बारिश में इनमें पानी भरने से रास्ता और खतरनाक हो गया है। ग्रामीणों और स्कूली बच्चों को इसी बदहाल रास्ते से होकर गुजरना पड़ रहा है।ग्राम प्रधान ओमवीर सिंह ने एसडीएम खेरागढ़ को शिकायती पत्र देकर गिट्टी लदे भारी ट्रैक्टरों के आवागमन पर रोक लगाने की मांग की है। प्रधान के मुताबिक कुल्हाड़ा गांव के लिए खेरागढ़ आने-जाने का यह प्रमुख रास्ता है। ग्रामीणों ने चंदा जुटाकर नदी में रास्ता तैयार कराने में करीब दो लाख रुपये खर्च किए थे, लेकिन गिट्टी और अन्य निर्माण सामग्री से लदे ट्रैक्टरों की लगातार आवाजाही ने रास्ते की हालत बिगाड़ दी। शिकायती पत्र में आरोप लगाया गया है कि आसपास के क्षेत्रों और राजस्थान की ओर से आने वाले अवैध खनन कर गिट्टी लदे ट्रैक्टर इसी रास्ते से गुजरते हैं। देर शाम से रात तक भी भारी वाहनों की आवाजाही जारी रहने की बात कही गई है। ग्रामीण जब ट्रैक्टर चालकों को रास्ता खराब होने का हवाला देकर रोकते हैं तो विवाद की स्थिति पैदा हो जाती है।

भारी वाहनों के लगातार निकलने से रास्ते पर गहरे गड्ढे हो गए हैं। बरसात में पानी भर जाने के कारण इनका अंदाजा लगाना भी मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल जाने वाले बच्चों के साथ कभी भी हादसा हो सकता है। कई बार रास्ते की मरम्मत कराने के बावजूद भारी वाहनों के आवागमन के कारण समस्या दोबारा खड़ी हो जाती है।

सांप के डसने पर महिला ने झाड़ फूंक कराई

बाह। सांप के डसने पर महिला ने पहले झाड़ फूंक कराई, रात में डरावने सपने के बाद अपने पति के साथ अस्पताल पहुंची तो उसकी अंधविश्वास भरी कहानी सुनकर हैरत में पड़े चिकित्सक ने उनको समझाकर घर भेज दिया। चमरौआ की यूनिस की पत्नी परवीन 2 दिन पहले देर शाम परिवार के जन्मोत्सव में शामिल होने के लिए घर से निकली थी। उसने बताया कि घास में छिपे बैठे सांप ने पैर के अंगूठे के पास डस लिया था। उसके बाद घास में रेंगते हुए सांप की पूंछ दिखाई दी थी। सांप के काटने पर परिजन गौंसिली गांव में झाड़ फूंक कराने के लिए ले गये थे। सोमवार की रात सपना हुआ था, सपने में सांप कह रहा था कि अभी छोटा काटा है, छोड़ूंगा नहीं, अबकी बड़ा काटूंगा। दहशत में आई परवीन को लेकर पति यूनिस बाह सीएचसी पर उपचार के लिए ले पहुंचे। परीक्षण में सांप के काटने के लक्षण न मिलने पर उनको घर वापस भेज दिया। वहीं मुड़ियापुरा गांव में घर में गेंहू निकालते समय लवकुश की पत्नी लक्ष्मी को सांप ने डस लिया था। परिजन उसे इलाज के लिए अस्पताल ले पहुंचे थे।

भजन संध्या में गूंजी भक्ति की स्वर लहरियां

सावन में भक्तिमय हुआ साध रतूराम साहिब दरबार

टीएनएफ टुडे, आगरा।

शाहगंज स्थित साध मोहल्ला, सोरों कटरा के साध रतूराम साहिब दरबार में सावन माह की भक्ति और श्रद्धा से ओतप्रोत भजन संध्या का आयोजन हुआ। सिंधी महिला मंडली, शाहगंज के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में कलाकारों एवं श्रद्धालुओं ने साईं पुरनाराम साहिब की महिमा का गुणगान करते हुए एक से बढ़कर एक भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति दी। मधुर स्वर लहरियों के बीच श्रद्धालु भक्ति में झूमते नजर आए और पूरा दरबार परिसर जयकारों से गूंज उठा।

सिंधी समाज के शीतला सप्तमी (थदड़ी/बासौड़ा) पर्व की धार्मिक परंपरा के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में श्रद्धा, भक्ति और संस्कृति का सुंदर संगम देखने को मिला, महिलाओं ने सामूहिक रूप से भजन-कीर्तन कर वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। पर्व की मान्यताओं और पारिवारिक सुख-समृद्धि की कामना के साथ संगत ने साईं दरबार में माथा टेककर आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम के दौरान सावन की पावन बेला में सेवा, सिमरन और सत्संग का संदेश दिया गया। भजन संध्या के उपरांत श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक आरती की तथा विश्व कल्याण, समाज की सुख-समृद्धि एवं सर्वजन मंगल की प्रार्थना की। इस अवसर पर साध तुलसीदास जी ने दरबार में पधारी समस्त संगत का आत्मीय स्वागत करते हुए साईं परिवार एवं साध संगत को बधाई दी, उन्होंने सभी से सेवा, सिमरन, प्रेम और मानवता के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। समाजसेवी श्याम भोजवानी ने कहा कि संत-महापुरुषों के दरबार समाज को प्रेम, सेवा, सद्भाव और मानवता की प्रेरणा देते हैं, ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में भाईचारा, एकता और संस्कारों को मजबूत करते हैं,उन्होंने सिंधी महिला मंडली को भक्तिमय आयोजन के लिए धन्यवाद देते हुए सभी को अपनी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़े रहने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धालुओं ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया, इस अवसर पर प्रमुख रूप से साध तुलसीदास, श्याम भोजवानी, नरेश लखवानी, योगेश जारानी,लक्ष्मन कल्यानी, चांदनी भोजवानी, शांति गंगवानी, गोपी हरपालानी, हेमलता,रितु वासवानी, कविता पारवानी, कोमल,विद्या लखवानी, कैला देवी, कमला देवी, जमुना देवी, रेखा देवी,किशनी, हिमांशी,ईशा, प्रकाश, कैलाश, राकेश,नारु भगत,जीवतराम, धर्मदास, श्याम सुंदर, सुंदरलाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं महिला मंडली की सदस्याएं उपस्थित रहीं।

आगरा कालेज के पत्रकारिता विभाग में सेमिनार

आगरा। आगरा कालेज के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में वर्तमान मीडिया की दशा और दिशा विषय पर आज सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में मुख्य वक्ता डा. राजशंकर शर्मा केन्द्रीय हिन्दी संस्थान ने कहा कि वर्तमान में मीडिया की दशा बदली है मिशन से प्रोफेशनल हुआ है दिशा के एवं आगे आने वाली पीढ़ी के लिए आवश्यक है कि समाज को सच्चाई की दिशा तय होनी चाहिए। दबाव की पत्रकारिता नहीं होनी चाहिए। सेवन इंडिया न्यूज के गीतम सिंह ने कहा कि वर्तमान मीडिया को नई सोच, स्वाभिमान के सच्चाई की पत्रकारिता करनी चाहिए। मीडिया को अपनी सोच जनमानस पर नहीं थोपनी होगी। स्कालर वैष्णवी कुशवाहा ने कहा कि सामाजिक मूल्यों के साथ पत्रकारिता होनी चाहिए। जिससे मीडिया की वैल्यू कायम रहे। क्योंकि इससे तभी दशा और दिशा अच्छी होगी। विभागाध्यक्ष डॉ महेंद्र सिंह ने स्वागत करते हुए मीडिया के बदलते स्वरूप पर प्रकाश डाला। सेमिनार का संचालन और आभार छात्रा दिव्यांता उपाध्याय ने किया। सेमिनार को सभी छात्र छात्राओं ने संबोधित किया। ईशा गुप्ता, अर्चना सिंह, काजल, महिमा, राहुल सिकरवार, मनोज तोमर, ईशा तिवारी, हाकिम सिंह, यतेन्द्र शुक्ला, सचिन, राम बोबी राजपूत, शालिनी, ज्योति, ऊषा, पूजा दीपेन्द्र कशिश विपिन आदि ने भाग लिया।

चंबल अवैध खनन रोकने को चला चेकिंग अभियान

पिनाहट। सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में चंबल क्षेत्र में अवैध खनन की रोकथाम को लेकर प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। बुधवार को उप जिलाधिकारी बाह विनोद कुमार के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम, खनन अधिकारी सुशील कुमार वर्मा की टीम, वन विभाग के रेंजर कुलदीप सिंह की टीम तथा थाना प्रभारी पिनाहट विरेश पाल गिरी की पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से क्योरी घाट और पिनाहट चंबल घाट क्षेत्र में गश्त कर सघन चेकिंग अभियान चलाया।

मोटर बोट हादसे में लापरवाही पर 4 गिरफ्तार

इंजन बंद होने पर चंबल में बह गई थी 64 यात्रियों से भरी बोट

टीएनएफ टुडे, बाह।

चंबल नदी में 16 अगस्त को इंजन बंद होने से 64 यात्रियों से भरी मोटर बोट बहने के मामले में लापरवाही सामने आने पर नगरा पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। नामजदों में ठेकेदार चन्द्रसेन तिवारी भी शामिल है। 16 अगस्त को मध्य प्रदेश के साहसपुरा नगरा से बाह के कैंजराघाट के लिए 64 यात्रियों को लेकर मोटर बोट चली थी। यात्री बटेश्वर में दर्शन पूजन के लिए घर से निकले थे। कुछ दूरी चलने के बाद मोटर बोट का इंजन बंद हो गया। कहा जा रहा है कि मोटर बोट के पंखे में कपड़ा फंस गया था, बार बार स्टार्ट किए जाने पर डीजल प्रेशर पाइप के जरिए बह गया था। अनियंत्रित हुई मोटर बोट नदी के तेज बहाव में बह गई और 5 किमी दूर भिंड के कच्छपुरा कनेरा में नदी किनारे पर रोका गया था। 64 जिंदगियां खतरे में पड़ गई थी। 3 घंटे तक मोटर बोट सवार सांस थाम कर बैठे रहे थे। एसओ नगरा पुलिस ने मोटर बोट बहने के मामले में मोटर बोट संचालन के ठेकेदार चन्द्रसेन तिवारी, बाह के तिन्नेतपुरा गांव के रामजीत भदौरिया, महेश भदौरिया, मुरैना के भूपपुरा गांव के रिंकू मल्लाह, पप्पू मल्लाह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। थाना प्रभारी नगरा सुखदेव सिंह चौहान ने बताया कि मामले में रामजीत भदौरिया, महेश भदौरिया, रिंकू मल्लाह, पप्पू मल्लाह को मोटर बोट के साथ पकड़ा था। चारों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। जहां से जेल भेज दिया गया। मोटर बोट का संचालन अवैध तरीके से हो रहा था। इसीलिए उसे भी जब्त कर लिया गया है। एक महीने पहले बिना अनुमति के संचालन पर मोटर बोट चालक अशोक निषाद पर प्राथमिकी दर्ज हुई थी। कुछ दिन बंद रहने के बाद मोटर बोट का संचालन शुरू हुआ था।

बिना अनुमति किसने चलवाई मोटर बोट

बिना अनुमति के मोटर बोट किसने चलवाई थी? सवाल उठ रहा है। जीवन रक्षक जैकेट की कमी को लेकर भी सवाल उठे हैं। ठेकेदार चन्द्रसेन तिवारी ने बताया कि मोटर बोट के संचालन की अनुमति के लिए प्रयास कर रहे थे। दोनों घाटों पर रखी मोटर बोट किसने चलवाई? जिम्मेदारों को जबाव देना होगा। उन्होंने बताया कि मोटर बोट सुरक्षा मानकों के अनुरूप है। तेज बहाव के बाद भी डगमगाई नहीं।

मोटर बोट सवार 4 युवक बने देवदूत

चंबल नदी में बही मोटर बोट में 64 जिंदगियां फंसी थी। कच्छपुरा कनेरा के पास मोटर बोट नदी के किनारे के नजदीक से बह रही थी। तभी मोटर बोट पर सवार 4 युवक देवदूत बने थे। ठेकेदार चन्द्रसेन तिवारी ने बताया कि 4 युवकों ने नदी में कूदकर रस्से को खींचा और मोटर बोट को किनारे पर लगाने में कामयाब हुए। उसके बाद आपदा प्रबंधन की टीम मौके पर पहुंची और सवारों को मोटर बोट से उतारने में मदद की।

एक दो दिन में मोटर बोट संचालन की अनुमति मिल जाएगी। वह मोटर बोट संचालन के इच्छुक नहीं हैं। जांच के बाद दूध का दूध और पानी का पानी साफ हो जाएगा।

-चन्द्रसेन तिवारी, ठेकेदार लोक निर्माण विभाग

मोटर बोट हादसे में मध्य प्रदेश पुलिस प्रशासन विधिक कार्रवाई कर रहा है। वह प्रकरण की तकनीकी जांच करा रहे हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

-विनोद कुमार, उप जिला अधिकारी, बाह

बटेश्वर से दिल्ली तक घूम आए जुड़वां भाई

- पुलिस और परिजन बाह क्षेत्र में रात भर करते रहे खोजबीन
- घर से कोचिंग के लिए निकले थे आठवीं के छात्र

टीएनएफ टुडे, बाह।

घर से कोचिंग के लिए निकले आठवीं की पढ़ाई कर रहे जुड़वां भाई सोमवार को लापता हो गये थे। मंगलवार की सुबह 6 बजे घर लौटे तो चिंतित परिजनों ने राहत की बड़ी सांस ली है। बिक्रमपुर के किसान रईस पाल यादव के 13 साल के जुड़वां बेटे हर्ष एवं वर्धन बाह के आशाराम रामनिवास आदर्श इंटर कालेज में 8 वीं के छात्र हैं। बाह थाने में दर्ज कराई गुमशुदगी में परिजनों ने पुलिस को बताया था कि सोमवार की सुबह 7 बजे घर से बाह में कोचिंग के लिए निकले थे। दोपहर में घर वापस नहीं लौटे तो कोचिंग संचालक से संपर्क किया तो पता चला कि दोनों कोचिंग में पहुंचे ही नहीं। बाह पुलिस सुरागरसी में जुटी थी। बिक्रमपुर से लेकर बाह तक के सीसीटीवी फुटेज खंगाले थे। जिसमें दोनों भाई बाइक पर बैठ कर जाते हुए दिखे थे। पुलिस तहकीकात में जुटी थी। वहीं चिंतित परिवार देर रात तक बाह, जैतपुर क्षेत्र के अलावा रिश्तेदारों तक के घर पर जुड़वां भाइयों की खोजबीन में जुटा रहा। मंगलवार की सुबह 6 बजे दोनों भाई घर पहुंच गये तो परिजनों ने राहत की बड़ी सांस ली। बाह पुलिस के मुताबिक दोनों भाई बाह से बटेश्वर पहुंचे थे। दर्शन पूजन के बाद दिल्ली की बस में बैठ गये थे। एसीपी बाह जितेन्द्र कुमार ने बताया कि लापता जुड़वां भाइयों की सुरागरसी में बाह पुलिस रात भर जुटी रही थी। दोनों सुबह सकुशल घर लौट आए हैं।

TNF TODAY
टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे
tnftoday tnftoday
www.tnftoday.com / epaper

पेयजल के लिए छावनी परिषद कार्यालय में हंगामा

पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. पंकज महेंद्रू के नेतृत्व में क्षेत्रीय लोगों ने किया अधिकारियों का घेराव

परिषद में कथित भ्रष्टाचार और रिश्वत लेकर निजी भर्ती के आरोप भी लगाए

टीएनएफ टुडे, आगरा।

छावनी क्षेत्र में लंबे समय से चल रहे पेयजल संकट को लेकर मंगलवार को लोगों का आक्रोश फूट पड़ा। पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. पंकज महेंद्रू के नेतृत्व में क्षेत्रीय लोगों ने छावनी परिषद कार्यालय पहुंचकर अधिकारियों का घेराव किया और पानी की समस्या के स्थायी समाधान की मांग की। लोगों का कहना है कि गंगाजल की आपूर्ति बंद होने, कई सबमर्सिबल खराब पड़े होने और कई पानी की टंकियां वैकल्पिक व्यवस्था के बिना तोड़े जाने से संकट गंभीर हो गया है।

खारे पानी की आपूर्ति भी सुबह-शाम महज 15 से 20 मिनट तक और कम दबाव के कारण पर्याप्त नहीं हो पा रही है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो हर सप्ताह छावनी परिषद कार्यालय का घेराव कर आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान अधिकारियों से जनसुविधाओं और विकास कार्यों का हिसाब मांगा गया। परिषद में कथित भ्रष्टाचार और रिश्वत लेकर निजी भर्ती के आरोप भी लगाए गए। लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को शिकायती पत्र भेजकर समाधान की मांग की है।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि पानी जैसी बुनियादी जरूरत के लिए भी लोगों को लगातार परेशानी उठानी पड़ रही है। नियमित आपूर्ति नहीं होने के कारण घरों की दैनिक दिनचर्या प्रभावित हो रही है। पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. पंकज महेंद्रू ने बताया कि छावनी के वार्ड दो और तीन समेत कई क्षेत्रों में लंबे समय से पानी की आपूर्ति प्रभावित चल रही है। उनके अनुसार गंगाजल की आपूर्ति बंद है और कई सबमर्सिबल भी खराब पड़ी हैं। इससे उन क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता और प्रभावित हुई है। लोगों का आरोप है कि वैकल्पिक व्यवस्था किए बिना बालूगंज, शहजादी मंडी और कंपनी गार्डन की पानी की टंकियां भी तोड़ दी गईं।

उनका कहना है कि इन टंकियों के हटने के बाद पहले से मौजूद समस्या और गंभीर हो गई। प्रदर्शनकारियों ने अधिकारियों से कहा कि समस्या का समाधान केवल आश्वासन से नहीं होगा। बल्कि नियमित आपूर्ति, पर्याप्त दबाव, खराब सबमर्सिबल की मरम्मत, वैकल्पिक जल व्यवस्था और पर्याप्त टैंकरों की उपलब्धता जैसे ठोस कदम उठाने होंगे। प्रधानमंत्री और रक्षामंत्री को शिकायती पत्र भेजकर समाधान की मांग किए जाने से मामला स्थानीय स्तर से आगे भी पहुंचाया गया है।

नशा मुक्ति एवं सकारात्मक जीवनशैली पर कार्यक्रम

आगरा। आगरा कॉलेज में प्राचार्य प्रो० सीके गौतम की गरिमामयी अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन में नशा मुक्ति एवं सकारात्मक जीवनशैली विषय पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. अश्वनी शर्मा एवं डॉ पारुल महाजन के संयोजन एवं समन्वय में ब्रह्माकुमारी संस्थान की बहनों द्वारा विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने, आत्म-संयम, सकारात्मक सोच, मानसिक शांति एवं स्वस्थ जीवनशैली के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को ध्यान कराया गया तथा नशामुक्त, अनुशासित एवं सकारात्मक जीवन जीने के लिए सामूहिक रूप से शपथ दिलाई गई। सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए स्वस्थ एवं नशामुक्त समाज के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर डॉ. ज्योत्सना गौड़ सहित दोनों विभागों के अन्य शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए सकारात्मक जीवनशैली अपनाने एवं नशे से दूर रहने का संकल्प लिया। प्राचार्य के मार्गदर्शन तथा दोनों विभागों के संयुक्त प्रयासों से आयोजित यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, आत्म-अनुशासन, सकारात्मक सोच एवं व्यक्तित्व विकास की दिशा में एक सार्थक एवं प्रेरणादायी पहल साबित हुआ।

चाय बनाते समय सिलेंडर फटा

दीवारें और दरवाजे उखड़कर दूर जा गिरे

टीएनएफ टुडे, आगरा।

थाना एकता क्षेत्र के खेड़ा पचगाई में बुधवार सुबह चाय बनाते समय सिलेंडर में धमाका हो गया। धमाका इतना तेज था कि घर की दीवारें और दरवाजे दूर जा गिरे। हादसे के समय घर में मौजूद लोग भागकर बाहर निकले तो जान बची। सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। खेड़ा पचगाई निवासी उदयभान पुत्र राधेश्याम के घर बुधवार सुबह करीब 7 बजे हादसा हुआ। उदयभान की बेटी चाय बना रही थी। तभी सिलेंडर से गैस रिसाव होने लगा। लोगों ने बताया कि पहले सिलेंडर ने आग पकड़ ली। घर वालों ने घबराकर जलते हुए सिलेंडर को बाहर फेंकने की कोशिश की, लेकिन वह किसी चीज में अटक गया। कुछ ही देर में जोरदार धमाका हो गया। धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। देखते ही देखते मौके पर अफरा-तफरी मच गई। धमाके से घर की सारी दीवारें और दरवाजे उखड़कर दूर जा गिरे। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। दमकल की टीम ने पहुंचकर आग पर काबू पाया। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू की। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है, लेकिन घर का सारा सामान नष्ट हो गया। पड़ोसियों का कहना है कि अगर सिलेंडर को बाहर फेंकने में देरी हो जाती तो बड़ा नुकसान हो सकता था। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में गैस रिसाव के कारण हादसा होना सामने आया है। सिलेंडर के अवशेष जांच के लिए भेजे गए हैं। लोगों ने रसोई गैस का इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतने की अपील की है।

राशन वितरण की तिथि 25 अगस्त तक बढ़ाई

आगरा। जिला पूर्ति अधिकारी आनंद कुमार सिंह ने जनपद के समस्त अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी राशन कार्डधारकों को सूचित करते हुए अवगत कराया है कि आयुक्त, खाद्य तथा रसद विभाग, उप्र द्वारा अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को अगस्त में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अन्तर्गत आवंटित खाद्यान्न (गेहूँ व चावल) का निःशुल्क वितरण कॉवड़ यात्रा के कारण कुछ जनपदों में नहीं हो सका है। इस कारण अब खाद्यान्न 25 अगस्त तक ई-पॉस मशीन के माध्यम से आधार आधारित वितरण किया जायेगा। मोबाइल ओटीपी के माध्यम से वितरण की सुविधा उपलब्ध रहेगी। कार्डधारकों को पोर्टेबिलिटी के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं को प्राप्त करने की सुविधा भी रहेगी।

कल होगी कृषि यंत्रों की ई-लाटरी

आगरा। उप निदेशक कृषि मुकेश कुमार ने जनपद के किसानों को अवगत कराया है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में कृषि विभाग की मंशानुरुप संचालित विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत जिन किसानों ने कृषि यंत्रों की विभागीय पोर्टल पर बुकिंग की है। लक्ष्य से अधिक बुकिंग होने के कारण जिन किसानों के टोकन कन्फर्म नहीं हुए। ऐसे किसानों के टोकन को कन्फर्म करने हेतु शासन द्वारा ई-लाटरी कराये जाने का प्रावधान है। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय समिति की उपस्थिति में 21 अगस्त को अपरान्ह 12:30 बजे से विकास भवन सभागार, संजय पैलेस में ई-लाटरी की प्रक्रिया सम्पादित की जायेगी। इस प्रक्रिया में किसान शामिल हो सकते हैं।

रेलकर्मियों की शिकायत निस्तारण के लिए कैंप 27 से

आगरा। सेवारत एवं सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों की शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए विशेष कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। इन कैंपों के माध्यम से कर्मचारी अपनी विभिन्न शिकायतों को सीधे प्रस्तुत कर उनके समाधान की प्रक्रिया को सुगम बना सकेंगे। विशेष कैंपों का आयोजन 27 अगस्त से 14 सितंबर तक विभिन्न स्टेशनों एवं कार्यालयों में किया जाएगा। प्रत्येक कैंप का आयोजन प्रातः 10:30 बजे से निर्धारित किया गया है। कैंप 27 अगस्त को लोको लॉबी कार्यालय आगरा छावनी, 1 सितंबर को एसएसई (पी) वेस्ट कार्यालय मथुरा जंक्शन, 4 सितंबर को लोको लॉबी कार्यालय ईदगाह, 8 सितंबर को स्टेशन अधीक्षक कार्यालय मंडावर महवा रोड, 14 सितंबर को एसएसई (पी) कार्यालय बृजनगर पर कार्मिक विभाग के मुख्य कर्मचारी कल्याण निरीक्षक, कर्मचारी कल्याण निरीक्षक, कार्यालय अधीक्षक/कार्मिक तथा आईटी सेल से संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहेंगे और कर्मचारियों की समस्याओं एवं शिकायतों को सुनकर उनके निस्तारण की कार्रवाई करेंगे। आगरा मंडल का यह प्रयास सेवारत एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनकी सेवा संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए सुलभ, पारदर्शी एवं त्वरित सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। रेल प्रशासन ने सभी संबंधित कर्मचारियों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि एवं स्थान पर उपस्थित होकर अपनी शिकायतें एवं समस्याएं प्रस्तुत करें तथा इस सुविधा का अधिकतम लाभ उठाएं।

आगरा कालेज के पत्रकारिता विभाग में सेमिनार

आगरा। आगरा कालेज के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में वर्तमान मीडिया की दशा और दिशा विषय पर आज सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में मुख्य वक्ता डा. राजशंकर शर्मा केन्द्रीय हिन्दी संस्थान ने कहा कि वर्तमान में मीडिया की दशा बदली है मिशन से प्रोफेशनल हुआ है दिशा के एवं आगे आने वाली पीढ़ी के लिए आवश्यक है कि समाज को सच्चाई की दिशा तय होनी चाहिए। दबाव की पत्रकारिता नहीं होनी चाहिए। सेवन इंडिया न्यूज के गीतम सिंह ने कहा कि वर्तमान मीडिया को नई सोच, स्वाभिमान के सच्चाई की पत्रकारिता करनी चाहिए। मीडिया को अपनी सोच जनमानस पर नहीं थोपनी होगी। स्कालर वैष्णवी कुशवाहा ने कहा कि सामाजिक मूल्यों के साथ पत्रकारिता होनी चाहिए। जिससे मीडिया की वैल्यू कायम रहे। क्योंकि इससे तभी दशा और दिशा अच्छी होगी। विभागाध्यक्ष डॉ महेंद्र सिंह ने स्वागत करते हुए मीडिया के बदलते स्वरूप पर प्रकाश डाला। सेमिनार का संचालन और आभार छात्रा दिव्यांता उपाध्याय ने किया। सेमिनार को सभी छात्र छात्राओं ने संबोधित किया। ईशा गुप्ता, अर्चना सिंह, काजल, महिमा, राहुल सिकरवार, मनोज तोमर, ईशा तिवारी, हाकिम सिंह, यतेन्द्र शुक्ला, सचिन, राम बोबी राजपूत, शालिनी, ज्योति, ऊषा, पूजा दीपेन्द्र कशिश विपिन आदि ने भाग लिया।

पृथ्वीनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए पर्यटन अधिकारी से मुलाकात

आगरा। समाजवादी पार्टी के आगरा दक्षिण विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी विनय अग्रवाल के नेतृत्व में पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल शाहगंज भरतपुर रोड स्थित पृथ्वीनाथ महादेव मंदिर के जीणोर्धार के संदर्भ में क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी शक्ति सिंह से मिला। प्रतिनिधि मंडल पहले मंदिर के पुजारी से मिल चुका है। पता लगा कुछ जनप्रतिनिधियों ने दिखावे की कोशिश की थी कि मंदिर के लिए सवा करोड़ रूपया पास कर दिया है। लेकिन क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी शक्ति सिंह ने बताया प्रपोजल बनाकर भेजा गया था लेकिन अभी तक पास नहीं हुआ है। विनय अग्रवाल ने कहा कि मंदिरों के विकास के साथ आगरा को अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम, अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, आईटी सिटी, रिवर फ्रंट, बैराज, खंडपीठ, जाम मुक्त आगरा, पॉल्यूशन मुक्त आगरा और व्यापार युक्त बनाएंगे। प्रतिनिधि मंडल में मुख्य रूप से दक्षिण विधानसभा के अध्यक्ष सतीश चाहर, पूर्व पार्षद राहुल चौधरी, समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एडवोकेट मोहम्मद इरशाद, हिमांशु यादव, भानु प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

बाबा बाल योगी ने विधायक से मांगी माफी

पूर्व में दो विधायकों पर टिप्पणी करने का मामला

टीएनएफ टुडे, आगरा।

भाजपा विधायकों को अपशब्द कहने वाले समाजसेवी के रूप में सक्रिय बाल योगी ने माफी मांगी है। बुधवार दोपहर को फतेहपुर सीकरी के विधायक चौधरी बाबूलाल के आवास पर पहुंचकर उन्होंने मीडिया के सामने माफी मांगी। कहा कि भावनाओं में बहकर गलत बोल गया। सामान्य रूप से भी मेरे मुंह से ऐसे शब्द नहीं निकलने चाहिए थे। फिर भी मैंने ऐसे शब्द बोले, इसके लिए मैं विधायक जी से माफी मांगने आया हूं।

आगरा में समाजसेवी के रूप में सक्रिय बाल योगी ने भाजपा के दो विधायकों के खिलाफ चौपाल में अपशब्द कहे थे। इनमें एक यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री और आगरा दक्षिण से विधायक योगेंद्र उपाध्याय और दूसरे फतेहपुर सीकरी से विधायक चौधरी बाबूलाल हैं। सोशल मीडिया पर दोनों विधायकों पर की गई टिप्पणी के दो अलग-अलग वीडियो वायरल हो रहे हैं। ये वीडियो आगरा के मलपुरा क्षेत्र की चौपाल के थे। बाल योगी सोमवार को यहां लोगों की समस्याएं जानने पहुंचे थे। वीडियो वायरल होने के बाद विधायक चौधरी बाबूलाल ने बाल योगी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की बात कही थी। वीडियो वायरल होने के बाद बाल योगी बुधवार दोपहर को जयपुर हाउस स्थित विधायक चौधरी बाबूलाल के घर पहुंचे और विधायक से अपने शब्दों के लिए माफी मांगी।

पैकेज्ड फूड और मोबाइल बिगाड़ रहे बच्चों का स्वास्थ्य

टीएनएफ टुडे, आगरा।

चंद्रभान साबुन वाले सेवा ट्रस्ट एवं अमृता हॉस्पिटल फरीदाबाद के सहयोग से प्रताप नगर स्थित गर्भधान संस्कार एवं मेटरनिटी होम में बच्चों के लिए निशुल्क पीडियाट्रिक मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। आगरा में पहली बार बच्चों में गैस्ट्रोलॉजी एवं हेपेटोलॉजी से जुड़ी समस्याओं की जांच एवं परामर्श के लिए अपनी तरह का यह विशेष शिविर आयोजित किया गया। इसमें बाल गैस्ट्रोलॉजी एवं हेपेटोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. अर्जुन मारिया ने बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया।

शिविर में कुल 25 बच्चों की जांच की गई। इनमें लिवर, गैस्ट्रो एवं पाचन तंत्र से जुड़ी विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान कर अभिभावकों को आवश्यक चिकित्सीय परामर्श एवं उपचार संबंधी सुझाव दिए गए। चिकित्सक ने बच्चों की दिनचर्या, खान-पान एवं जीवनशैली से जुड़े पहलुओं पर भी अभिभावकों को विस्तार से जागरूक किया।

डॉ. अर्जुन मारिया ने बताया कि बच्चों में गैस्ट्रो एवं लिवर संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि जन्म से किसी गंभीर समस्या के बिना स्वस्थ बच्चों में भी आगे चलकर लिवर संबंधी परेशानियां देखने को मिल रही हैं। इसका एक बड़ा कारण बदलती जीवनशैली और खान-पान है। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों में कब्ज की बढ़ती समस्या को गंभीरता से लेने की आवश्यकता बताई। माता-पिता अनजाने में छोटी उम्र से ही बच्चों को बिस्किट, चिप्स, कुरकुरे एवं अन्य पैकेज्ड फूड आसानी से उपलब्ध करा देते हैं। इन खाद्य पदार्थों के लगातार सेवन से बच्चों की शारीरिक सक्रियता भी कम हो रही है। डॉ. मारिया ने मोबाइल फोन के अत्यधिक इस्तेमाल को भी बच्चों की स्वास्थ्य समस्याओं का एक महत्वपूर्ण कारण बताया। उन्होंने कहा कि मोबाइल के कारण बच्चे देर रात तक जागते हैं और सुबह जल्दी उठकर स्कूल जाने के लिए भागते हैं। नींद की कमी, अनियमित दिनचर्या, शारीरिक गतिविधियों का अभाव और असंतुलित खान-पान धीरे-धीरे पाचन संबंधी समस्याओं को जन्म देता है। पेट नियमित रूप से साफ न होने के कारण कब्ज की समस्या बढ़ती है। लंबे समय तक अनदेखी किए जाने पर यह गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का रूप ले सकती हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि बच्चों को पैकेज्ड एवं जंक फूड से दूर रखें और उनके भोजन में ताजे फल, सब्जियां, पर्याप्त पानी एवं पौष्टिक खाद्य पदार्थों को शामिल करें। इस अवसर पर अशोक अग्रवाल एवं रमेश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और अभिभावकों में जागरूकता के उद्देश्य से भविष्य में भी इस प्रकार के निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविर के दौरान राजीव जैन, राजकुमार गर्ग, निधि अग्रवाल, आशीष गर्ग, ललित कुमार, नरेंद्र अग्रवाल, सचिन गोयल, संगीता जैन, राकेश अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

निशुल्क पीडियाट्रिक कैंप में गैस्ट्रो और लिवर की समस्याओं पर चिंता जताई

तीज उत्सव में दिखी लोक संस्कृति की झलक

टीएनएफ टुडे, आगरा।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद खंदारी परिसर स्थित जेपी सभागार में महिला प्रकोष्ठ की ओर से बुधवार को कुलपति प्रो आशु रानी की अध्यक्षता में हरियाली तीज उत्सव का आयोजन हर्षोल्लास और पारंपरिक रंगों के साथ किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की शिक्षण एवं गैर-शिक्षण महिला कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सावन के आगमन के बीच आयोजित इस उत्सव में लोक संस्कृति, परंपरा और महिला सहभागिता का खूबसूरत संगम देखने को मिला।

कार्यक्रम स्थल पर पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने उत्सव की रंगत बढ़ा दी। मेहंदी, आकर्षक झूला सजावट, पारंपरिक व्यंजनों और विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। महिला कर्मचारियों ने गीत संगीत, लोकगीत और नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से तीज की पारंपरिक खुशियों को जीवंत कर दिया। सावन के आगमन पर आयोजित समूह गीत ने कार्यक्रम में विशेष रंग भर दिया। मीरा, ममता, ललिता और रजनी ने समूह गीत प्रस्तुत कर समां बांध दिया। वहीं डॉ. संघमित्रा गौतम ने लोकगीत गायन से भारतीय लोक संस्कृति की सुंदर झलक प्रस्तुत की। लोकनृत्य एवं फिल्मी गीतों पर भी प्रतिभागियों ने आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। यूसीसी से प्रेरणा और नीतू काबरा, आईटीएचएम से डॉ. साक्षी तिवारी तथा कर्मचारी गुंजन, ममता शर्मा और ललिता जोशी ने अपनी प्रस्तुतियों से खूब तालियां बटोरीं।

उत्सव के दौरान मनोरंजक खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। कप स्नेचिंग प्रतियोगिता में रजनी यादव विजेता रहीं, जबकि म्यूजिकल गेम में डॉ. साक्षी तिवारी ने बाजी मारी। खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया और कार्यक्रम का आनंद उठाया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विश्वविद्यालय की चतुर्थ श्रेणी की महिला कर्मचारियों का सम्मान रहा। उनके योगदान, समर्पण और कार्य के प्रति निष्ठा को सराहते हुए कुलपति द्वारा सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में महिला प्रकोष्ठ की समन्वयक प्रो. अर्चना सिंह एवं सह-समन्वयक डॉ. नीलम यादव की प्रमुख भूमिका रही। कार्यक्रम के संचालन में डॉ. मोनिका अस्थाना, डॉ. रत्न पांडे, डॉ. मीनाक्षी चौधरी, जनसंपर्क अधिकारी पूजा सक्सेना, डॉ रेखा शर्मा, डॉ प्रतिभा मिश्रा, डॉ सिंधुजा चौहान, नीलम शर्मा, डॉ प्रीति सिंह, डॉ श्वेता चौधरी ने सहयोग किया। मंच संचालन नीलम शर्मा एवं डॉ. मीनाक्षी चौधरी ने किया।

धूमधाम से मना भगवान पार्श्वनाथ का कल्याणक महोत्सव

आगरा। ट्रांस यमुना स्थित दिगंबर जैन मंदिर में श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक महामहोत्सव का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ किया गया। इस अवसर पर विशेष धार्मिक विधान का आयोजन हुआ। बुधवार को ट्रांस यमुना दिगंबर जैन मंदिर में श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक के पावन अवसर पर श्री पार्श्वनाथ विधान का आयोजन धूमधाम से किया गया।

श्री दिगंबर जैन समिति के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने भगवान पार्श्वनाथ की आराधना की और 108 विशेष निर्माण लाडू अर्पित किए। संगीतमय वातावरण में विधान कर्ता पंडित आशीष जैन के सानिध्य में धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से भगवान पार्श्वनाथ का पूजन-अर्चन कर सुख-समृद्धि और शांति की कामना की।कार्यक्रम में संयुक्त संरक्षक प्रशांत जैन, अध्यक्ष जितेंद्र जैन, महामंत्री धर्मेंद्र कुमार जैन सहित राजीव जैन, संदीप जैन, मोहित जैन, विपलव जैन, आशीष जैन, अंकित जैन, शेखर जैन, पंकज जैन, दिनेश बाबू जैन, कैलाश चंद जैन और श्रीमती प्रीति जैन पारुल जैन खुशबू जैन शिप्रा जैन सोनम जैन संगीता जैन एवं शर्मिष्ठा जैन समेत ट्रांस यमुना कॉलोनी के गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।

कोयले के तंदूर और भट्टियां मिलने पर जुर्माना

टीएनएफ टुडे, आगरा।

होटल, रेस्टोरेंट और कैफे में नगर निगम कर रहा छापेमारी

ताजमहल को प्रदूषण से बचाने के लिए टीटीजेड क्षेत्र में कोयला और लकड़ी जैसे प्रदूषण फैलाने वाले ईंधन का इस्तेमाल पूरी तरह प्रतिबंधित है। छापेमारी के बावजूद भी होटल एवं रेस्टोरेंट संचालक लगातार जला रहे हैं कोयले की भट्टियां और तंदूर। नगर निगम की टीम अभियान चलाकर छापेमारी कर रहा है। नगर निगम के अधिकारी और टास्क फोर्स टीम लगातार औचक निरीक्षण कर रहे है।

हाल ही में फतेहाबाद रोड स्थित सभी होटल रेस्टोरेंट और कैफे में जैसे उड़ता पंजाब रेस्टोरेंट पर ?8000 का जुमार्ना और बीकानेरवाला पर 10000 का जुमार्ना, पिरामिड रेस्टोरेंट पर 15000 का जुमार्ना जिमबोरा क्लब पर ?10000 मैकडॉनल्डस पर 8000 का जुमार्ना और टू सेंट बार कैफे पर 10000 का जुमार्ना एवं रोमियो लाइन कैफे पर तंदूर की भट्टी मिलने पर 20000 का जुमार्ना ठोका गया।

इन सब रेस्टोरेंट कैफे पर केवल तंदूर की भट्टियां जली पाई गई। जिसको लेकर नगर निगम द्वारा यह बड़ी कार्यवाही की गई। योगेंद्र कुमार कुशवाहा ने बताया है कि लगातार इस तरीके की कार्रवाई होती रहेगी। जब तक होटल रेस्टोरेंट में कोयले के प्रतिबंधित तंदूर जलाना बंद नहीं होगा। छापेमारी में नगर निगम के अधिकारी जेड एसओ समेत नगर निगम टास्क फोर्स के जवान आदि मौजूद रहे।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए धीरज शर्मा द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादक: धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

सामाजिकता पर हावी होती वर्चस्व की जंग

उत्तर भारत की सांस्कृतिक विरासत में 'राम बारात' का आयोजन और आधुनिक भारत के निर्माण में बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती, दोनों ही आयोजन समाज को एक नई दिशा देने के लिए जाने जाते रहे हैं। मयार्दा पुरुषोत्तम राम का आदर्श और बाबासाहेब का समतावादी विजन, दोनों ही भारत की चेतना के दो मजबूत स्तंभ हैं। लेकिन हाल के वर्षों में इन पवित्र आयोजनों के इर्द-गिर्द जिस तरह की होड़, क्षेत्रीय स्पर्धा और राजनीतिक टकराव देखने को मिल रहा है, उसने विचारवान नागरिकों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। अब यह केवल आस्था या सम्मान का विषय नहीं रहा, बल्कि यह 'मेरा क्षेत्र बनाम तुम्हारा क्षेत्र' और 'मेरा वर्चस्व बनाम तुम्हारा वर्चस्व' की जंग में तब्दील हो चुका है।इस होड़ के पीछे सबसे बड़ा तर्क 'क्षेत्रीय विकास' का दिया जाता है। राम बारात के आयोजक बनने की रेस हो या अंबेडकर जयंती पर किसी नए 'अंबेडकर नगर' को बसाने की जिद, स्थानीय नेता और रसूखदार गुट इसे अपने इलाके के विकास से जोड़ देते हैं। तर्क यह होता है कि आयोजन उनके क्षेत्र में आएगा, तो प्रशासन को मजबूरन वहां की सड़कें चमकानी पड़ेंगी, बिजली-पानी की व्यवस्था दुरुस्त करनी होगी और बुनियादी ढांचा सुधारना होगा। यह अपने आप में देश की विकास व्यवस्था और प्रशासनिक तंत्र पर एक बड़ा तमाचा है। क्या किसी क्षेत्र को बुनियादी सुविधाएं पाने के लिए किसी त्योहार या जयंती के आयोजन का इंतजार करना पड़ेगा?विडंबना देखिए कि इन आयोजनों पर होने वाला भारी-भरकम खर्च सीधे या परोक्ष रूप से सरकारी खजाने या जनता की जेब से आता है। प्रशासन भी लोक-लाज और कानून-व्यवस्था के नाम पर पानी की तरह पैसा बहाता है। मगर इस भारी खर्च के बाद धरातल पर क्या बदलता है? जवाब है—कुछ भी नहीं। उत्सव खत्म होते ही सड़कें फिर से उखड़ जाती हैं, तड़क-भड़क गायब हो जाती है और क्षेत्र वापस अपनी बदहाली पर आंसू बहाने लगता है। यह विकास नहीं, बल्कि विकास का एक ऐसा अस्थायी छलावा है जो जनता की आंखों में धूल झोंकने के लिए रचा जाता है।इस पूरी प्रक्रिया का सबसे खतरनाक पहलू है—समाजिकता का ह्रास और तीखा टकराव। जो रामलीला और जयंतियां समाज के हर वर्ग को एक जाजम पर लाने के लिए शुरू की गई थीं, वे अब ध्रुवीकरण का केंद्र बन गई हैं। आयोजक बनने की इस स्पर्धा में विभिन्न जातियों, गुटों और क्षेत्रों के बीच की खाई और चौड़ी हो रही है। राजनीतिक दल इस बिखराव को भांपकर अपनी गोटियां सेट करने में लग जाते हैं। यहीं से शुरू होता है वह राजनीतिक भटकाव, जो जनता के असली मुद्दों—जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और स्थायी बुनियादी ढांचे—को हाशिए पर धकेल देता है।इसे केवल एक आयोजन की भव्यता के रूप में देखना भूल होगी; यह दरअसल एक गहरा 'सांकेतिक भटकाव' है। हम प्रतीकों को तो पूज रहे हैं, लेकिन उनके विचारों की हत्या कर रहे हैं। राम के नाम पर बारातें तो सज रही हैं, लेकिन मयार्दा और त्याग के आदर्श गायब हैं। बाबासाहेब के नाम पर नगर तो बसाए जा रहे हैं, लेकिन उनके 'शिक्षित बनो, संगठित रहो' के संदेश को भुलाकर समाज को बांटने की राजनीति की जा रही है। समय आ गया है जब प्रबुद्ध समाज और प्रशासन को इस आत्मघाती स्पर्धा पर रोक लगानी होगी। उत्सवों को सियासत और खोखले शक्ति-प्रदर्शन के चंगुल से मुक्त कराकर दोबारा उनकी मूल सामाजिक आत्मा से जोड़ना ही होगा, वरना ये आयोजन समाज को समृद्ध करने के बजाय और खोखला करते जाएंगे।

एक झूठ के शापित होने का सच

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अब ये केस सदा-सदा के लिए बंद हो गया। एक आरोप की जांच पर सीबीआई ने 250 करोड़ के आसपास व्यय किए। न्यायालय का लंबा समय बरबाद किया। न्यायालय भी केस का सच नही बता पाया। 40 साल चले केस में भी यह ये नहीं हुआ कि बोफार्स खरीद में रिश्वत ली गई या नहीं। इस सबके बाबजूद आरोप तो आज भी वैसा ही खड़ा है, जैसा पहले था। 40 साल में यह आरोप अखबार और फाइलों के लाखों पन्नों पर छप गया। जनता में मन में यह धारणा इतनी पक्की हो गई, कि ये कभी खत्म नहीं होगी। आने वाली पीढ़ियों तक इसे नहीं भूल पाएंगी। क्या आरोपी परिवारों के भंग हुए सम्मान की भरपाई हो पाएगी। यदि आरोप न आता तो हो सकता था कि राजीव गांधी की सरकार और चलती। बोफार्स कांड बंद हो गया किंतु राजीव गांधी और उनके तथा अन्यों के परिवार के माथे पर एक बार-बार बोले जाने वाले झूठ के बल पर लगा रिश्वतखोरी का कलंक कभी खत्म हो पाएगा? कभी नहीं। हिटलर ने कहा था कि एक झूठ का बार-बार बोलिए, वह सच बन जाएगा। ऐसा ही इस बोफोर्स कांड में हुआ। बोफार्स की खरीद में रिश्वतखोरी का आरोप इतनी बार लगा कि यह हिटलर का सच बन गया। कांड की सीबीआई ने जांच की। सीबीआई ने जनवरी 1990 में एफआईआर दर्ज की। अक्तूबर 2000 में दायर की गई सप्लीमेंट्री चार्जशीट में हिंदुजा बंधुओं (श्रीचंद, गोपीचंद और प्रकाश हिंदुजा) का नाम भी शामिल किया गया था। दिल्ली हाईकोर्ट ने 31 मई 2005 को अपने फैसले में हिंदुजा ब्रदर्स और स्वीडिश फर्म एबी बोफोर्स के खिलाफ चल रही सभी आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया था। साथ ही, हाईकोर्ट ने सीबीआई की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए यह भी टिप्पणी की थी कि इस जांच पर सरकारी खजाने के करीब 250 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने इस मामले के लंबे खिंचने पर हैरानी जताई। जब याचिकाकर्ता के वकील ने कुछ मृत प्रतिवादियों के नाम हटाने के लिए चार हफ्ते का समय मांगा, तो जस्टिस पारदीवाला ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा, 'हिंदुजा ब्रदर्स और सीबीआई को लेकर यह सब क्या चल रहा है? सभी कार्यवाही रद्द हो चुकी हैं, यह क्या है? कितने साल बीत चुके हैं?' वहीं, वकील द्वारा यह याद दिलाने पर कि यह सौदा 1986 में हुआ था, बेंच ने स्पष्ट कर दिया कि अब इस मामले में और देरी या सुनवाई की कोई गुंजाइश नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के इस अंतिम निर्णय के साथ ही बोफोर्स पे-ऑफ केस से जुड़ी सभी कानूनी लड़ाइयां अब आधिकारिक रूप से समाप्त हो गई हैं। इस विवाद के कारण तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की सरकार को भारी राजनीतिक नुकसान हुआ। वर्ष 1989 के आम चुनावों में कांग्रेस पार्टी की हार का इसे एक प्रमुख कारण माना गया। इस मामले में ओत्तावियो क्वात्रोची और हिंदुजा बंधुओं जैसे नाम लंबे समय तक कानूनी और राजनीतिक बहसों का केंद्र रहे। लगभग चार दशकों तक चली कानूनी प्रक्रिया के बाद, न्यायालय ने इस मामले से जुड़ी आखिरी याचिकाओं को खारिज कर दिया। स्विस सरकार द्वारा कराई जांच भी आरोप सिद्ध नही कर सकी।

-अनाम

भारी वर्षा और धराशायी होती हरियाली

> वृक्ष केवल पर्यावरणीय संपदा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर भी हैं। बरगद, पीपल, आंवला और नीम भारतीय आस्था एवं परंपरा के प्रतीक रहे हैं। इनके संरक्षण से सांस्कृतिक विरासत सुरक्षित रहती है, वहीं ये कार्बन अवशोषण, तापमान नियंत्रण, वायु शुद्धिकरण और शहरी जैव विविधता के संवर्धन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अरुण कुमार डनायक

भारतीय मानसून केवल ऋतु परिवर्तन का संकेत नहीं है; यह जीवन और विनाश, दोनों का एक साथ आगमन है। वर्षा की रिमझिम फुहारें उमस से राहत देती हैं, खेतों में नई आशा जगाती हैं और और धरती को हरीतिमा की मनोहारी चादर पहना देती हैं। किंतु यही वर्षा जब अतिवृष्टि में बदल जाती है, तो जलभराव, बाढ़, भूस्खलन और वृक्षों के धराशायी होने जैसी घटनाएं जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर देती हैं। पिछले कुछ वर्षों में एक चिंताजनक प्रवृत्ति विशेष रूप से सामने आई है—महानगरों और नगरों में भारी वर्षा तथा तेज हवाओं के साथ बड़ी संख्या में वृक्षों का गिरना।

दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और अन्य शहरों में मानसून के दौरान सड़कों पर गिरे बरगद, पीपल, नीम, अर्जुन, गुलमोहर और यूकेलिप्टस के वृक्ष अब सामान्य दृश्य बन गए हैं। फुटपाथों और सड़क किनारे खड़े ये विशाल वृक्ष कभी छाया, स्वच्छ वायु और जैव विविधता के प्रतीक थे; आज वही यातायात अवरोध, बिजली आपूर्ति बाधित होने और कभी-कभी जान-माल की हानि का कारण बन रहे हैं। यह समस्या केवल नगरों तक सीमित नहीं है। राजमार्गों पर भी वर्षों पुराने आम, इमली और जामुन के वृक्ष तेज वर्षा में गिरकर यातायात रोक देते हैं। आश्चर्य की बात यह है कि वन क्षेत्रों के वृक्ष अपेक्षाकृत कम गिरते हैं। इससे स्पष्ट है कि समस्या वर्षा नहीं, बल्कि शहरी परिस्थितियां हैं।

वृक्षों का असमय गिरना केवल बादलों या तेज हवाओं का दोष नहीं है। इसके पीछे पारिस्थितिक और प्रशासनिक दोनों प्रकार की विफलताएं छिपी हैं। शहरों में वृक्षों की जड़ों के चारों ओर सीमेंट और कांक्रीट बिछा दी जाती है, जिससे उन्हें फैलने और पर्याप्त ऑक्सीजन प्राप्त करने का अवसर नहीं मिलता। वर्षा का जल भी भूमि में समाने के बजाय नालियों में बह जाता है, परिणामस्वरूप जड़ों का प्राकृतिक पोषण बाधित हो जाता है। बहुमंजिला इमारतों, बेसमेंट, सीवेज लाइन, जल पाइपलाइन और भूमिगत केबलों के निर्माण के दौरान की जाने वाली अनियोजित खुदाई तथा ड्रिलिंग से जड़ें कट जाती हैं और वृक्ष भीतर ही भीतर कमजोर हो जाते हैं। अनेक पुराने वृक्ष दीमक और फफूंद के संक्रमण से खोखले भी हो चुके होते हैं। ऐसे वृक्ष जब तेज हवा और मूसलाधार वर्षा का संयुक्त दबाव झेलते हैं, तो उनका गिरना लगभग निश्चित हो जाता है। एक अन्य महत्वपूर्ण कारण अवैज्ञानिक छंटाई है। अनेक नगरों में वृक्षों की नियमित वैज्ञानिक छंटाई नहीं होती, जबकि कहीं-कहीं अत्यधिक छंटाई कर दी जाती है। कई बार मुख्य तना काट दिए जाने से वृक्ष सीधे ऊपर बढ़ने के बजाय एक ओर फैलने लगते हैं। ऊपर का भार बढ़ता जाता है, जबकि कांक्रीट में जकड़ी जड़ें उसे संभालने में असमर्थ रहती हैं। परिणामतः तेज हवाओं में वृक्ष संतुलन खो बैठते हैं।

वृक्ष गिरने के बाद नगर निगमों की चुनौतियां भी कम नहीं हैं। सीमित जनशक्ति और पुराने उपकरणों के कारण कई स्थानों पर आज भी कुल्हाड़ी और आरी से वृक्ष काटकर हटाए जाते हैं। परिणामस्वरूप सड़कें कई घंटों या कई दिनों तक बाधित रहती हैं। आधुनिक हाइड्रोलिक ट्री-कटर, क्रेन और मोबाइल वुड-चिपर जैसी मशीनों का उपयोग अभी भी अधिकांश भारतीय नगर निकायों में सामान्य नहीं हो पाया है।

समस्या का एक कानूनी पक्ष भी है। दिल्ली सरकार ने जून 2025 में एक अधिसूचना जारी कर मृत, रोगग्रस्त अथवा जन-सुरक्षा के लिए खतरा बन चुके वृक्षों को हटाने की प्रक्रिया को सरल बनाने का प्रयास किया था। इसके अतिरिक्त कुछ अवसंरचना परियोजनाओं के लिए पूर्व अनुमति के बिना वृक्षों की कटाई, छंटाई अथवा प्रत्यारोपण की सीमित छूट का भी प्रावधान किया गया था। किंतु दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस अधिसूचना पर रोक लगाते हुए कहा कि विकास कार्यों के नाम पर वृक्षों को काटने या उनकी छंटाई के लिए सामान्य छूट नहीं दी जा सकती। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि केवल वास्तविक और प्रमाणित खतरे की स्थिति में ही ऐसे निर्णय लिए जाने चाहिए तथा प्रत्येक मामले में पर्यावरणीय संतुलन और जनहित का समुचित परीक्षण आवश्यक है। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से यह रुख उचित है, किंतु इसके साथ ही जोखिमग्रस्त वृक्षों की पहचान और उनके वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए त्वरित एवं पारदर्शी व्यवस्था विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है।

विश्व के अनेक देशों ने इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। अमेरिका, कनाडा और यूरोप में शहरी वृक्ष प्रबंधन को नगर नियोजन का अभिन्न अंग माना जाता है। वृक्षों की नियमित स्वास्थ्य जांच, वैज्ञानिक छंटाई तथा सेंसर एवं डिजिटल मानचित्रण के माध्यम से उनकी सतत निगरानी की जाती है। जड़ों के लिए पर्याप्त जल, वायु और खुला स्थान सुनिश्चित किया जाता है तथा जहां संभव हो, बड़े वृक्षों को मुख्य यातायात मार्गों से कुछ दूरी पर हरित पट्टियों और पार्कों में लगाया जाता है। अमेरिका की अनेक आवासीय कम्युनिटीज में घर के सामने लगे वृक्षों और हरित क्षेत्र की देखभाल भवन स्वामी का दायित्व होता है। इसकी उपेक्षा करने पर आर्थिक दंड का भी प्रावधान है, जिससे नागरिक सहभागिता स्वाभाविक रूप से सुनिश्चित होती है। भारत में भी समस्या का समाधान केवल अधिक वृक्ष लगाने से नहीं होगा; उतना ही महत्वपूर्ण है पहले से मौजूद वृक्षों का वैज्ञानिक संरक्षण। प्रत्येक नगर में वृक्षों की डिजिटल गणना तैयार की जाए और पुराने तथा जोखिमग्रस्त वृक्षों का समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण अनिवार्य बनाया जाए। नगर निगमों में प्रशिक्षित वृक्ष विशेषज्ञ नियुक्त किए जाएं तथा आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए जाएं। नई कॉलोनियों, सड़कों और सार्वजनिक परियोजनाओं में हरित पट्टियों तथा वृक्ष संरक्षण क्षेत्रों का अनिवार्य प्रावधान किया जाए, ताकि वृक्षों की जड़ों के चारों ओर पर्याप्त खुला क्षेत्र बना रहे। भूमिगत पाइपलाइन और केबल बिछाने के दौरान जड़ों की सुरक्षा के लिए मानक संचालन प्रक्रिया का कठोरता से पालन किया जाए।

वृक्ष केवल पर्यावरणीय संपदा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर भी हैं। बरगद, पीपल, आंवला और नीम भारतीय आस्था एवं परंपरा के प्रतीक रहे हैं। इनके संरक्षण से सांस्कृतिक विरासत सुरक्षित रहती है, वहीं ये कार्बन अवशोषण, तापमान नियंत्रण, वायु शुद्धिकरण और शहरी जैव विविधता के संवर्धन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दक्षिण-एशियाई और प्रवासी

हर मानसून हमें यह याद दिलाता है कि प्रकृति का संतुलन कितना नाजुक है। यदि शहरों में वृक्ष लगातार गिर रहे हैं, तो इसका अर्थ यह नहीं कि वर्षा अधिक शक्तिशाली हो गई है; इसका अर्थ यह है कि हमने अपने वृक्षों को कमजोर बना दिया है। आवश्यकता वर्षा को दोष देने की नहीं, बल्कि शहरी नियोजन, वैज्ञानिक वृक्ष प्रबंधन और नागरिक उत्तरदायित्व को नई दृष्टि से देखने की है। यदि ऐसा नहीं किया गया, तो हर मानसून हमारे शहरों की हरियाली को थोड़ा और धराशायी करता रहेगा।

सबके समझ में आने वाली बात नहीं है

नितिन नबीन की बहुप्रतीक्षित टीम का आज आखिरकार ऐलान हो ही गया। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने संगठन में लंबे समय से चल रही कवायद को अंजाम देते हुए अपनी नई राष्ट्रीय टीम सामने रख दी है। इस टीम में अनुभव, क्षेत्रीय संतुलन, सामाजिक समीकरण और चुनावी जरूरतों का ऐसा मिश्रण तैयार किया गया है, जिसमें पार्टी के पुराने दिग्गजों से लेकर नए चेहरों तक को जिम्मेदारी दी गई है। लेकिन इस पूरी कवायद में दो फैसले राजनीतिक चर्चा के केंद्र में हैं। एक तो अमित मालवीय को आईटी सेल प्रमुख की जिम्मेदारी से बाहर का रास्ता दिखाया गया है, जबकि पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की राष्ट्रीय महासचिव के तौर पर भाजपा के शीर्ष संगठन में वापसी हुई है।

इसके अलावा, स्मृति ईरानी की वापसी इस टीम का सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश है। उन्हें उत्तर प्रदेश का राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है। आक्रामक राजनीतिक शैली, संसदीय अनुभव और विपक्ष के खिलाफ मुखर राजनीतिक लड़ाई के लिए पहचाने जाने वाली स्मृति ईरानी को संगठन के शीर्ष स्तर पर लाना बताता है कि भाजपा उत्तर प्रदेश जैसे निर्णायक राज्य में राजनीतिक सक्रियता को और धार देना चाहती है।

राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। उनके साथ तीरथ सिंह रावत, राम माधव, बैजयंत पांडा, डी. पुरंदेश्वरी, रेखा वर्मा, वर्षाबेन नरेंद्रभाई दोशी, डॉ. भारती प्रवीण पवार, मनप्रीत सिंह बादल, लाल सिंह आर्य, एम. नागराजा, प्रो. तारिक मंसूर और डॉ. मधुचंद्र कर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है। छह महिला उपाध्यक्षों की मौजूदगी से महिला प्रतिनिधित्व का संदेश भी स्पष्ट है।

इसके अलावा, राष्ट्रीय महासचिवों की टीम में विनोद तावड़े, सुनील बंसल, बिप्लब कुमार देब, स्मृति ईरानी, डॉ. सतीश पूनिया, गजेंद्र पटेल, हरीश द्विवेदी और संजय भाटिया शामिल हैं। संगठन के स्तर पर बीएल संतोष राष्ट्रीय महासचिव संगठन बने हुए हैं, जबकि शिवप्रकाश और सौदान सिंह को राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव संगठन की जिम्मेदारी मिली है। इसका अर्थ है कि नबीन ने संगठन की अनुभवी मशीनरी को बनाए रखते हुए राजनीतिक मोर्चे पर अपनी टीम को विस्तार दिया है।

साथ ही 16 राष्ट्रीय सचिवों की सूची में भी व्यापक क्षेत्रीय संतुलन दिखाई देता है। कविता पाटीदार, के. सुरेंद्रन, डॉ. भोला सिंह, डॉ. प्रदीप वर्मा, जगदीश ईश्वरभाई पटेल, आम आदमी पार्टी से भाजपा में आये डॉ. संदीप पाठक और फांगनॉन कोन्याक, संगीता यादव, अनिल एंटनी, डॉ. एम. वेंकटेशन, मनोज तिग्गा, सिद्धार्थ शंभू, डॉ. स्वदेश सिंह, मृगांका देब बर्मन, रोहन गुप्ता और जय प्रकाश को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। इनमें दक्षिण, पूर्वोत्तर, पूर्वी भारत, हिंदी पट्टी और शहरी राजनीतिक पृष्ठभूमि, सभी को जगह मिली है।

नई टीम के अन्य हिस्से भी राजनीतिक संकेत दे रहे हैं। केंद्रीय कार्यालय प्रभारी तरुण चुग और केंद्रीय कार्यालय सचिव महेंद्र पांडे बनाए गए हैं। नॉर्थ-ईस्ट कोऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी डॉ. संबित पात्रा और संयुक्त कोऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी राजीव बब्बर को दी गई है। सभी सेल्स के समन्वय की कमान विष्णु दत्त शर्मा को मिली है, जबकि ऋतुराज सिन्हा और विष्णु वर्धन रेड्डी संयुक्त समन्वयक होंगे।

मोर्चों की कमान भी सामाजिक और चुनावी विस्तार को ध्यान में रखकर तय की गई है। युवा मोर्चा के अध्यक्ष डॉ. हेमंग जोशी, महिला मोर्चा की अध्यक्ष रूप कुमारी चौधरी, ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष अमरपाल मौर्य, किसान मोर्चा के अध्यक्ष बंसीलाल गुर्जर, एससी मोर्चा के अध्यक्ष शिवेश कुमार राम, एसटी मोर्चा के अध्यक्ष डॉ. मन्नालाल रावत और अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष कुंवर बसीत अली बनाए गए हैं। इससे भाजपा ने समाज के अलग-अलग वर्गों के बीच संगठनात्मक पहुंच को मजबूत करने की कोशिश की है।

वित्तीय मोर्चे पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष और राजस्थान के राजेश मंगल को संयुक्त कोषाध्यक्ष बनाया गया है। पीयूष गोयल के प्रशासनिक और आर्थिक अनुभव का लाभ संगठन के वित्तीय प्रबंधन को मिल सकता है। पीयूष गोयल पहले भी पार्टी के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रह चुके हैं। यहां सवाल यह है कि अब देखना यह होगा कि 'एक व्यक्ति एक पद' के सिद्धांत को महत्व देने वाली भाजपा क्या पीयूष गोयल से केंद्रीय मंत्री का पद छोड़ने को कहती है या फिर वह दोनों पदों पर बने रहेंगे?

कुल मिलाकर नितिन नबीन की टीम का संदेश साफ है कि भाजपा अब संगठन को केवल पदाधिकारियों की सूची के रूप में नहीं, बल्कि चुनावी मशीनरी के रूप में कसना चाहती है। राम माधव की रणनीतिक समझ, वसुंधरा राजे का जनाधार, स्मृति ईरानी की आक्रामक राजनीतिक शैली, सुनील बंसल का संगठनात्मक अनुभव, पीयूष गोयल की प्रशासनिक क्षमता और दक्षिण-पूर्वोत्तर से आए नेताओं का क्षेत्रीय अनुभव पार्टी के लिए अलग-अलग मोर्चों पर उपयोगी साबित हो सकता है। लेकिन असली चुनौती भी यहीं से शुरू होती है। अलग-अलग क्षमताओं और महत्वाकांक्षाओं वाले नेताओं को एक सूत्र में बांधना, राज्यों में गुटबाजी को नियंत्रित करना, डिजिटल नैरेटिव को विपक्ष के हमलों के सामने प्रभावी बनाना, संगठन और सरकार के बीच तालमेल कायम रखना और आगामी चुनावों में इन नियुक्तियों के जरिये साधे गये सामाजिक समीकरणों को वास्तविक वोटों में बदलना आसान नहीं होगा। नितिन नबीन ने टीम चुन ली है; अब इस टीम को परिणाम देने वाली राजनीतिक ताकत में बदलना उनकी सबसे बड़ी परीक्षा होगी।

-नीरज कुमार दुबे

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 21 अगस्त 2026 शुक्रवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

मार्गदर्शनः आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष मिथुन सिंह कन्या तुला और कुंभ राशि के जातकों का मानसिक मनोबल आध्यात्मिक प्रभाव और भाग्य का संबल बहुत उत्तम रहेगा। शुक्रवार का दिन आद्यशक्ति मां लक्ष्मी तथा वैभव के कारक शुक्र देव की आराधना के लिए अत्यंत पवित्र और फलदायी माना जाता है। आज के दिन श्वेत पुष्प मिश्री तथा खीर अर्पित कर श्री सूक्त का पाठ करने से जीवन में असीम ऐश्वर्य भौतिक सुख समृद्धि और संपत्ति में स्थायी वृद्धि प्राप्त होती है।

मेष

आज आपके आत्मविश्वास में अप्रत्याशित वृद्धि होगी जिसके बल पर आप कठिन से कठिन व्यावसायिक कार्य को भी सुगमता से पूर्ण कर लेंगे। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों का भरपूर सहयोग मिलेगा और आय के नए स्त्रोत विकसित होंगे। मां लक्ष्मी को मखाने की खीर अर्पित करें जिससे आपके सभी वित्तीय मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष

आज आपको अपने क्रोध और वाणी पर संयम रखने की विशेष आवश्यकता है अन्यथा बनते हुए काम अंतिम समय में बिगड़ सकते हैं। आर्थिक मामलों में जल्दबाजी से बचें और निवेश से जुड़े किसी भी दस्तावेज को भली भांति पढ़कर ही हस्ताक्षर करें। किसी छोटी कन्या को मीठी वस्तु भेंट करें जिससे आपके सभी कष्ट दूर होंगे।

मिथुन

आज कला साहित्य और मीडिया क्षेत्र से जुड़े जातकों को विशेष ख्याति प्राप्त होगी और नए संपर्क से व्यापार में बड़ा लाभ होगा। मित्रों के साथ कहीं सुखद यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है जो मन को प्रसन्नता और नई ऊर्जा प्रदान करेगा। मां दुर्गा को लाल चुनरी चढ़ाएं जिससे आपके यश और कीर्ति में निरंतर विस्तार होगा।

कर्क

आज आपके पारिवारिक वातावरण में अपार सौहार्द और खुशहाली बनी रहेगी जिससे मानसिक शांति का अनुभव होगा। लंबे समय से अटका हुआ कोई महत्वपूर्ण कार्य आज अचानक पूरा होने से बड़ा आर्थिक लाभ संभव है। किसी जरूरतमंद महिला को वस्त्र दान करें जिससे घर में सुख और समृद्धि का वास होगा।

सिंह

आज आपको कार्यस्थल पर अपने विरोधियों से थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता है क्योंकि वे आपकी प्रगति में बाधा डाल सकते हैं। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें और दिनचर्या में योग तथा ध्यान को अवश्य शामिल करें। मंदिर में सफेद चंदन का दान करें जिससे आपका मानसिक तनाव पूर्णतः समाप्त होगा।

कन्या

आज व्यापारिक दृष्टिकोण से दिन अत्यंत शुभ रहने वाला है और नए व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होने के प्रबल योग निर्मित हो रहे हैं। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता परीक्षा में मनोवांछित सफलता मिलेगी जिससे परिवार का नाम रोशन होगा। श्री सूक्त का पाठ करें जिससे आपके जीवन में धन और वैभव की प्राप्ति होगी।

तुला

आज आपको अपने कार्यक्षेत्र में अधिक परिश्रम करना पड़ सकता है परंतु संध्या काल तक उसका बहुत सुखद परिणाम भी प्राप्त हो जाएगा। वाहन चलाते समय पूर्ण सावधानी बरतें और अनचाही यात्राओं से परहेज करें। किसी निर्धन व्यक्ति को अन्न का दान करें जिससे आपके भाग्य के बंद द्वार खुलेंगे।

वृश्चिक

आज आपका पराक्रम और निर्णय लेने की क्षमता चरम पर रहेगी जिससे व्यापार में पुरानी समस्याओं का स्थायी समाधान निकलेगा। जीवनसाथी के साथ संबंधों में मधुरता आएगी और किसी सुखद योजना पर सहमति बनेगी। मां लक्ष्मी के समक्ष कपूर का दीपक जलाएं जिससे आपकी सभी बाधाएं समाप्त होंगी।

धनु

आज धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों में आपकी सक्रिय भागीदारी रहेगी जिससे समाज में आपका सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति पहले से अधिक सुदृढ़ होगी और पुराने दिए गए कर्ज की वसूली संभव होगी। मस्तक पर केसर का तिलक लगाएं जिससे आपकी बौद्धिक क्षमता और विवेक में वृद्धि होगी।

मकर

आज नौकरीपेशा लोगों के स्थानांतरण या पदोन्नति से जुड़ी कोई शुभ सूचना मिल सकती है जिससे मन अत्यंत प्रफुल्लित रहेगा। संपत्ति से जुड़े पुराने विवाद आपसी सहमति से सुलझ जाएंगे। पक्षियों को बाजरा डालें जिससे आपके व्यापार और करियर में आने वाली रुकावटें दूर होंगी।

कुंभ

आज किसी व्यावसायिक साझेदार के साथ अनबन होने की संभावना है इसलिए बातचीत में विनम्रता बनाए रखें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें अन्यथा आपका बजट बिगड़ सकता है। मां सरस्वती की पूजा करें जिससे आपकी वाणी में प्रभाव और निर्णय क्षमता में प्रखरता आएगी।

मीन

आज का दिन आपके लिए अत्यंत शुभ और प्रगतिदायक सिद्ध होगा और अचानक धन लाभ के मजबूत योग बनेंगे। अध्ययन और शोध कार्य में लगे लोगों को विशेष सफलता मिलेगी। गाय को हरा चारा अथवा गुड़ खिलाएं जिससे आपके घर में शांति और समृद्धि बनी रहेगी।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

शुक्रवार के दिन भवन के ईशान कोण अथवा मुख्य द्वार को स्वच्छ रखकर वहां गुलाब जल मिश्रित जल का छिड़काव करने तथा देसी घी का दीपक प्रज्वलित करने से घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है तथा महालक्ष्मी की कृपा से घर में अखंड धन धान्य और सुख शांति का स्थायी वास होता है।

सकारात्मकता, निस्वार्थ, धैर्य ही प्रशासनिक जिम्मेदारी में हैं सहायक: डॉ. सरीन

अंतरराष्ट्रीय प्रेरक ने कर्मयोग से सशक्त प्रशासन विषय पर हुई कार्यशाला दिया प्रेरणादायक उद्बोधन

प्रशासनिक विंग के राष्ट्रीय संयोजक ने अधिकारियों को सुझाए व्यावहारिक पहलू

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

कलेक्ट्रेट सभागार में ब्रह्माकुमारीज के प्रशासनिक सेवा प्रभाग द्वारा जिला प्रशासन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए कर्मयोग से सशक्त प्रशासन विषय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में ब्रह्माकुमारीज के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू से आए मुख्य वक्ता डॉ. बिन्नी सरीन ने कहा कि प्रशासनिक जिम्मेदारियों का निर्वहन केवल पद और अधिकार के माध्यम से नहीं, बल्कि सकारात्मक दृष्टिकोण, निस्वार्थ भावना, धैर्य एवं कर्मयोग की भावना से किया जाए तो जनकल्याणकारी योजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा सकता है।

प्रशासनिक सेवा प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक हरीश ने कहा कि तनावपूर्ण परिस्थितियों में संतुलित मन, स्पष्ट निर्णय क्षमता और सकारात्मक व्यवहार प्रभावी प्रशासन की आधारशिला हैं। पूर्व डिविजनल कमिश्नर सीताराम मीणा ने अपने तीन दशक से अधिक के प्रशासनिक अनुभव साझा करते हुए बताया कि राजयोग के अभ्यास ने उन्हें चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में मानसिक संतुलन बनाए रखने तथा सही एवं प्रभावी निर्णय लेने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। स्थानीय सेवा केंद्र प्रभारी राजयोगिनी कृष्णा दीदी ने प्रतिभागियों को राजयोग मेडिटेशन का गहन अनुभव कराया।कार्यक्रम का समन्वय मथुरा रिफाइनरी के आलोक कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर एडीएम प्रशासन पंकज वर्मा, सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्रा सहित जिला प्रशासन के कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में मनोज, पूजा, अंजली, गौरी, मनोहर, सौरभ, कमल, उमेश, सचिन आदि का विशेष योगदान रहा।

चिकित्सक के परचे बिना नहीं मिलेगी नारकोटिक्स की दवा

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

दवा विक्रेताओं से की जा रही अपील,व्हाट्सएप पर भेजे जा रहे मैसेज

नारकोटिक्स की दवा का गलत उपयोग रोकने लिए सख्ती की जा रही है। औषधि विभाग ने कहा कि नारकोटिक्स दवा चिकित्सक के पर्चे पर ही मेडिकल स्टोर संचालक को देनी है। यह दवा देने के बाद मेडिकल स्टोर संचालक को चिकित्सक के परचे पर मोहर भी लगानी पड़ेगी। वहीं अब दवा विक्रेताओं से अपील की जा रही है कि वह चिकित्सक के परचे पर दवा दें। इसको लेकर कैमिस्ट एसो.के पदाधिकारी दवा विक्रेताओं एवं विभिन्न ग्रुप में व्हाट्एप पर मैसेज भेज रहे हैं। अधिकतर चिकित्सक मरीज का उपचार,ऑपरेशन आदि में यह दवाएं लिखते हैं। मथुरा में कई जगह कार्रवाई के दौरान नारकोटिक्स की दवा मिल चुकी है। औषधि निरीक्षक प्रेम पाठक द्वारा अब एक मोहर बनवाई है। इस मोहर को नारकोटिक्स की दवा बेचने वाले दवा विक्रेताओं को बनवानी होगी। चिकित्सक परचे पर मरीज को यह दवा देने के बाद मोहर लगानी पड़ेगी। यह दवा जारी कर दी गई है। इससे मरीज किसी दूसरे दवा विक्रेता से यह दवा न ले सके। दवा ओरिजिनल परचे पर देनी है। कैमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन मथुरा के अध्यक्ष भोला यादव का कहना है कि दवा विक्रेताओं से अपील की कि वह सभी दवाओं के बिल अपने पास रखें। नारकोटिक्स की दवा के रिकार्ड रखें।

निरीक्षण के दौरान मांगने पर उसे दिखाएं। महामंत्री कैमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के महामंत्री आशीष चतुवेर्दी का कहना है कि नारकोटिक्स की दवा दवा विक्रेता डाक्टर के परचे पर ही दें। परचे पर मोहर भी लगाएं। नारकोटिक्स सहित अन्य सभी दवाओं के बिल अपने अपने पास रखें। निरीक्षण के दौरान टीम का सहयोग करें।

वर्जन

नारकोटिक्स की दवा चिकित्सक के परचे पर देनी है। दवा देने के बाद दवा विक्रेता को मोहर लगानी होगी कि उक्त दवा दे दी गई है,जिससे वह अन्य किसी दुकान से दवा न ले सके। सभी से अपील की है कि वह विभागीय नियमानुसार दवा का कारोबार करें।

-प्रेम पाठक, औषधि निरीक्षक मथुरा

हरे मखमल के हिंडोले में विराज राजाधिराज ने दिए दर्शन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

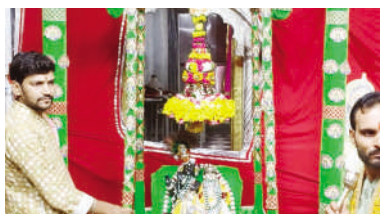

ठाकुर जी महाराज हरे मखमल के हिंडोले में विराजमान हुए। पुष्टिमार्गीय परंपरा में ठाकुर जी को लाड़-लड़ाने के तहत घटा और हिंडोला में विराजमान कराया जाता है। यह क्रम पूरे सावन मास जारी रहेगा। कल संध्या उद्यापन के दर्शन 5.00 बजे खुलेंगे एवं शयन के दर्शन सायंकाल 7 बजे से 8 बजे तक होंगे जिसमें ठाकुर जी महाराज लाल घटा में विराजमान होकर अपने भक्तों को दर्शन देंगे।

पुष्टिमार्ग संप्रदाय के मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी (एडवोकेट) ने बताया कि मंदिर के सभी कार्यक्रमों का निर्धारण मंदिर के गोस्वामी श्री श्री 108 डॉ. वागीश कुमार जी महाराज (कांकरोली नरेश, तृतीय पीठ) के द्वारा किया जाता है। उसी परंपरा के तहत आज

वेतन कटौती और अभद्रता का आरोप, टोल कर्मचारियों ने उपजिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

फतेहाबाद। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 21 स्थित टोल प्लाजा पर कार्यरत कर्मचारियों ने उपजिलाधिकारी फतेहाबाद को शिकायती पत्र सौंपकर अपनी समस्याएं बताई गईं। कर्मचारियों ने टोल अधिग्रहण करने वाली कंपनी पर वेतन काटने स्पष्ट कारण पूछने पर हेड एचआर पर अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया है।

बुधवार को आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के टोल कर्मचारियों ने ज्ञापन देकर उपजिलाधिकारी फतेहाबाद स्वाति शर्मा को बताया कि टोल का संचालन करने वाली कंपनी श्री साईं एंड दातार द्वारा उनसे निर्धारित 8 घंटे के प्रावधान के बजाय 12 घंटे ड्यूटी कराई जा रही थी। जून माह में इसका विरोध करने और टोल प्रबंधन को अपनी मांगों से अवगत कराने के बाद ड्यूटी का समय वापस 8 घंटे तो कर दिया गया, लेकिन अगस्त माह में जुलाई का वेतन मिलने पर प्रत्येक कर्मचारी के वेतन में कटौती कर दी गई। वहीं टोल प्लाजा के कर्मचारियों का आरोप है कि जब वे इस वेतन कटौती के संबंध में बात करने के लिए प्रोजेक्ट के हेड एचआर सद्दाम हुसैन और मैनेजर प्रमोद धनगर के पास पहुंचे, तो उनके साथ गाली-गलौज और अभद्रता की गई।

आरोप है कि अधिकारियों ने कर्मचारियों को इसी तरह कटे हुए वेतन में काम करने या नौकरी छोड़कर घर जाने की धमकी दी गई। प्रबंधन द्वारा दी जा रही नौकरी से निकालने की धमकी के चलते कर्मचारियों में भय का माहौल है। ज्ञापन सौंपकर टोल प्लाजा कर्मचारियों ने एसडीएम से मामले का संज्ञान लेकर कटी हुई सैलरी दिलवाने तथा भविष्य में किसी भी तरह की अनधिकृत वेतन कटौती न होने देने की मांग की है। उपजिलाधिकारी फतेहाबाद स्वाति शर्मा ने बताया कि कर्मचारियों के वेतन कटौती के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई है। टोल मैनेजमेंट से बात की गई है। कर्मचारियों के साथ बैठकर समस्या का समाधान कराया जाए। वहीं सिटी मजिस्ट्रेट आगरा को यूपीडा के अधिकारियों के साथ मामले को संज्ञान में लेकर समाधान के लिए अवगत कराया गया है।

डीआईओएस दफ्तर पर प्रदर्शन, ज्ञापन सौंपा

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षणेत्तर संघ ने प्रदेशीय आव्हान पर दिया धरना

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

यूपी एजुकेशनल मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन के आह्वान पर अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के लिपिक एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों ने बुधवार को जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया सहमति के बावजूद शासनादेश जारी न होने पर कर्मचारियों में गहरा रोष है। धरने के बाद मुख्यमंत्री को संबोधित 11 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन राघवेंद्र सिंह को सौंपा गया। जिलाध्यक्ष अतुल चौधरी एवं जिला मंत्री विनोद कुमार शर्मा ने बताया कि चार अक्टूबर 2021 और आठ अप्रैल 2025 को शासन स्तर पर हुई बैठकों में सहमति के बाद भी शासनादेश जारी नहीं हुए हैं, जिससे कर्मचारियों में निराशा है। ज्ञापन में पदोन्नति, वेतन विसंगति, पेंशन, भत्ते और आउटसोर्सिंग कर्मियों जैसे ज्वलंत मुद्दों को उठाया गया है। चेताया गया कि जल्द समाधान न होने पर प्रदेशव्यापी उग्र आंदोलन व कार्य बहिष्कार किया जाएगा। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष रिहान अली, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कार्यक्रम प्रभारी डा. सतेन्द्र सिंह, अतुल शर्मा, चेतराम चौधरी, मोनू शर्मा, सतीश बघेल, रामखिलाडी, राकेश कुमार, हेमंत कुमार सारस्वत, राकेश कुमार बरसाना, उदयवीर सिंह, शिवकुमार, महेश कुमार सिंह, रामेश्वर शर्मा, आशीष कुमार शर्मा आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

कार्यशाला में किशोर और महिलाओं के हितों पर हुई चर्चा

टीएनएफ टुडे, **मथुरा।** पुलिस लाइन, मथुरा स्थित सभागार में आयोजित मासिक गोष्ठी, कार्यशाला में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मथुरा की सहभागिता रही। कार्यक्रम में किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 के अंतर्गत संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के मामलों में विधिक एवं संरक्षणात्मक उपायों तथा कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं निवारण) अधिनियम, 2013 के प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर विचार विमर्श किया गया। बैठक का उद्देश्य संबंधित विभागों एवं हितधारकों के मध्य समन्वय स्थापित करते हुए बाल संरक्षण एवं महिला सुरक्षा से संबंधित प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना रहा।

दीक्षित इंश्योरेंस फिनकॉर्प को उत्कृष्ट कार्य के लिए किया सम्मानित

टीएनएफ टुडे, **मथुरा।** बीमा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य एवं बेहतर ग्राहक सेवाओं के लिए दीक्षित इंश्योरेंस फिनकॉर्प को चोलामंडलम जनरल इंश्योरेंस कंपनी द्वारा सम्मानित किया गया। कंपनी की ओर से एरिया मैनेजर युसूफ मिर्जा बेग एवं सेल्स मैनेजर सौरभ बंसल ने संयुक्त रूप से दीक्षित इंश्योरेंस फिनकॉर्प के निदेशक विनोद दीक्षित एवं निदेशक नरेंद्र दीक्षित को शील्ड एवं ट्रॉली बैग प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर निदेशक विनोद दीक्षित ने कहा कि यह सम्मान ग्राहकों के विश्वास और दीक्षित इंश्योरेंस फिनकॉर्प द्वारा लगातार प्रदान की जा रही बेहतर एवं भरोसेमंद सेवाओं का परिणाम है। उन्होंने कहा कि ग्राहकों का विश्वास ही संस्था की सबसे बड़ी पूंजी है और भविष्य में भी ग्राहकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। निदेशक नरेंद्र दीक्षित ने कहा कि दीक्षित इंश्योरेंस फिनकॉर्प पिछले 27 वर्षों से अपने ग्राहकों को बेहतर बीमा सेवाएं प्रदान कर रहा है। ग्राहकों के विश्वास और निरंतर बेहतर सेवाओं के कारण संस्था ने पिछले कई वर्षों से बीमा क्षेत्र में नंबर एक स्थान बनाए रखा है, जो पूरे जनपद में दीक्षित इंश्योरेंस फिनकॉर्प की एक अलग पहचान बन चुका है। न्होंने चोलामंडलम जनरल इंश्योरेंस कंपनी के अधिकारियों का सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया तथा कहा कि इस प्रकार के सम्मान संस्था को और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं।

बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन के बाद बुजुर्ग महिला की मौत

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, वृंदावन।

मंदिर से बाहर निकलते समय हो गई थीं बेहोश, दिल्ली से आई थी

ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में बुधवार को दर्शन करने आई दिल्ली निवासी 60 वर्षीय महिला की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। उमसभरी गर्मी और भीड़ के बीच महिला मंदिर में दर्शन करने पहुंची थीं। दर्शन के बाद मंदिर से बाहर निकलते ही उनकी हालत बिगड़ गई और वह चबूतरे पर बेहोश होकर गिर पड़ीं।

दिल्ली की मधुबन कॉलोनी निवासी 60 वर्षीय चांदनी सिक्का बुधवार सुबह करीब साढ़े 11 बजे अपनी केयरटेकर संगीता अवस्थी और कार चालक लक्ष्मी प्रसाद के साथ ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर पहुंचीं। दर्शन के बाद वह गेट संख्या चार से बाहर निकलीं और चबूतरे पर बैठकर प्रसाद ग्रहण किया तथा पानी पीया। इसी दौरान उन्हें अचानक चक्कर आने लगे और वह बेहोश हो गईं। सुरक्षा गार्डों ने तत्काल मंदिर में तैनात चिकित्सकों को सूचना दी।

चिकित्सकों ने प्राथमिक जांच के बाद महिला को एंबुलेंस से जिला संयुक्त चिकित्सालय भेजा। अस्पताल में चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत के बाद केयरटेकर और चालक बिना पोस्टमार्टम कराए ही शव को लेकर दिल्ली रवाना हो गए। बताया गया कि उमसभरी गर्मी और भीड़ के दबाव के बीच महिला की तबीयत बिगड़ी थी। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम के अभाव में नहीं हो सकी।

बढ़ रहा लंपी का प्रकोप, मथुरा में पशु पैंठ पर रोक

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

सरकारी आंकड़ों में अब तक 100 से ज्यादा गोवंश पीडित

गोवर्धन में पीडित गौवंश के लिए बनाया अस्थायी आइसोलेशन सेंटर

मथुरा में लंपी रोग का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। यह प्रदेश के अन्य कई जनपदों में भी तेजी से फैल रहा है। मथुरा में पशु पैंठ और पशु मेला पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। इससे पशु पैंठ और मेला लगाने वालों के सामने एक बार फिर संकट खडा हो गया है। विगत कुछ वर्षों में लंपी रोग बरसात के मौसम में फैलता रहा रहा है। यह एक संक्रामक रोग है, इस लिए इसके फैलने की गति तीव्र होती है। संक्रमित पशु को आइसोलेट किया जाना भी जरूरी हो जाता है। यह रोग एक पशु से दूसरे पशु में तेजी से फैलता है ऐसे में पशु पैंठ और मेलाओं को लेकर भी प्रशासन सतर्कता बरतता है। वर्तमान जनपद में लंपी रोग से ग्रसित पशुओं की संख्या तीन दर्जन से अधिक है। जबकि अब तक 100 से अधिक पशु संक्रमित पाए गये हैं। बीमार गोवंशों की संख्या बढ़ने के कारण इस आइसोलेशन सेंटर किसी दूसरे स्थान पर बनाए जाने की योजना है, जिसके लिए गोसेवक मदद जुटा रहे हैं।

24 टीमें टीकाकरण में जुटीं

लंपी त्वचा रोग एक वायरल डिजीज है। पिछले 15 दिन से लंपी स्किन डिजीज के केस मिल रहे हैं। संक्रामक बीमारी है। हमने 20 जून को ही लंपी डिजीज का टीका मगंवा लिया था। 1.5 लाख टीके लगाये जा चुके हैं। 24 टीमें टीकाकरण कर रही हैं। जहां भी हमें सूचना मिलती है हमारी टीम पहुंचती हैं। संक्रमित पशुओं को आइसोलेट किया जा रहा है।

वर्जन

वर्तमान में 38 सक्रिय केस हैं, 100 से अधिक केस सामने आ चुके हैं। पशु मेलों को जिलाधिकारी द्वारा सभी उपजिलाधिकारियों को आदेश निर्गत किये जा चुके हैं। अगर कहीं पशु मेला अथवा पशु पैंठ लगने की सूचना मिलती है तो पुलिस कार्यवाही की जाएगी।

-डीएन शुक्ला, सीवीओ मथुरा

जुलूसे मुहम्मदी 26 अगस्त को निकलेगा

टीएनएफ टुडे, **मथुरा।** जश्ने ईद मीलादुन्नबी के मुबारक अवसर पर जश्ने ईद मीलादुन्नबी इंतजामियां कमेटी मथुरा के अध्यक्ष मुजीबुर्रहमान ने बताया कि दावते इस्लामी इंडिया की जानिब से 26 अगस्त को जुलूसे मुहम्मदी निकाला जाएगा। बताया कि जुलूसे मुहम्मदी 26 अगस्त को दोपहर एक बजे मस्जिद जेबा, मनोहरपुरा स्थित कल्लू-मल्लू कारखाने से प्रारंभ होगा। महा जुलूस मस्जिद जेबा, कल्लू-मल्लू कारखाना, भरतपुर गेट, घीया मंडी, चौक बाजार, मंडी रामदास, डीग गेट होते हुए दरगसी रोड से वापस कल्लू-मल्लू कारखाना पहुंचकर समाप्त होगा। कमेटी के मुफ्ती आसिफ रजा ने जुलूस से पूर्व मार्ग का निरीक्षण कर अवैध अतिक्रमण, खुले मैनहोल, निर्माण सामग्री, बिजली के तार तथा अन्य संभावित बाधाओं को दूर कराने का अनुरोध किया। प्रेस वार्ता में कमेटी के अध्यक्ष मुजीबुर्रहमान, हाफिज जियाउर्रहमान, हाफिज फहीम रजा, मीडिया प्रभारी मुहम्मद मशकूर अली,आशकीन रजा, मुफ्ती आसिफ रजा, मौलाना माजिद, हाफिज

गोवंशों की मौत के मामले में मजिस्ट्रेट को दे सकते हैं बयान

टीएनएफ टुडे, **मथुरा।** जनपद मथुरा थाना रिफाइनरी तहसील व जिला सदर, मथुरा के ग्राम भैंसा स्थित गौशाला से कुछ गोवंश के किसी आसामाजिक व्यक्ति द्वारा भोजन सामग्री इत्यादि डाल दी गयी थी, जिसको गौ आश्रय स्थल, भैंसा में संरक्षित गौवंशों द्वारा खा लिये जाने के फलस्वरूप कुछ गोवंशों की मृत होने की घटना घटित हुई। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा अपर जिला मजिस्ट्रेट (न्यायिक) को प्रकरण की मजिस्ट्रीयल जांच हेतु जांच अधिकारी नामित किया गया है। उक्त आदेश के अनुपालन में अपर जिला मजिस्ट्रेट (न्यायिक) द्वारा उक्त प्रकरण की जांच की जा रही है। अतः सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति, दल एवं किसी संस्था आदि को उक्त घटना के संबंध में जानकारी हो, तो वह अपने लिखित, मौखिक अभिकथन एवं अभिलेखीय साक्ष्य (यदि कोई हो तो) अपर जिला मजिस्ट्रेट (न्यायिक) के समक्ष कलेक्ट्रेट मथुरा स्थित अपर जिला मजिस्ट्रेट (न्यायिक) कार्यालय में 25 अगस्त तक पूर्वान्ह 10 बजे से सायं पांच बजे के मध्य उपस्थित होकर दर्ज, प्रस्तुत कर सकते हैं।

मिलावटी खोआ और पनीर से सेहत से खिलवाड़

त्योहारों से पहले विक्रेताओं के हौसले बुलंद, कार्रवाई की मांग

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, अछनेरा।

त्योहारों का सीजन शुरू होते ही कस्बा और गांवों में मिलावटी खाद्य पदार्थों का काला कारोबार चरम पर पहुंच गया है। चंद पैसों के मुनाफे के लिए मिलावटखोर लोगों की जिंदगी से सरेआम खिलवाड़ कर रहे हैं। बाजार में धड़ल्ले से सिंथेटिक खोवा और यूरिया-डिटर्जेंट से बना जहरीला पनीर बेचा जा रहा है। स्थानीय प्रशासन और खाद्य सुरक्षा विभाग की सुस्ती के कारण इन मिलावटखोरों के हौसले बुलंद हैं।

सूत्रों के मुताबिक, बाजार एवं गांवो में मिल रहा अधिकांश खोवा और पनीर दूध से नहीं, बल्कि खतरनाक रसायनों से तैयार किया जा रहा है।

नकली दूध बनाने के लिए वाशिंग पाउडर, यूरिया, रिफाइंड तेल और घटिया क्वालिटी के स्टार्च का इस्तेमाल होता है। इसी दूध से भारी मात्रा में पनीर और खोवा,घी बनाकर कम दामों में हलवाइयों और आम जनता को बेचा जा रहा है।सेहत के लिए बेहद खतरनाक चिकित्सकों के अनुसार, यह मिलावटी खोवा और पनीर धीमे जहर (स्लो पॉइजन) की तरह काम करता है। इसके सेवन से लोगों को पेट दर्द, उल्टी, और फूड पॉइजनिंग जैसी तत्काल समस्याएं हो रही हैं। लंबे समय तक इसका इस्तेमाल करने से लिवर, किडनी खराब होने और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह बेहद घातक है।

क्षेत्र के गावों में जगह जगह पर डेरी खोलकर मिलावटी पनीर खोआ और घी बनाकर बेचा जा रहा है। क्षेत्र के समाजसेवी जीतेन्द्र फौजदार,, पिंटू छोकर, कुलदीप कुंतल ने प्रशासन से मांग की है कि मिलावट खोरों के खिलाफ तुरंत कड़ा अभियान चलाया जाए। संदिग्ध दुकानों और गोदामों पर छापेमारी कर नकली माल को नष्ट किया जाए और दोषियों को जेल भेजा जाए।लेकिन कुछ क्षेत्रीय नागरिकों द्का कहना है कि विभाग की कार्रवाई सिर्फ कागजों तक सीमित स्थानीय निवासियों का आरोप है कि खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम केवल त्योहारों के आसपास औपचारिकता के लिए कुछ दुकानों से सैंपल लेती है। इसके बाद मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। कोई बड़ी या सख्त कार्रवाई न होने के कारण इन अवैध विक्रेताओं को कानून का कोई डर नहीं रह गया है।

किसान दिवस में आई 12 शिकायतें

कृषि विज्ञान केन्द्र, बिचपुरी में किसान दिवस का आयोजन

आगरा। अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) जुबेर बेग की अध्यक्षता में कृषि विज्ञान केन्द्र, बिचपुरी में किसान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद आगरा के किसानों की समस्याओं का जिलास्तरीय अधिकारियों द्वारा समाधान किया गया। जिसमें सहकारिता विभाग से सम्बन्धित 3, सिचाई विभाग से सम्बन्धित 2, विद्युत विभाग से सम्बन्धित 1, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी से सम्बन्धित 2, उद्यान विभाग से सम्बन्धित 2, मण्डी समिति से सम्बन्धित 1, उप कृषि निदेशक से सम्बन्धित 1, कुल 12 शिकायतें प्राप्त हुई। अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) आगरा ने किसान दिवस में प्राप्त हुई शिकायतों पर कार्यवाही हेतु सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

उप कृषि निदेशक ने ई-लॉटरी के माध्यम से कृषि यंत्रीकरण योजना के अन्तर्गत कृषि यंत्रों पर अनुदान के सम्बन्ध में, एवं फार्मर रजिस्ट्री के सम्बन्ध में किसान दिवस में उपस्थित कृषकों को अवगत कराया गया। जिला कृषि अधिकारी ने फसल बीमा से खेती में होने वाले लाभों के वारे में अवगत कराया गया। डा व्रजेश यादव (प्रतिनिधि) मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने पशुओं में होने वाले लम्पी स्किन डिजीज के बचाव के बारे में जानकारी दी।

वेतन कटौती और अभद्रता का आरोप, टोल कर्मचारियों ने उपजिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

फतेहाबाद। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 21 स्थित टोल प्लाजा पर कार्यरत कर्मचारियों ने उपजिलाधिकारी फतेहाबाद को शिकायती पत्र सौंपकर अपनी समस्याएं बताई गईं। कर्मचारियों ने टोल अधिग्रहण करने वाली कंपनी पर वेतन काटने स्पष्ट कारण पूछने पर हेड एचआर पर अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया है। बुधवार को आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के टोल कर्मचारियों ने ज्ञापन देकर उपजिलाधिकारी फतेहाबाद स्वाति शर्मा को बताया कि टोल का संचालन करने वाली कंपनी श्री साईं एंड दातार द्वारा उनसे निर्धारित 8 घंटे के प्रावधान के बजाय 12 घंटे ड्यूटी कराई जा रही थी। जून माह में इसका विरोध करने और टोल प्रबंधन को अपनी मांगों से अवगत कराने के बाद ड्यूटी का समय वापस 8 घंटे तो कर दिया गया, लेकिन अगस्त माह में जुलाई का वेतन मिलने पर प्रत्येक कर्मचारी के वेतन में कटौती कर दी गई। वहीं टोल प्लाजा के कर्मचारियों का आरोप है कि जब वे इस वेतन कटौती के संबंध में बात करने के लिए प्रोजेक्ट के हेड एचआर सद्दाम हुसैन और मैनेजर प्रमोद धनगर के पास पहुंचे, तो उनके साथ गाली-गलौज और अभद्रता की गई। आरोप है कि अधिकारियों ने कर्मचारियों को इसी तरह कटे हुए वेतन में काम करने या नौकरी छोड़कर घर जाने की धमकी दी गई। प्रबंधन द्वारा दी जा रही नौकरी से निकालने की धमकी के चलते कर्मचारियों में भय का माहौल है। ज्ञापन सौंपकर टोल प्लाजा कर्मचारियों ने एसडीएम से मामले का संज्ञान लेकर कटी हुई सैलरी दिलवाने तथा भविष्य में किसी भी तरह की अनधिकृत वेतन कटौती न होने देने की मांग की है। उपजिलाधिकारी फतेहाबाद स्वाति शर्मा ने बताया कि कर्मचारियों के वेतन कटौती के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई है। टोल मैनेजमेंट से बात की गई है। कर्मचारियों के साथ बैठकर समस्या का समाधान कराया जाए। वहीं सिटी मजिस्ट्रेट आगरा को यूपीडा के अधिकारियों के साथ मामले को संज्ञान में लेकर समाधान के लिए अवगत कराया गया है।

स्वच्छ जल से स्वस्थ जीवन की ओर कदम

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, आगरा।

भारत विकास परिषद नवज्योति द्वारा सुभाष पार्क स्थित सरस्वती शिशु बालिका विद्या मंदिर में विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दो आरओ वाटर प्लांट का लोकार्पण एवं उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। संस्था के इस सेवा कार्य से विद्यालय के विद्यार्थियों एवं स्टाफ को शुद्ध पेयजल की सुविधा उपलब्ध होगी। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के संरक्षक अजय शिवहरे, अध्यक्ष सीए दीपिका मित्तल, सचिव नितिन अग्रवाल, प्रवीन गोयल, सुषमा गोयल एवं प्रधानाचार्य सुमन राजपूत ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

इस अवसर पर अतिथियों एवं संस्था के पदाधिकारियों ने आरओ वाटर प्लांट का उद्घाटन कर विद्यालय को समर्पित किया। संरक्षक अजय शिवहरे और अध्यक्ष सीए दीपिका मित्तल ने कहा कि स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल प्रत्येक व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकता है। विशेष रूप से विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें स्वच्छ पानी उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। भारत विकास परिषद नवज्योति द्वारा इसी भावना के साथ शहर के विभिन्न विद्यालयों में आरओ वाटर प्लांट स्थापित करने का अभियान प्रारंभ किया गया है। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा इस अभियान के अंतर्गत 10 विद्यालयों में आरओ वाटर प्लांट लगाए जाएंगे, जिसकी पहली कड़ी में सरस्वती शिशु बालिका विद्या मंदिर में दो प्लांट स्थापित किए गए हैं। सचिव नितिन अग्रवाल ने बताया कि संस्था का उद्देश्य केवल सेवा कार्य करना ही नहीं, बल्कि समाज के ऐसे क्षेत्रों तक सुविधाएं पहुंचाना है जहां उनकी वास्तविक आवश्यकता है। विद्यालयों में बच्चों को प्रतिदिन स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने के लिए आरओ प्लांट स्थापित करने का निर्णय लिया गया है।

पानी निकासी के नाले को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

प्रधान व सचिव पर मनमानी का आरोप, ग्रामीणों ने नाला निर्माण की जांच कराने की उठाई मांग

टीएनएफ टुडे, करहल।

क्षेत्र के बरनाहल ब्लॉक अंतर्गत ग्राम नगला अतिराम कुम्हेरी में पानी की निकासी के लिए नाला निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर विरोध जताया। ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान और सचिव पर मनमानी करने का आरोप लगाते हुए मामले की जांच कराकर पानी निकासी की उचित व्यवस्था कराने की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है कि गांव की आबादी करीब 1500 है। गांव में बरसात के पानी की निकासी के लिए कोई दूसरा उचित रास्ता नहीं है। ऐसे में पानी की निकासी के लिए नाला होना बेहद जरूरी है। ग्रामीणों के मुताबिक 15 अगस्त 2026 को ग्राम प्रधान और सचिव द्वारा पानी निकासी के लिए एक नाला खुदवाया गया था। नाला खोदे जाने के दौरान ग्रामीणों के घरों के पाइप और पानी के टैंक क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे उन्हें नुकसान उठाना पड़ा।

ग्रामीणों का आरोप है कि नाला खुदवाने के बाद अब उसी खुदे हुए नाले को बंद करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके स्थान पर पतली नाली बनाए जाने की तैयारी की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव की आबादी और पानी की मात्रा को देखते हुए पतली नाली पर्याप्त नहीं होगी। इससे बारिश के समय पानी की निकासी प्रभावित होगी और गांव में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जिस स्थान पर नाला खोदा गया था, उसे बंद कर पतली नाली बनाए जाने की योजना में सरकारी धन के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार की आशंका है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से मौके पर पहुंचकर पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है कि गांव में पहले से ही पानी निकासी की समस्या बनी हुई है। यदि पर्याप्त चौड़ाई वाला नाला नहीं बनाया गया तो आने वाले दिनों में ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने मांग की कि पूर्व में खोदे गए नाले की स्थिति की जांच कराकर तकनीकी मानकों के अनुरूप पानी निकासी की स्थायी व्यवस्था कराई जाए।

ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी को पत्र देकर व मुलाकात करके जिलाधिकारी एवं विकास विभाग के अधिकारियों से मामले का संज्ञान लेकर मौके का निरीक्षण कराने तथा दोषी पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

इस मौके पर अतुल यादव, रामसेवक, शिशुपाल, अमित कुमार, संजय, सत्यवीर, जनवेद, बीटू, रंजीत पाल, विकास, गौरब, अशोक कुमार, शीलू, के पी उर्फ कुँवरपाल, पिंटू, सुधीर, विध्यावती, सावित्री, राधा, अंकित, सर्वेन्द्र समेत आदि तमाम लोग मौजूद रहे।

332 नायब तहसीलदार पदोन्नत होकर बने तहसीलदार

करहल। राजस्व विभाग में 332 नायब तहसीलदारों को पदोन्नति देकर तहसीलदार बनाया गया है। छह और सात अगस्त को हुई विभागीय प्रोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक के बाद राजस्व परिषद की सचिव कंचन वर्मा ने आधी रात को पदोन्नति आदेश जारी किया। पदोन्नत अधिकारी शुक्रवार को अपने-अपने तैनाती जनपदों में तहसीलदार पद पर योगदान आख्या देंगे।

करहल तहसील में नायब तहसीलदार के पद पर तैनात संतोष राजोरिया को भी तहसीलदार पद पर पदोन्नति मिली है। करहल में उनके कार्यकाल की आमजन ने सराहना की। क्षेत्र के बुजुर्गों और आम लोगों ने उनके कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह जहां भी तहसीलदार के पद पर तैनात होंगे, वहां अपने कार्य और व्यवहार से लोगों का विश्वास जीतेंगे।

गंभीरा में विकास कार्यों में भ्रष्टाचार की जांच करने पहुंची टीम

टीएनएफ टुडे, करहल।

विकास खंड करहल की ग्राम पंचायत गंभीरा में ग्राम प्रधान के विकास कार्यों में भ्रष्टाचार और अनियमितता की शिकायत की जांच करने के लिए टीम गांव पहुंची। शिकायतकर्ता आशुतोष तिवारी की शिकायत पर टीम ने मौके पर पहुंचकर विभिन्न विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया और संबंधित अभिलेखों की जांच शुरू की।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि ग्राम पंचायत में नाला निर्माण के कार्य में अनियमितता और भ्रष्टाचार किया गया है। इस शिकायत पर जांच टीम ने मौके पर नाला निर्माण का निरीक्षण किया। स्थलीय जांच के दौरान नाला निर्माण से जुड़े लगाए गए आरोप सही नहीं पाए गए। टीम को मौके पर कराया गया कार्य संतोषजनक मिला और प्रथम दृष्टया भ्रष्टाचार के आरोप पुष्ट नहीं हुए।

आशुतोष तिवारी ने एक ही कार्य का छह बार भुगतान किए जाने का भी आरोप लगाया था। जांच के दौरान यह आरोप भी सही नहीं पाया गया। अधिकारियों के अनुसार, जिस कार्य का भुगतान किया गया है, वह कार्य मौके पर कराया गया है और उसी के आधार पर भुगतान किया गया है।

हालांकि, शिकायत में लगाए गए अन्य आरोपों की जांच अभी जारी है। टीम द्वारा संबंधित रिकॉर्ड, भुगतान और अन्य तथ्यों की पड़ताल की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही सभी आरोपों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

समाज कल्याण अधिकारी रंजना शुक्ला ने बताया कि शिकायत प्राप्त होने के बाद जांच की जा रही है। शिकायत में एक कार्य का कई बार भुगतान किए जाने का आरोप लगाया गया है। भुगतान से संबंधित अभिलेख और खाते की स्थिति की भी जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि शिकायत में उठाए गए अन्य बिंदुओं को भी रिकॉर्ड के आधार पर देखा जा रहा है।

जांच टीम में जिला अल्पसंख्यक अधिकारी रंजना शुक्ला, सहायक अभियंता इंजी. मुकेश वर्मा, जेई इंजी. मानवेन्द्र सिंह, गौरव यादव समेत अन्य अधिकारी और कर्मचारी शामिल रहे। टीम ने मौके का निरीक्षण करने के साथ संबंधित दस्तावेजों की भी जांच की।

नगला खंगर पुलिस ने 131 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब पकड़ी

सिरसागंज। थाना नगला खंगर पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर बुलेरो पिकअप से तस्करी कर ले जाई जा रही राजस्थान निर्मित 131 पेटी यानी 6288 क्वार्टर अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की है। बरामद शराब की अनुमानित कीमत करीब 5.03 लाख रुपये बताई गई है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद आदित्य लांग्हे के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निकट पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी सिरसागंज के कुशल नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की।

पुलिस के अनुसार, 18 अगस्त 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि बुलेरो पिकअप संख्या फख 37 ऋ 3540 में अवैध शराब तस्करी कर ले जाई जा रही है। सूचना पर पुलिस टीम ने वाहन का पीछा किया। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर किलोमीटर संख्या 65 के पास लखनऊ की ओर जाने वाली लेन में पिकअप डिवाइडर से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई।

करहल में भाजपा नेता अनुजेश प्रताप यादव ने सुनी फरियादियों की फरियाद

टीएनएफ टुडे, करहल।

करहल। ग्राम कंचनपुर स्थित कैम्प कार्यालय पर बुधवार को भाजपा नेता अनुजेश प्रताप यादव ने पहुंचकर क्षेत्र से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं और उनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों से बातचीत का भरोसा दिलाया।

इस दौरान भाजपा नेता अनुजेश प्रताप यादव ने कहा कि जमीनों पर अवैध कब्जा किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पीड़ितों की मदद करना हमारा पहला कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं को सुनने और उन्हें राहत दिलाने के उद्देश्य से प्रत्येक बुधवार और रविवार को कैम्प कार्यालय पर फरियादियों की समस्याएं सुनने के लिए दरबार लगाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि करहल क्षेत्र को अराजक तत्वों से मुक्ति दिलाने तथा क्षेत्र में अमन-चैन और शांति कायम रखने के उद्देश्य से यह पहल शुरू की गई है। जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुना जाएगा और उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

इस मौके पर भाजपा नेता भूपेंद्र यादव, किसान नेता शैलेन्द्र यादव, डॉ. धर्मेन्द्र यादव, प्रधान प्रदीप यादव, रामनरेश यादव, रामसेवक यादव, प्रधान उदयवीर सिंह, रहीश पाल, प्रधान मुकेश यादव, सतीश यादव, अनूप यादव, नवीन उर्फ पप्पू, हीरालाल यादव, जोनी यादव समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

ओमशांति परिवार से छात्र छात्राओं से नशे से दूर रहने का किया आव्हान

शिकोहाबाद। नगर के यंग स्कॉलर्स एकेडमी के प्रांगण में ब्रह्मकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय संस्था द्वारा व्यसन मुक्ति अभियान चलाया गया। इसको लेकर संस्था की सदस्यों ने छात्र-छात्राओं को नशा के दुष्प्रभाव बताए। इस अवसर पर संस्था संचालिका बी.के. पूनम ने छात्रों से कहा कि नशा कई प्रकार का होता है। जिससे मानसिक, शारीरिक अशांति पैदा होती है। शारीरिक अशांति से पैदा हुई दुर्बलता तो देखी जा सकती है लेकिन अदृश्य मानासिक दुर्बलता की शांति हेतु हमें अपने मन को शांत रखना आवश्यक है। इसलिए जीवन में कभी भी किसी प्रकार का नशा नहीं करना है। नशा शरीर को तो नुकसान पहुंचाता है। बल्कि कैंसर जैसे गंभीर बीमारियों को भी जन्म देता है। बीके विभोर ने नशा मुक्ति के लिए सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षक वर्ग को शपथ दिलाई। इस असवर पर विद्यालय के प्रबंधक डॉ. संजीव आहूजा, निदेशिका ईशा आहूजा ने छात्रों को नशे से दूर रहने का आवाह्न किया। इस दौरान बी.के. प्राची, बी.के. राजपाल, बी.के शिवांगी, बी.के. शम्भू आदि लोग मौजूद रहें।

करहल में चला विद्युत चेकिंग अभियान, चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

टीम को देखकर विद्युत चोरी करने वालों में मचा हड़कंप

टीएनएफ टुडे, करहल।

विद्युत विभाग की टीम ने बुधवार को कस्बा करहल के मोहल्ला काजी, मोहल्ला सराय भटेला एवं न्यू यादव कॉलोनी में विद्युत चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान विद्युत चोरी करने वालों में हड़कंप मचा रहा। टीम ने कई घरों और प्रतिष्ठानों के विद्युत कनेक्शनों की जांच की।

चेकिंग अभियान के दौरान विद्युत चोरी के मामले सामने आने पर चार लोगों के विरुद्ध विद्युत थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया। कार्रवाई से विद्युत चोरी करने वालों में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

विद्युत विभाग की टीम ने उपभोक्ताओं से अपील की कि विद्युत चोरी न करें और अपने कनेक्शन का ही प्रयोग करें। विभागीय अधिकारियों ने चेतावनी दी कि विद्युत चोरी पाए जाने पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

चेकिंग अभियान के दौरान वाजिद अली, सुभाष पटेल, मनोज, गुरुकेश, दिनेश बाबू समेत विद्युत विभाग के तमाम कर्मचारी मौजूद रहे।

भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याण महोत्सव धूमधाम से मनाया

करहल। कस्बा करहल स्थित श्री दिगंबर जैन पारसनाथ जिनालय में जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याण महोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। महोत्सव में जैन समाज के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भगवान की पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः भगवान श्री जी के अभिषेक के साथ हुआ। इसके बाद मोक्ष कल्याणक की विशेष पूजा-अर्चना की गई। पूजा संपन्न होने के उपरांत भगवान पार्श्वनाथ को लाडू अर्पित किया गया। जैन परंपरा में मोक्ष कल्याणक के अवसर पर लाडू चढ़ाने का विशेष महत्व माना जाता है। कार्यक्रम के संयोजक शैलेंद्र कुमार जैन, रौनक जैन एवं अनमोल जैन बजाज परिवार रहे। कार्यक्रम का संचालन सचिन जैन बजाज एवं अमित शास्त्री ने किया। अमित शास्त्री ने भगवान पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याण महोत्सव के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मोक्ष सप्तमी, जिसे मुकुट सप्तमी भी कहा जाता है, भगवान पार्श्वनाथ के निर्वाण की स्मृति में मनाई जाती है। जैन मान्यता के अनुसार भगवान पार्श्वनाथ ने श्रावण शुक्ल सप्तमी को झारखंड स्थित श्री सम्मेद शिखरजी के स्वर्णभद्र कूट से कर्मों का नाश कर पूर्ण मुक्ति अर्थात मोक्ष प्राप्त किया था। इस अवसर पर प्रधुम्न कुमार जैन, राकेश कुमार जैन, रविंद्र कुमार जैन, मुकेश जैन, पवन जैन, शैलेंद्र जैन, अनिल कुमार जैन, विमल कुमार जैन, संजीव कुमार जैन, कमल शास्त्री, बबीता जैन, रश्मि जैन, श्रुति जैन, प्राची जैन सहित जैन समाज के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

लोधी समाज ने निकाली रानी अवंतीबाई लोधी की भव्य शोभायात्रा

शिकोहाबाद। वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी की स्मृति में कस्बे में लोधी समाज की ओर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री कैलाश लोधी रहे । शोभायात्रा में समाज के लोगों का उत्साह देखते ही बना। बड़ी संख्या में महिला, पुरुष और युवाओं ने शामिल होकर रानी अवंतीबाई के जयकारे लगाए। शोभायात्रा के दौरान पूरा मार्ग वीरांगना के जयकारों से गूंजता रहा। शोभायात्रा में रानी अवंतीबाई लोधी के स्वरूप में सजी बालिका विशेष आकर्षण का केंद्र रही। इसके साथ ही दो दर्जन से अधिक आकर्षक झांकियां शामिल की गईं। झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया । इस दौरान मंत्री कैलाश सिंह राजपूत ने कहा कि अंग्रेजी शासन के खिलाफ उनके संघर्ष और वीरता को आज भी लोग याद करते हैं । कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष उदयप्रताप सिंह, अरांव ब्लॉक प्रमुख कमलेश राजपूत, इंजीनियर राजीव लोधी, पूर्व ब्लॉक प्रमुख मोहनदत्त गुड्डू लोधी, दिनेश लोधी, ब्लॉक प्रमुख संध्या लोधी, अर्पिता, दीपिका सहित बड़ी संख्या में लोधी समाज के लोग मौजूद रहे। इधर बहुतायत में पहुंचे सजातीय बंधुओं के शोभायात्रा में शामिल होने तथा मुख्य अतिथि मंत्री कैलाश लोधी के आगमन के प्रति ब्लॉक प्रमुख अरांव कमलेश राजपूत ने आभार जताया तथा कहा कि वीरांगना अवंतीबाई लोधी को 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की प्रमुख वीरांगनाओं में याद किया जाता है। रानी अवंतीबाई लोधी ने राष्ट्र हित तथा समाज हित में काफी कार्य लिए थे ।

नारायण कॉलेज में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं का हुआ ओरिएंटेशन कार्यक्रम

शिकोहाबाद। नारायण कॉलेज में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम तथा कृषि विभाग से अध्ययन पूर्ण कर विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रोफेसर एवं अन्य महत्वपूर्ण पदों पर चयनित पूर्व छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशित विद्यार्थियों को महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों से परिचित कराना तथा पूर्व विद्यार्थियों की उपलब्धियों से वर्तमान विद्यार्थियों को प्रेरणा प्रदान करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्पण के साथ हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण एवं अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. विजय कुमार सिंह ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि महाविद्यालय में प्रवेश केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, ज्ञान, कौशल एवं नेतृत्व क्षमता के विकास की महत्वपूर्ण यात्रा है। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित कक्षाओं में उपस्थित रहने, शिक्षकों के मार्गदर्शन का लाभ उठाने तथा महाविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई जा रही शैक्षणिक, प्रयोगात्मक, खेल, सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। उपप्राचार्य एवं मुख्य अनुशासक प्रो मनोज कुमार ने नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं से पूरे लगन एवं अनुशासन से पढ़ाई करने एवं आगे बढ़ने के लिए के लिए प्रेरित किया। प्रो अनुपमा चतुर्वेदी ने भी प्रोत्साहित किया। ओरिएंटेशन कार्यक्रम में विद्यार्थियों को महाविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, पाठ्यक्रम, परीक्षा प्रणाली, अनुशासन, छात्रवृत्ति, राष्ट्रीय सेवा योजना, रोवर्स रेंजर्स तथा विभिन्न छात्र कल्याण योजनाओं के संबंध में जानकारी दी गई। वहीं कार्यक्रम में कृषि विभाग के उन पूर्व छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपनी मेहनत, लगन एवं प्रतिभा के बल पर विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों में प्रोफेसर सहित महत्वपूर्ण शैक्षणिक पदों पर चयन प्राप्त किया है। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकगण, कृषि विभाग के समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में नवप्रवेशित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

खादी एवं ग्रामोद्योग से जुड़कर आत्मनिर्भर बनें ग्रामीण: अनुजेश प्रताप यादव

टीएनएफ टुडे, करहल।

करहल क्षेत्र के ग्राम कंचनपुर में बुधवार को यू.पी. खादी तथा ग्रामोद्योग विभाग की ओर से एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विपणन विकास सहायता योजना सहित खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम में ग्रामीणों को स्वरोजगार अपनाने, ग्रामोद्योग से जुड़ने तथा सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर अपने छोटे-छोटे व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रेरित किया गया।

विभागीय अधिकारियों ने योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और मिलने वाली सुविधाओं के संबंध में भी जानकारी साझा की।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनुजेश प्रताप सिंह यादव रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में कलपेन्द्र भारतीय तथा ग्राम प्रधान/प्रशासक प्रदीप यादव ने सहभागिता की। कार्यक्रम में स्थानीय ग्रामीणों के साथ विभागीय अधिकारी एवं

कंचनपुर में एक दिवसीय जागरूकता शिविर, ग्रामीणों को स्वरोजगार योजनाओं की दी जानकारी

कर्मचारी मौजूद रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि अनुजेश प्रताप सिंह यादव ने कहा कि खादी एवं ग्रामोद्योग केवल रोजगार का माध्यम ही नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का महत्वपूर्ण साधन है। सरकार द्वारा स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। ग्रामीणों को इन योजनाओं की जानकारी लेकर उनका लाभ उठाना चाहिए। इससे गांव के युवाओं और अन्य लोगों को अपने क्षेत्र में ही रोजगार के अवसर मिलेंगे तथा वे आत्मनिर्भर बन सकेंगे।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभा और मेहनत की कमी नहीं है, जरूरत केवल सही मार्गदर्शन और अवसर की है।

करहल में झमाझम बारिश से मौसम सुहावना, गर्मी से मिली राहत

टीएनएफ टुडे, करहल।

बुधवार को करहल क्षेत्र में अचानक मौसम का मिजाज बदला और झमाझम बारिश शुरू हो गई। काफी देर तक हुई बारिश से जहां लोगों को उमस और भीषण गर्मी से राहत मिली, वहीं मौसम सुहावना हो गया। बारिश के बाद तापमान में गिरावट आने से लोगों ने राहत की सांस ली। कई स्थानों पर लोग बारिश का आनंद लेते नजर आए।

बारिश के चलते कस्बे के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई। करहल तहसील परिसर, थाने के आसपास सहित कई गलियों और मोहल्लों में पानी भर गया। इससे राहगीरों और स्थानीय लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा।

नालियों की पर्याप्त सफाई न होने के कारण कई जगह बारिश का पानी सड़कों पर जमा रहा। लोगों का कहना है कि थोड़ी देर की बारिश में ही जलभराव होने से आने-जाने में दिक्कत होती है।

बारिश शुरू होते ही युवाओं और बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। कई युवा बारिश में भीगते हुए इसका आनंद लेते नजर आए। लंबे समय से पड़ रही गर्मी और उमस के बाद हुई बारिश ने लोगों के चेहरे पर खुशी ला दी। ग्रामीण क्षेत्रों में भी मौसम बदलने से किसानों को कुछ राहत मिली है।

हालांकि लगातार बारिश होने की स्थिति में खेतों में खड़ी धान और बाजरा की फसल को नुकसान होने की आशंका भी जताई जा रही है। किसानों के अनुसार इस समय धान और बाजरा की फसल खेतों में खड़ी है। यदि तेज हवा के साथ लगातार बारिश होती है तो फसल के गिरने तथा जलभराव से नुकसान की संभावना बढ़ सकती है। किसानों ने मौसम साफ रहने की उम्मीद जताई है।

बारिश के बाद शाम तक मौसम काफी ठंडा और सुहावना बना रहा। लोगों ने गर्मी से राहत मिलने पर राहत की सांस ली। वहीं जलभराव वाले स्थानों पर लोगों ने नगर पंचायत प्रशासन से जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है, ताकि बारिश के दौरान लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

किसान समाधान दिवस में उर्वरक उपलब्धता और किसानों की समस्याओं पर हुई चर्चा

टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।

बुधवार को विकास भवन सभागार में किसान समाधान दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य ने किसानों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।

मुख्य विकास अधिकारी ने किसानों को बताया कि जनपद में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है। उन्होंने जिला कृषि अधिकारी को निर्देश दिए कि उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी और ओवररेटिंग करने वाले विक्रेताओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने बताया कि खतौनी में अंश निर्धारण एवं नाम सुधार के लिए किसान ऑनलाइन आवेदन कर राजस्व विभाग के माध्यम से त्रुटियों का सुधार करा सकते हैं। बिजली बिल एवं विद्युत आपूर्ति से संबंधित शिकायतों के निस्तारण के लिए अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देशित किया गया।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विगत तीन वर्षों के लाभार्थी किसानों को प्रशस्ति पत्र भी वितरित किए गए।

उप कृषि निदेशक सत्येंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि जनपद में प्रत्येक गुरुवार को फॉर्मर रजिस्ट्री स्पेशल ड्राइव अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत ग्राम सचिवालयों में लेखपाल, सचिव, पंचायत सहायक और कृषि विभाग के कर्मचारियों द्वारा किसानों की फॉर्मर रजिस्ट्री तैयार की जा रही है। उन्होंने वंचित किसानों से फॉर्मर रजिस्ट्री अनिवार्य रूप से बनवाने की अपील की, जिससे उन्हें समय से खाद एवं बीज उपलब्ध हो सके। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2026 कर दी गई है। इच्छुक किसान बैंक या जनसेवा केंद्र के माध्यम से फसल का बीमा करा सकते हैं।

मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. सोमेश गुप्ता ने बताया कि पशुपालन विभाग द्वारा खुरपका-मुंहपका एवं एलएसडी जैसी बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। विभागीय टीमें गांवों में पहुंचकर पशुओं का टीकाकरण कर रही हैं। पशुओं से संबंधित आपात स्थिति में किसान टोल फ्री नंबर 1962 पर संपर्क कर सकते हैं।

वरिष्ठ वैज्ञानिक ओमकार सिंह ने किसानों को मृदा परीक्षण की संस्तुति के आधार पर ही उर्वरकों का प्रयोग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इससे खेती की लागत कम करने के साथ उत्पादन एवं मुनाफा बढ़ाने में मदद मिलेगी। किसानों को खेतों में हरी खाद के उपयोग को बढ़ावा देने की भी सलाह दी गई।

वरिष्ठ वैज्ञानिक पृथ्वी पाल सिंह ने अमरूद, नींबू एवं शिमला मिर्च की फसलों में लगने वाले कीटों और उनके उपचार के संबंध में किसानों को समसामयिक जानकारी दी।

किसान समाधान दिवस में सहकारिता विभाग से आलोक कुमार, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक रमनकांत, सहायक अभियंता लघु सिंचाई रविंद्र कुमार, मंडी समिति सचिव अभिषेक कुमार, मत्स्य निरीक्षक कौशलेंद्र प्रताप, उद्यान निरीक्षक रमनदीप, अवर अभियंता विद्युत राहुल प्रताप, सहायक अभियंता सिंचाई हाकिम सिंह, दुग्ध संघ प्रतिनिधि रामबाबू, फसल बीमा प्रतिनिधि मयंक शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

धूमधाम से निकली वीरांगना रानी अवंतीबाई की शोभायात्रा

- वीरांगना के आदर्शों पर चलने का लिया गया संकल्प
- शोभा यात्रा में प्रदर्शित की गई दर्जन भर झांकिया

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, अमापुर।

कस्बा में वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी लोक कल्याण समिति के तत्वावधान में वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी की 195 वीं जयंती शोभायात्रा अमांपुर कस्बा में धूमधाम से निकाली गई। दर्जनों देशभक्ति, दैवीय झांकियों के साथ निकली शोभायात्रा में हजारों की संख्या में लोधी समाज के लोगों ने भाग लिया। नगर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी शोभायात्रा का जगह-जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इस बीच अवंतीबाई की जय-जयकार से नगर गूंजता रहा।

शोभायात्रा का शुभारंभ पूर्व भाजपा सांसद राजवीर सिंह, क्षेत्रीय विधायक हरिओम वर्मा, शोभायात्रा अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह वर्मा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं हरी झंडी दिखाकर किया। शोभायात्रा में भगवान गणेश, वीरांगना अवंतीबाई लोधी, खाटू श्याम, नाग नागिन, मां दुर्गा, राधा-कृष्ण की झांकी शामिल रही। श्रीकृष्ण राधा का रास ने लोगों का मन मोहा लिया। शोभायात्रा से पूर्व वीरांगना रानी अवंतीबाई पार्क में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के मेधावी छात्र-छात्राओं को शील्ड व मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर डॉ कालीचरन वर्मा, मथुरा सिंह मुखिया, डॉ. केतसिंह वर्मा, विधायक प्रतिनिधि यतेन्द्र वर्मा, हरिकिशन आर्य, बहोरी सिंह अध्यापक, जवाहर सिंह प्रतिहार, डां रामजीलाल वर्मा, अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह ओपरेटर, ब्लॉक प्रमुख कृष्णा राजपूत, पीसी वर्मा, महीपाल फौजी, भाजपा नेता बृजेश वर्मा, विजेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ भगवान सिंह वर्मा, योगेन्द्र सिंह प्रतिहार, गुलाब सिंह, भाजपा मंडल महामंत्री पुष्पेंद्र वर्मा, मुकेश वर्मा, नरेश लोधी, जिला पंचायत सदस्य राजपाल सिंह, जिला पंचायत सदस्य विक्रम सिंह राजपूत, प्रधान राजू वर्मा, प्रधान सुभाष वर्मा, प्रधान रूपकिशोर वर्मा, प्रधान बहोरी वर्मा, प्रधान शैलेन्द्र सिंह, प्रधान पुष्पेंद्र सिंह, अजुददी प्रसाद वर्मा, हरिओम मेडीकल, राजपाल सिंह, प्रधान राजेश वर्मा, मुकेश वर्मा, सत्यवीर सिंह, डॉ जयप्रकाश राजपूत, शिव सिंह वर्मा, मनोज लोधी, हरीश लोधी, पंकज राजपूत, राजकुमार लोधी, आदित्य नंदन, तिर्मल सिंह, प्रशांत वर्मा, संजय वर्मा, दिनेश वर्मा, पुष्पेंद्र आरएसएस, आकाश वर्मा, रूपकिशोर वर्मा, भीमसेन कश्यप, मुनेंद्र राजपूत, महेन्द्र सिंह, देवेन्द्र वर्मा सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

एकाग्रचित्त होकर करें अध्ययन, अपनी क्षमता को पहचानें

- श्रीमती शारदा जौहरी नगर पालिका कन्या महाविद्यालय में नवीन शैक्षिक सत्र में दीक्षारंभ कार्यक्रम
- वैदिक मंत्रों के साथ हुआ यज्ञ अनुष्ठान, गूंजे गायत्री मंत्र के स्वर
- छात्राओं को किया गया सम्मानित

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

नवीन शैक्षिक सत्र के अवसर पर श्रीमती शारदा जौहरी नगर पालिका कन्या महाविद्यालय, कासगंज के 'मानस तरंगिणी' सभागार में नव-प्रवेशित छात्राओं हेतु भव्य 'दीक्षारंभ कार्यक्रम' का गरिमामय आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ में गायत्री मंत्र का मंत्रोच्चारण एवं वैदिक यज्ञ अनुष्ठान के साथ हुआ। महाविद्यालय की प्रबंधक एवं मुख्य अतिथि मीना माहेश्वरी, प्राचार्या प्रो. डॉ रानू शर्मा जी, समस्त संकाय सदस्यों एवं नव-प्रवेशित छात्राओं ने देव-वेदी में समिधा और आहुतियां अर्पित कीं। मीना माहेश्वरी ने अपने आशीर्वचनों से छात्राओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने दैनिक जीवन एवं अध्ययन के दौरान मोबाइल फोन के संयमित प्रयोग पर बल दिया। प्रो. (डॉ.) रानू शर्मा जी ने अपने प्रेरणादायी वक्तव्य में छात्राओं का आत्मीय स्वागत करते हुए छात्राओं को एकाग्रचित्त होकर अध्ययन करने तथा अपनी असीम क्षमताओं को पहचानने, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने और शिक्षा के क्षेत्र में अनवरत प्रगति पथ पर अग्रसर रहने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम के विशेष आकर्षण के रूप में विश्वविद्यालय स्तर पर गोल्ड मेडल प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन करने वाली मेधावी छात्राओं–स्वाती गौर, अंशिका राघव, अंजली शाक्य एवं काजल को सम्मानित किया गया।

इसी क्रम में महाविद्यालय की अनुशासन समिति में चयनित छात्राओं को बैज प्रदान कर दायित्व सौंपे गए तथा परिसर में सुदृढ़ अनुशासन बनाए रखने हेतु निर्देशित किया गया।

छात्राओं को महाविद्यालय की प्रमुख छात्रहितकारी योजनाओं एवं पाठ्येतर गतिविधियों जैसे एन.एस.एस., एन.सी.सी. रोवर्स-रेंजर्स तथा मिशन शक्ति के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पूजा शुक्ला द्वारा किया गया।इस गरिमामय समारोह में महाविद्यालय परिवार की ओर से कैप्टन प्रो. भावना टिमल, डॉ. सपना, डॉ. दीपा यादव, डॉ. ललिता पाण्डेय, चेतना मौर्य, डॉ. रेखा रानी, अचला वर्मा, सविता, कु. रीनू, श्रीमती ज्योति जायसवाल, सोनिया मिश्रा, लवी बिरला, प्रिया गोयल सहित समस्त शिक्षिकाएं, शिक्षणेत्तर कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

दादा-पोते के प्यार ने पुलिस को भी उलझाया

- 20 घंटे बाद खुला दरवाजा तो बोला पोता-'दादा के साथ ही रहूंगा'
- मंगलवार को जयपुर से पिता लेने पहुंचे तो पोते को लेकर कमरे में बंद हो गए थे दादा

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

सहावर गेट पावसरा स्थित राजपूत डेंटल वाली गली में मंगलवार सुबह से कमरे में बंद दादा-पोते का मामला करीब 20 घंटे बाद बुधवार तड़के 4:30 बजे खत्म हुआ। सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी बाबूराम राजपूत(67) अपने 14 वर्षीय पोते दिग्विजय को लेकर मकान में बंद हो गए थे। जयपुर से दिग्विजय के पिता अविनाश उसे लेने पहुंचे थे, लेकिन दादा पोते को अपने से दूर नहीं करना चाहते थे।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घंटों समझाने का प्रयास किया। देर रात एसपी ओम प्रकाश सिंह भी मौके पर पहुंचे और बाबूराम से बातचीत कर गेट खुलवाने का प्रयास किया। पुलिस ने आसपास के पड़ोसियों से भी घटना की जानकारी ली, लेकिन रातभर गेट नहीं खुला। पुलिसकर्मियों की लगातार समझाइश के बाद बुधवार तड़के बाबूराम पोते के साथ बाहर आए।

कोतवाली प्रभारी जगदीश चन्द्र के अनुसार दिग्विजय स्वस्थ और सुरक्षित है। बाहर आने के बाद उसने दादा के साथ रहने की इच्छा जताई है। दिग्विजय फरुर्खाबाद के सीपी इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा आठ का छात्र है और हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करता था। करीब एक माह पहले उसके दादा बाबूराम उसे हॉस्टल से अपने घर ले आए थे। दादा को पोते से बेहद लगाव है और उन्होंने उसकी सुरक्षा व भविष्य को लेकर संपत्ति का कुछ हिस्सा भी उसके नाम किया है।

पीआरडी जवानों का मानदेय बढ़कर 600 रुपये प्रतिदिन, कैशलेस चिकित्सा सुविधा से खिले चेहरे

हाथरस। पीआरडी जवानों के दैनिक वेतन भत्ते को 500 रुपये से बढ़ाकर 600 रुपये प्रतिदिन किए जाने और मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा योजना लागू किए जाने से जवानों में उत्साह का माहौल है। पीआरडी जवानों को अब पांच लाख रुपये तक के कैशलेस उपचार की सुविधा का लाभ मिलेगा।

युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग के तत्वावधान में कलेक्ट्रेट सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सदर विधायक श्रीमती अंजुला सिंह माहौर ने की। जिलाधिकारी अतुल वत्स एवं पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने विधायक का बुके भेंटकर स्वागत किया। गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित पीआरडी जवानों के सम्मेलन का सजीव प्रसारण भी दिखाया गया।

सदर विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री ने पीआरडी जवानों की मेहनत और जिम्मेदारियों को देखते हुए उनके मानदेय में वृद्धि की है। साथ ही जवानों और उनके परिवारों के लिए पांच लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

मिशन शक्ति: सेठ हरचरन दास गर्ल्स इंटर कॉलेज की छात्राओं ने मुख्यमंत्री के नाम लिखे पत्र

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, हाथरस।

मिशन शक्ति अभियान के तहत सेठ हरचरन दास गर्ल्स इंटर कॉलेज, हाथरस में छात्राओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन और शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने अपने मन की बात, सपनों, अपेक्षाओं और सुझावों को मुख्यमंत्री के नाम पत्रों के माध्यम से लिखा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सदर विधायक श्रीमती अंजुला सिंह माहौर ने की। जिलाधिकारी अतुल वत्स, पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा एवं मुख्य विकास अधिकारी पी.एन. दीक्षित ने छात्राओं से संवाद किया। अतिथियों ने सरस्वती प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

सदर विधायक ने छात्राओं को नियमित रूप से पढ़ने और लिखने की आदत विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पत्र लेखन विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने का सशक्त माध्यम है। छात्राओं को ह्यगुड टचह्ल और ह्यबैड टचह्ल के प्रति जागरूक रहने तथा किसी भी परेशानी की स्थिति में मिशन शक्ति हेल्पलाइन 1090 पर सूचना देने की अपील की।

जिलाधिकारी अतुल वत्स ने छात्राओं से संवाद करते हुए उनके सपनों, विचारों और अपेक्षाओं को जाना। उन्होंने छात्राओं को समाचार पत्र पढ़ने, विशेष रूप से संपादकीय पृष्ठ पढ़ने तथा सोशल मीडिया पर मिलने वाली जानकारी का विश्लेषण करने की सलाह दी।

पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने कहा कि डिजिटल दौर में तकनीक का उपयोग जरूरी है, लेकिन पढ़ने-लिखने की मूल आदत कमजोर नहीं होनी चाहिए। उन्होंने छात्राओं से प्रतिदिन कुछ न कुछ लिखने तथा अपनी बुनियादी क्षमताओं को मजबूत बनाए रखने का आह्वान किया।

करंट लगने से किशोरी की मौत

अलीगढ़। थाना छर्रा क्षेत्र के कस्बा सांकरा रोड में करंट लगने से किशोर की मौत हो गई। किशोर पिछले दो दिनों से खराब पड़ी समर को ठीक करने का प्रयास कर रहा था। बुधवार को स्टार्टर से बिजली के तार जोड़ते समय वह करंट की चपेट में आ गया और अचेत होकर जमीन पर गिर पड़ा। मृतक की पहचान सांकरा रोड निवासी विनोद माहेश्वरी के 16 वर्षीय पुत्र हर्षित माहेश्वरी के रूप में हुई है। बताया गया कि बुधवार को हर्षित समर के स्टार्टर से बिजली के तार जोड़ रहा था। इसी दौरान अचानक करंट लगने से वह गंभीर रूप से झुलस गया और मौके पर ही अचेत हो गया। हर्षित को करंट लगते ही उसकी मां ने शोर मचाया। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और किशोर को तत्काल उपचार के लिए छर्रा के एक निजी अस्पताल ले गए। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। हर्षित कस्बे के एक निजी विद्यालय में कक्षा नौ का छात्र था और दो भाइयों में दूसरे नंबर पर था। उसकी असमय मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और क्षेत्र में भी शोक की लहर दौड़ गई।

शादी का झांसा देकर यौन संबंध बनाने के मामले में वांछित गिरफ्तार

एटा। थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा शादी का झांसा देकर यौन संबंध बनाने के मामले में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। जनपद में सुदृढ़ कानून व्यवस्था व अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण बनाए रखने के परिदृश्य में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. इलामारन व अपर पुलिस अधीक्षक श्वेताभ पाण्डेय व अपर पुलिस अधीक्षक अपराध योगेंद्र सिंह के निकट पर्यवेक्षण में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना कोतवाली नगर एटा पुलिस द्वारा थाना कोतवाली नगर पुलिस पर पंजीकृत मु.अ.स. 387/2026 धारा- 69/316(2)/351(2) बीएनएस में वांछित चल रहे अभियुक्त प्रभात कुमार पुत्र अरविन्द कुमार निवासी ब्रह्मपुरी थाना निधौलीकला जनपद एटा को गिरफ्तार कर थाना स्तर से आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

तीरथ सिंह रावत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनने से युवाओं और हिंदुवादियों में उत्साह

एटा। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा की, जिसमें उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। पूर्व सीएम उत्तराखंड तीरथ सिंह रावत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनने के बाद एटा जिले में भी जश्न देखने को मिला, जिले के चर्चित हिंदूवादी नेता राजू आर्य ने अपने आवास पर तीरथ सिंह रावत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनने पर मिठाईयां बांटकर खुशी का इजहार किया। इस अवसर पर प्रेस प्रतिनिधियों से हुई विशेष वार्ता में उनसे कुछ सवाल भी किए, जिसके जबाव में राजू आर्य ने कहा कि पूर्व सीएम उत्तराखंड तीरथ सिंह रावत मेरे अभिभावक की तरह हैं, पिछले दिनो वे उनकी बेटी के जन्मदिन समारोह में शरीफ होने उनके मारहरा रोड स्थित समारोह में भी आए थे। उनका कहना है कि भाजपा हाईकमान द्वारा उनको पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाना बहुत ही उचित निर्णय है, उनकी नियुक्ति को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी और राजनीति में भाजपा की बड़ी वापसी के तौर पर देखा जा रहा है, साथ उनके पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी दिए जाने से देश को नयी ऊर्जा मिलेगी। आर्य ने खुशी जताते हुए कहा कि उनके अनुभव से भाजपा का संगठन और मजबूत होगा। साथ ही राजू आर्य ने कहा मुझे पूरा विश्वास है कि पूर्व मुख्यमंत्री उत्तराखंड तीरथ सिंह रावत का लंबा राजनीतिक अनुभव भाजपा पार्टी के लिए फायदेमंद साबित होगा। हिंदूवादी नेता श्री आर्य ने अपने कई साथियों के साथ मिष्ठान वितरण कर खुशी जाहिर की।

बासमती धान में संस्तुत कीटनाशकों का ही करें प्रयोग, अनावश्यक एवं अधिक मात्रा में कीटनाशक डालने से बचें

एटा। जिला कृषि रक्षा अधिकारी द्वारा जनपद के बासमती धान उत्पादक कृषकों से अपील की गई है कि बासमती चावल की गुणवत्ता एवं निर्यात को बनाए रखने के लिए फसल में केवल संस्तुत एवं अनुमन्य कीटनाशकों का निर्धारित मात्रा में ही प्रयोग करें। बासमती चावल का विदेशों में निर्यात होने के कारण इसमें कीटनाशक अवशेष निर्धारित मानकों से अधिक पाए जाने पर निर्यात प्रभावित हो सकता है। उन्होंने बताया कि बासमती धान की फसल में आवश्यकता से अधिक अथवा हानिकारक कीटनाशकों के प्रयोग से रसायनों के अवशेष धान के दानों में रह सकते हैं, जो मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होने के साथ-साथ बासमती चावल के निर्यात पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं।

अवैध कब्जे की बात खुद उठाई, नाम पूछे तो साध ली चुप्पी

पालिका बोर्ड बैठक में उठा था अवैध कब्जों का मुद्दा

उदित विजयवर्गीय

- नाम पूछे गए तो सभासदो ने साधी चुप्पी, चर्चा का बाजार गर्म

टीएनएफ टुडे, गंजडुंडवारा। नगर पालिका की बेशकीमती संपत्तियों पर आखिर किसका कब्जा है, यह सवाल अब बोर्ड बैठक से निकलकर पूरे कस्बे में चर्चा का विषय बन गया है। विगत दिनों हुई बोर्ड बैठक में पालिका की संपत्तियों पर अवैध कब्जों का मुद्दा उठा। जनप्रतिनिधियों ने कब्जों की बात तो रखी, लेकिन जब कब्जेदारों के नाम पूछे गए तो चुप्पी साध ली। इसके बाद यह बात नागरिकों के बीच तक पहुंची तो कस्बे में जगह-जगह चर्चा होने लगी कि आखिर पालिका की कौन-कौन सी संपत्तियां कब्जे में हैं और उन पर किसका अधिकार है।

कस्बे के वयोवृद्ध चंद्रभान आर्य के अनुसार, नगर पालिका के पास कभी चार से पांच तालाब, चार चुंगी और तीन दर्जन से अधिक कुएं जैसी सार्वजनिक संपत्तियां हुआ करती थीं। समय के साथ इनका स्वरूप बदलता गया और कई संपत्तियां अतिक्रमण की जद में आ गईं।

कभी जल संरक्षण का प्रमुख साधन रहे तालाब भी धीरे-धीरे सिकुड़ते चले गए। लेकिन अब मुद्दा बोर्ड बैठक में उठने के बाद कस्बे में भी चर्चा का बाजार गर्म है। कस्बावासियों का कहना है कि पालिका पुराने अभिलेखों के आधार पर अपनी सभी संपत्तियों का सत्यापन और सीमांकन कराए तो स्थिति काफी हद तक स्पष्ट हो सकती है। वहीं, जिन जनप्रतिनिधियों के संज्ञान में अवैध कब्जों की जानकारी है, उन्हें संबंधित संपत्तियों और कब्जेदारों की जानकारी प्रशासन के सामने रखनी चाहिए, ताकि वर्षों से चली आ रही चचाओं पर विराम लग सके और नगर की सार्वजनिक संपत्तियों को सुरक्षित किया जा सके।

वहीं एसडीएम एवं प्रभारी ईओ मोहम्मद नासिर ने बताया कि जनप्रतिनिधियों ने स्वयं बोर्ड बैठक में अवैध कब्जों की बात उठाई थी। इस पर उनके द्वारा विधिक कार्रवाई किए जाने की बात कही गई थी। पालिका प्रशासन जल्द अभियान चलाकर ऐसी संपत्तियों को चिन्हित करेगा और अवैध कब्जा पाए जाने पर उन्हें कब्जामुक्त कराने की कार्रवाई की जाएगी।

छात्रों का डीएस कॉलेज में प्रदर्शन

अलीगढ़। राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय परिसर में धर्म समाज कॉलेज के बीए एलएलबी द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं ने विरोध-प्रदर्शन किया। सुबह लगभग 11:00 बजे पलवल रोड, थाना लोधा स्थित विश्वविद्यालय मुख्यालय पहुंचे 15 से 20 छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए धरना दिया।

बुधवार, को छात्रों का यह विरोध एलएलबी और बीए एलएलबी के द्वितीय व तृतीय वर्ष के उन विद्यार्थियों को अगले सेमेस्टर में प्रवेश न दिए जाने के नियम को लेकर है, जो विशेष बैक परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो गए हैं। प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना है कि इस फैसले से उनका शैक्षणिक सत्र प्रभावित हो रहा है।

प्रदर्शनकारी छात्र धर्म समाज डिग्री कॉलेज के बीए एलएलबी द्वितीय वर्ष के थे। उनकी प्रमुख मांग है कि विशेष बैक परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुए छात्रों को अगले सेमेस्टर में सशर्त या नियमित प्रवेश दिया जाए।

स्कूल जाते समय आठ साल की बालिका को सांप ने डसा

- जिला अस्पताल में गंभीर हालत में कराया गया भर्ती
- उपचार के दौरान मौत, परिजनों का रो रोकर बुराहाल

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, अमांपुर।

थाना क्षेत्र के ग्राम रानामऊ में मंगलवार सुबह स्कूल जाते समय आठ वर्षीय बालिका को सांप ने डस लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे उपचार के लिए अमांपुर कस्बे के एक निजी चिकित्सक के पास लेकर पहुंचे। गंभीर स्थिति देखते हुए चिकित्सक ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां चिकित्सकों ने दोपहर करीब 12 बजे बच्ची को मृत घोषित कर दिया।

ग्राम रानामऊ निवासी सोनू की आठ वर्षीय पुत्री खुशबू मंगलवार सुबह करीब आठ बजे गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय जा रही थी। रास्ते में सांप ने उसके पैर में डस लिया।

बच्ची घर पहुंची और पेट में दर्द होने की जानकारी परिजनों को दी। परिजन तत्काल उसे अमांपुर कस्बे में निजी चिकित्सक के पास लेकर पहुंचे।

हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल ले जाने की सलाह दी गई। परिजन बच्ची को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, लेकिन उपचार से पहले ही चिकित्सकों ने करीब दोपहर 12 बजे उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका की तीन छोटी बहनें हैं। बेटी की मौत से मां संध्या का रो-रोकर बुरा हाल है।

संयुक्त कृषि निदेशक ने उर्वरक थोक विक्रेताओं के गोदामों का किया औचक निरीक्षण

खरीफ तथा आगामी रबी मौसम के लिए पर्याप्त स्टॉक देख जाहिर की प्रसन्नता

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, एटा।

संयुक्त कृषि निदेशक अलीगढ़ मंडल श्रवण कुमार ने जिले में विभिन्न थोक उर्वरक विक्रेताओं के गोदामों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान जिला कृषि अधिकारी डॉ.मनवीर सिंह एवं संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान गोदामों में उर्वरकों का स्टॉक मिला जिसमें 535 मीट्रिक टन यूरिया, 2830 मीट्रिक टन डीएपी, 1750 मीट्रिक टन एनपीके तथा एसएसपी सहित अन्य उर्वरक शामिल रहे। वर्तमान खरीफ तथा आगामी रबी मौसम के लिए पर्याप्त स्टॉक देखकर अधिकारियों ने संतोष व्यक्त किया।

संयुक्त कृषि निदेशक ने जिला कृषि अधिकारी को निर्देश दिए कि उपलब्ध यूरिया का शीघ्र उठान कराकर उसे फुटकर विक्रेताओं के माध्यम से किसानों तक समय पर पहुंचाया जाए। साथ ही आगामी सितंबर माह से सरसों एवं अन्य रबी फसलों की बुवाई को देखते हुए डीएपी एवं अन्य फॉस्फेटिक उर्वरकों की मांग बढ़ने की संभावना को ध्यान में रखते हुए थोक विक्रेताओं को निर्देशित किया गया कि वे अपने पास उपलब्ध फॉस्फेटिक उर्वरक इसी माह फुटकर विक्रेताओं को उपलब्ध करें, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

निरीक्षण के दौरान सभी थोक विक्रेताओ को अभिलेख पूर्ण रखने तथा उर्वरक को किसानों तक समय से पहुंचाने की सख्त चेतावनी दी गई। सभी थोक एवं फुटकर विक्रेताओं को शासन के निदेशों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। स्पष्ट किया गया कि किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जिला कृषि अधिकारी डॉ. मनवीर सिंह ने बताया कि वर्तमान में जनपद में 19,324 मीट्रिक टन यूरिया, 10,140 मीट्रिक टन डीएपी एवं 4,161 मीट्रिक टन एनपीके उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि जिले में लगातार उर्वरक रैक प्राप्त हो रही हैं, इसलिए किसी प्रकार की कमी नहीं है।

किसानों से अपील की गई कि वे अपनी आवश्यकता के अनुसार ही उर्वरक खरीदें तथा खतौनी एवं फार्मर आईडी में दर्ज भूमि के अनुसार ही उर्वरक प्राप्त करे, विभाग द्वारा उर्वरक की उपलब्धता और वितरण पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि हर किसान तक समय पर और सुगमता से उर्वरक पहुंच सके।

3 से 14 सितंबर तक गांव-गांव तक स्थापना दिवस मनाएगी विहिप

- भावी कार्यक्रमों की बनाई गई विधिवत रूपरेखा
- विश्व हिंदू परिषद ब्रज प्रांत के अंतर्गत जिला कासगंज कीबैठक

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

विश्व हिंदू परिषद की मासिक कार्य योजना बैठक सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित हुई। बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों, कार्य विस्तार तथा विभिन्न आयामों की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में विश्व हिंदू परिषद के प्रांत सह मंत्री राकेश त्यागी ने कार्यकताओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि संगठन की कार्यनीतियों को परिश्रम, अनुशासन और ईमानदारी के साथ धरातल पर उतारना प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है।

उन्होंने संगठन के समस्त आयामों की आगामी कार्ययोजना को विस्तारपूर्वक समझाया।

उन्होंने बताया कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 3 सितंबर से 14 सितंबर तक प्रत्येक प्रखंड, खंड, उपखंड एवं गांव में स्थापना दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

बैठक में 22 नवंबर से 6 दिसंबर तक घर-घर संपर्क अभियान चलाकर प्रत्येक सनातनी परिवार को हित चिंतक बनाने का आह्वान किया गया तथा कार्यकताओं को इसके लिए लक्ष्य भी निर्धारित किए गए। साथ ही 25 से 27 सितंबर तक विस्तारक योजना पर भी विस्तृत चर्चा की गई, जिससे संगठन का कार्य अधिक से अधिक गांवों तक पहुंच सके। बैठक में पूर्व में आयोजित नशा मुक्ति अभियान सहित विभिन्न सामाजिक एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों की समीक्षा भी की गई तथा आगामी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए कार्यकताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में प्रमुख रूप से संस्कृत एवं वेद आयाम के प्रांत प्रमुख जगदीश विरथरे, विभाग मंत्री विनय राज पन्नू, जिला अध्यक्ष प्रमोद साहू, बजरंग दल के विभाग संयोजक अमरेश वशिष्ट, जिला उपाध्यक्ष तन्वी अग्रवाल, गो संवर्धन संयोजक यतींद्र कुलश्रेष्ठ, बजरंग दल के जिला सहसंयोजक विनोद कुशवाहा एवं राज दिवाकर, मातृशक्ति की सहसंयोजिका इंदिरा विजय, नगर अध्यक्ष चंद्रप्रकाश आर्य, नगर सह मंत्री ओमकार सैनी, जिला सह मंत्री कृष्ण मुरारी की दरगढ, नगर संयोजक सत्येंद्र सिंह, शालू गुप्ता ,उषा वाष्णेय, शोभा, श्वेता गुप्ता ,लखन प्रताप, हिमांशु आदि उपस्थित थे।

अपने 600वें टेस्ट में जीता भारत

गॉल में श्रीलंका को 165 रन से हराया, मानव ने दूसरी बार पारी में छह विकेट झटके

एजेंसी, गॉल।

भारत ने गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में 165 रन से जीत हासिल की है। यह भारत का 600वां टेस्ट था और शुभमन गिल की टीम ने इसमें जीत हासिल की। जीत के लिए मिले 372 रन के लक्ष्य के जवाब में श्रीलंका की दूसरी पारी 206 रन पर सिमट गई। मानव सुथार ने छह विकेट लिए। इस जीत के साथ टीम इंडिया दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से आगे हो गई है। सीरीज का दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा।

गॉल में दोनों टीमें टेस्ट में छह बार आमने-सामने आई हैं। इसमें से सभी छह मैचों के जीत या हार में नतीजे निकले हैं, यानी कोई टेस्ट ड्रॉ नहीं हुआ। भारत और श्रीलंका के बीच यहां छह टेस्ट खेले गए और भारत ने तीन मैच जीते हैं और तीन गंवाए हैं। भारतीय टीम गॉल में इस टेस्ट से पहले श्रीलंका से पिछली बार जुलाई 2017 में भिड़ी थी। तब टीम इंडिया ने 304 रन से जीत हासिल की थी। यानी गॉल में भारत ने लगातार दूसरा टेस्ट जीता। 2014 के बाद से गॉल में खेले गए 28 टेस्ट मैचों में केवल एक ही मुकाबला ड्रॉ पर खत्म हुआ है, वह भी पिछले साल बांग्लादेश के खिलाफ खेला गया बारिश से प्रभावित टेस्ट था। यानी अन्य 27 टेस्ट के नतीजे हार-जीत में निकले हैं।

टॉस जीतकर भारत ने की पहले बल्लेबाजी

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 462 रन बनाए थे। जवाब में श्रीलंका की पहली पारी 284 रन पर सिमट गई थी। टीम इंडिया को दूसरी पारी में 178 रन की बढ़त हासिल थी।

भारत ने अपनी दूसरी पारी में 193 रन बनाए और कुल 371 रन की बढ़त हासिल की और इस तरह श्रीलंका को 372 रन का लक्ष्य मिला था।

श्रीलंका की दूसरी पारी और पांचवें दिन क्या हुआ?

- श्रीलंका की टीम ने पांचवें दिन चार विकेट पर 84 रन से आगे खेलना शुरू किया और 122 रन बनाने में बाकी के छह विकेट गंवा दिए।
- कप्तान धनंजय डिसिल्वा और सोनल दिनुषा ने शानदार बल्लेबाजी की और पांचवें विकेट के लिए 95 रन की साझेदारी निभाई।
- धनंजय को रवींद्र जडेजा ने पवेलियन भेजा। वह सात चौके की मदद से 59 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद श्रीलंका की टीम लगातार विकेट गंवाती रही।
- निरोशन डिकवेला 10 रन, केशारा नुवांथा 20 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, प्रभात जयसूर्या और लाहिरू कुमारा खाता नहीं खोल सके। सोनल दिनुषा आठ चौके और एक छक्के की मदद से 84 रन बनाकर आउट हुए।
- इससे पहले चौथे दिन श्रीलंका की दूसरी पारी में निशान मदुष्का छह रन, लाहिरू उदारा 16 रन और कामिंदु मेंडिस दो रन बनाकर आउट हुए थे। दिनेश चांदीमल के कन्कशन के तौर पर आए पासिंदु सूरियाबंदारा खाता नहीं खोल सके थे।
- भारत की ओर से सुथार के अलावा प्रसिद्ध कृष्णा ने दो विकेट झटके। वहीं, रवींद्र जडेजा और मोहम्मद सिराज को एक-एक विकेट मिला। श्रीलंका के सामने गॉल टेस्ट को जीतने के लिए 372 रन का लक्ष्य है।

मानव सुथार ने मैच में 10 विकेट लिए

मानव ने मैच में कुल 10 विकेट लिए। पहली पारी में उन्होंने चार विकेट झटके थे। मानव ने इससे पहले अफगानिस्तान के खिलाफ जून में हुए टेस्ट में पहली पारी में 33 रन देकर छह विकेट झटके थे। हालांकि, गॉल में उनके शानदार प्रदर्शन के बावजूद देवदत्त पडिक्कल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। पडिक्कल ने गॉल में पहली पारी में 167 रन बनाए और दूसरी पारी में 44 रन बनाए थे।

भारत की दूसरी पारी

- भारत की दूसरी पारी 193 रन पर सिमट गई। भारत को पहली पारी के आधार पर 178 रन की बढ़त हासिल थी। ऐसे में दूसरी पारी में 193 रन के साथ टीम इंडिया की कुल बढ़त 371 रन की हुई और श्रीलंका को 372 रन का लक्ष्य मिला।
- भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन ऋषभ पंत ने बनाए। उन्होंने 69 गेंद में आठ चौके और दो छक्कों की मदद से 66 रन की पारी खेली। इसके अलावा देवदत्त पडिक्कल ने 75 गेंद में छह चौके की मदद से 44 रन बनाए।
- यशस्वी जायसवाल खाता नहीं खोल सके थे। वहीं, केएल राहुल ने पडिक्कल के साथ मिलकर 65 रन की साझेदारी निभाई। राहुल 35 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान शुभमन गिल कुछ खास नहीं कर सके और आठ रन बनाकर पवेलियन लौट गए।
- पडिक्कल, पंत और राहुल के अलावा कोई भारतीय बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। ध्रुव जुरेल सात रन, रवींद्र जडेजा नौ रन, मानव सुथार नौ रन, कुलदीप यादव पांच रन और प्रसिद्ध कृष्णा दो रन बनाकर आउट हुए।
- सिराज दो रन बनाकर नाबाद रहे। श्रीलंका की ओर से असिथा फर्नांडो ने चार विकेट झटके। इसके अलावा प्रभात जयसूर्या ने तीन विकेट झटके। लाहिरू कुमारा को दो विकेट मिले। केशारा नुवांथा ने एक विकेट लिया।

हरमनप्रीत सिंह बने पेनल्टी कॉर्नर के किंग

मौजूदा विश्व कप में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी

एजेंसी, एम्सटलवीन।

पाकिस्तान के खिलाफ हाई-वोल्टेज मुकाबले में भारत की 5-3 की जीत के हीरो रहे कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली। दो गोल दागने के साथ ही हरमनप्रीत पुरुष हॉकी विश्व कप 2026 में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उनके नाम अब पांच गोल हो चुके हैं और वह गोल स्कोररों की सूची में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में हरमनप्रीत ने भारत के लिए दो अहम गोल किए। उन्होंने पांचवें और 21वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया। टूर्नामेंट में उनके सभी पांच गोल पेनल्टी कॉर्नर से आए हैं।

हरमनप्रीत के नाम पांच गोल, फर्लांग दूसरे नंबर पर

विश्व कप में अब तक सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में हरमनप्रीत सिंह पांच गोल के साथ पहले स्थान पर हैं। वेल्स के गैरेथ फर्लांग चार गोल के साथ दूसरे पायदान पर हैं। पाकिस्तान के हन्नान शाहिद और इंग्लैंड के निकोलस बैंडुराक ने तीन-तीन गोल किए हैं। भारत के एक और खिलाड़ी अभिषेक भी इस सूची में शामिल हैं। पाकिस्तान के खिलाफ दो गोल करने के बाद उनके नाम अब कुल दो गोल हो गए हैं और वह शीर्ष गोल स्कोररों की सूची में पांचवें स्थान पर हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ हरमनप्रीत का कमाल

भारत-पाकिस्तान मुकाबले में हरमनप्रीत ने शुरूआत से ही अपना प्रभाव दिखाया। पांचवें मिनट में भारत को मिले पेनल्टी कॉर्नर पर कप्तान ने शानदार ग्राउंडेड फ्लिक के जरिए गेंद को गोल में पहुंचाया और टीम को शुरूआती बढ़त दिलाई।दूसरे क्वार्टर में भी भारत को पेनल्टी कॉर्नर से मौका मिला। हरमनप्रीत ने सेट पीस पर राजिंदर सिंह को गेंद दी। राजिंदर के शॉट को पाकिस्तानी गोलकीपर ने रोक लिया, लेकिन रिबाउंड हरमनप्रीत के पास आया और कप्तान ने दूसरे प्रयास में गोल कर दिया।

मनोरंजन

'फ्रॉम पिंक टू पावर' पैनल में शामिल होंगी तापसी पन्नू

अभिनेत्री तापसी पन्नू एक फिल्म फेस्टिवल में 'फ्रॉम पिंक टू पावरः ब्रेकिंग स्टीरिओटाइप थ्रू सिनेमा' नाम के पैनल का हिस्सा बनने वाली हैं। अभिनेत्री का मानना है कि सिनेमा तब और दिलचस्प बन जाता है जब महिला किरदारों को पेचीदा और बेधड़क दिखाया जाता है। स्पेशल सेशन में शामिल होने पर अभिनेत्री ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, "मेरे लिए, स्टीरियोटाइप्स को तोड़ना हमेशा एक रिस्क लेने और एक ऐसी महिला का किरदार अदा करने से हुआ है, जो शायद उस वर्जन में फिट न हो जिसकी लोग उम्मीद करते हैं। इस सेशन में बात होगी कि कैसे सिनेमा गहराई से जमी हुई रूढ़ियों पर सवाल उठा सकता है। कैसे ये पर्दे पर महिलाओं को दिखाने का तरीका बदल सकता है और दर्शकों को घिसी-पिटी कहानियों से आगे सोचने के लिए प्रेरित कर सकता है।" अभिनेत्री ने बताया कि फेस्टिवल में वे खुद की जर्नी, करियर बनाने वाले फैसलों और पारंपरिक सोच से अलग हटकर काम करने के रिस्क के बारे में बातें करेंगी। साथ ही वो ये भी बताएंगी कि सिनेमा के जरिए सवाल उठाना, लोगों को सोचने पर मजबूर करना और प्रेरित करना कितनी बड़ी जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा, "पिंक और थप्पड़ जैसी फिल्में एक बड़ी बहस का हिस्सा बनी थीं क्योंकि उन फिल्मों में मेरे द्वारा निभाए गए किरदारों को एक तय सांचे पर फिट करने के लिए नहीं बनाया गया था। मैं हमेशा से मानती हूं कि सिनेमा तब और ज्यादा दिलचस्प होता है, जब हम महिलाओं को कम कमजोरियों वाली, पेचीदा, महत्वाकांक्षी और बेधड़क अपने जैसी दिखाने की इजाजत देते हैं। इस फिल्म फेस्टिवल में इन फैसलों और इनसे शुरू हुई बातचीत पर चर्चा करने के लिए मैं बहुत ज्यादा उत्सुक हूं।"

यह फिल्म फेस्टिवल 20 अगस्त से 23 अगस्त 2026 तक नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित किया जाएगा, जिसमें कई बड़ी हस्तियां शामिल होंगी। अभिनेत्री तापसी पन्नू की हाल ही में फिल्म अस्सी में नजर आई थीं। अनुभव सिन्हा द्वारा निर्देशित इस कोर्टरूम ड्रामा फिल्म में तापसी एक निडर वकील की भूमिका में हैं जो गैंगरेप सर्वाइवर को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष करती है।

सामंथा रुथ प्रभु के लिए अब 'कंप्रेशन सॉक्स' ही हैं फैशन

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपने पहले बच्चे के स्वागत की तैयारी में जुटी हुई हैं और इसी बीच उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने बदलते फैशन को लेकर एक ऐसी पोस्ट साझा की, जिसने लोगों का ध्यान खींच लिया। दरअसल, उन्होंने पैरों में पहने जाने वाले कंप्रेशन सॉक्स को ही अपना नया फैशन बता दिया। सामंथा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में उनके पैर सूजे हुए नजर आ रहे हैं और उन्होंने कंप्रेशन सॉक्स पहने हुए है। इसी तस्वीर के साथ सामंथा ने बेहद छोटे लेकिन मजेदार अंदाज में लिखा, "अब जिसे मैं फैशन कहती हूं- कंप्रेशन सॉक्स।" दरअसल, आमतौर पर फैशन को कपड़ों, जूतों और गहनों से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन सामंथा ने अपनी मौजूदा स्थिति में आराम देने वाले सॉक्स को ही फैशन का नया नाम दे दिया। गर्भावस्था के दौरान पैरों और पंजों में सूजन की समस्या आम होती है। ऐसे में कंप्रेशन सॉक्स पैरों में आराम देने और ब्लड सुकुर्लेशन को बेहतर बनाए रखने में मदद करते हैं।

दरअसल, सामंथा ने जून 2026 में अपनी प्रेग्नेंसी की आधिकारिक पुष्टि की थी। अभिनेत्री और उनके पति फिल्मकार राज निदिमोरु, अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाले हैं। सामंथा ने यह खबर अपनी फिल्म 'मा इंटी बंगाराम' की सफलता के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में साझा की थी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया था कि वह कुछ समय के लिए अभिनय से दूरी बनाएंगी और मातृत्व अवकाश लेंगी।

मीडिया से बातचीत में सामंथा ने कहा था कि 'मा इंटी बंगाराम' के बाद उन्हें अपनी मौजूदा स्थिति को देखते हुए थोड़ा ब्रेक लेना पड़ेगा और इसके बाद वह एक और फिल्म के साथ अपने फैंस के बीच वापस लौटेंगी।

कपल की बात करें, तो सामंथा और राज निदिमोरु ने 1 दिसंबर 2025 को शादी की थी। इस शादी में करीबी लोग ही शामिल हुए थे। दोनों की पहली मुलाकात 'द फैमिली मैन 2' के दौरान हुई थी। सामंथा ने इस चर्चित सीरीज में राजी नाम की दमदार भूमिका निभाई थी। शुरूआत में दोनों का रिश्ता पूरी तरह पेशेवर था। 'द फैमिली मैन 2' के बाद सामंथा और राज ने एक बार फिर साथ काम किया। दोनों 'सिटाडेलः हनी बनी' में साथ नजर आए, जो

चर्चित वैश्विक 'सिटाडेल' सीरीज का भारतीय संस्करण था। सीरीज को दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली, लेकिन इसके निर्माण के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ने की खबरें सामने आई थीं।

कच्चा बादाम फेम गर्ल अंजलि अरोड़ा का एक्टिंग डेब्यू, फिल्म 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' में निभाएंगी अहम भूमिका

इन दिनों राम कथा पर कई फिल्में बन रही हैं। नमित मल्होत्रा प्रोड्यूस और नितेश तिवारी निर्देशित फिल्म 'रामायण' खूब चर्चा में है। इसी बीच एक और फिल्म राम कथा पर बन रही है। इस फिल्म का नाम 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' है। इस फिल्म के जरिए अंजलि अरोड़ा अपना एक्टिंग डेब्यू भी रही हैं।

कौन बने हैं राम और सीता?

फिल्म 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' के टीजर में राम और सीता विवाह, वनवास यात्रा और रावण की झलक भी मिली है। इस फिल्म में अंजलि अरोड़ा माता सीता के रूप में नजर आएंगी। वहीं देव शर्मा भगवान राम का किरदार निभाएंगे।

कब रिलीज होगी यह फिल्म?

महोबिया फिल्म्स के प्रोडक्शन तले बनी इस फिल्म को प्रकाश महोबिया और संजय बुंदेला ने प्रोड्यूस किया है। अजय कनौजिया की कंपनी एजे फिल्म एंटरटेनमेंट वर्ल्ड ने इसे पेश किया है। इसके डायरेक्टर अभिषेक सिंह हैं।

यह फिल्म हिंदी के अलावा छत्तीसगढ़ी भाषा में भी रिलीज होगी। यह फिल्म 25 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

एम्सटलवीन (नीदरलैंड) 'गुलाब जामुन ने तो दिल चुरा लिया'

केएमआई में भारतीय रंग में रंगी यूक्रेन की छात्राएं

टीएनएफ टुडे, आगरा।

डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी एवं भाषा विज्ञान संस्थान (केएमआई) में इन दिनों यूक्रेन की एक अनोखी छाप देखने को मिल रही है। यूक्रेन की 'तरास शेवचेन्को नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ कीव' से आईं दो छात्राएं दिआना नेचिपोरूक और कतेरीना कांतोर, स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत 10 से 27 अगस्त तक हिंदी भाषा और भारतीय संस्कृति की गहराइयों को समझ रही हैं। इस खास शैक्षणिक प्रवास के दौरान दोनों छात्राओं ने अपने दिलकश और मजेदार अनुभव साझा किए।

कतेरीना कांतोरने बताया कि यहाँ की वास्तुकला और लोगों का आत्मीय व्यवहार दिल जीत रहा है। केएमआई में अध्ययन कर रहीं कतेरीना कांतोर ने भारत और यहाँ के माहौल को लेकर अपने दिल की बात खुलकर रखी। जब उनसे पूछा गया कि वह यहाँ कैसा महसूस कर रही हैं, तो उन्होंने बेहद सहजता से कहा कि यहाँ सब कुछ बहुत अच्छा है। वह काफी सहज महसूस कर रही हैं। कतेरीना ने आगरा के लोगों की तारीफ करते हुए बताया कि यहाँ के लोग बहुत अच्छे हैं। उन्होंने उनका बेहद प्यार से स्वागत किया है। बातचीत के दौरान जब हाथों में मेहंदी लगवाने का जिक्र आया, तो वह उत्साह से भर उठीं और बताया कि उन्होंने पहली बार अपने हाथों पर मेहंदी लगवाई है, जो उन्हें बेहद खूबसूरत लगी।

कतेरीना को यहाँ की ऐतिहासिक वास्तुकला और लोगों का मिलनसार स्वभाव सबसे ज्यादा भाया है। उनके मुताबिक, इस संस्कृति के बीच रहकर हिंदी पढ़ना एक बेहद अनूठा और दिलचस्प अनुभव है। दिआना नेचिपोरूक ने बताया कि भारतीय खाना थोड़ा मसालेदार है, पर 'गुलाब जामुन' ने दिल चुरा लिया। छात्रा दिआना नेचिपोरूक ने भारतीय खान-पान, संस्कृति और अपने आध्यात्मिक लगाव पर खुलकर चर्चा की। उन्होंने हँसते हुए स्वीकार किया कि उन्हें भारतीय भोजन से गहरा लगाव हो गया है। चटपटे खाने से लेकर मीठे 'गुलाब जामुन' तकः

दिआना ने मुस्कुराते हुए साझा किया, ''भारतीय खाना हमारे लिए थोड़ा मसालेदार जरूर है, लेकिन यह बेहद स्वादिष्ट होता है। आपकी मिठाइयाँ... जैसे 'गुलाब जामुन', वह तो वाकई दिल चुरा लेती हैं!'' भारतीय आस्था के प्रति अपनी जिज्ञासा जाहिर करते हुए उन्होंने बताया कि यहाँ के देवी-देवता उन्हें बहुत आकर्षित करते हैं। उनके पास अलग-अलग आकृतियाँ हैं, जिनमें उन्होंने गर्व से बताया कि उनके पास दो गणेश जी और एक छोटी शिव मूर्ति भी मौजूद है। दिआना ने बड़े ही क्यूट अंदाज में अपने सीखे हुए कुछ हिंदी शब्द भी सुनाए, जैसे–'कविता', 'दीपक', 'पानी पीना' और 'खाना खाना'। दिआना ने मुस्कुराते हुए बताया कि जब लोग उनके पास आकर उनके साथ सेल्फी क्लिक करवाते हैं, तो उन्हें यह पल बहुत पसंद आते हैं और इसमें बड़ा मजा आता है। स्थानीय लोगों का यह प्यार उन्हें एक अलग ही खुशी देता है। कीव यूनिवर्सिटी में हिंदी की पढ़ाई करने वाली दिआना ने बताया कि भले ही उनकी शिक्षिका किन्हीं कारणों से इस यात्रा में साथ नहीं आ पाईं, लेकिन वे दोनों खुद यहाँ आकर भारतीय संस्कृति, भाषा और परंपराओं को सीखने के लिए पूरी तरह उत्साहित हैं।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर आशु रानी ने इस पहल को 'वसुधैव कुटुम्बकम' की अवधारणा को साकार करने वाला बताया। उन्होंने कहा, ''ऐसे कार्यक्रम शिक्षा को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर उसे अनुभवात्मक और बहुआयामी बनाते हैं।'' साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में भी इसी तरह देश-विदेश से जो लोग सीखने के लिए यहाँ आते रहेंगे। विश्वविद्यालय उन्हें उतने ही खुले दिल और आत्मीय भाव से स्वीकार करेगा और भारतीय संस्कृति व ज्ञान सिखाता रहेगा, क्योंकि यही हमारी 'वसुधैव कुटुम्बकम' की सच्ची भावना है। यह स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम न केवल दोनों छात्राओं के लिए एक शानदार ग्लोबल लर्निंग प्लेटफॉर्म साबित हो रहा है। बल्कि भारत और यूक्रेन के बीच के सांस्कृतिक रिश्तों को भी एक नई और खूबसूरत उड़ान दे रहा है।